



सत्यमेव जयते  
महाराष्ट्र शासन

# कार्यक्रम अंदाजपत्रक २०२६-२०२७

पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग  
(जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध)

PERFORMANCE BUDGET

2026 - 2027

ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT  
(PREVENTION OF WATER AND AIR POLLUTION)

# **कार्यक्रम अंदाजपत्रक २०२६–२०२७**

**पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग  
(जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध)**

**PERFORMANCE BUDGET**

**2026 - 2027**

**ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT  
(PREVENTION OF WATER AND AIR POLLUTION)**

(ii)

(iii)

अनुक्रमणिका  
CONTENTS

पृष्ठे  
Page No.

|   |     |     |
|---|-----|-----|
| तक्ता 'अ'<br>Statement 'A'  | ... | 2-3 |
| तक्ता 'ब'<br>Statement 'B'  | ... | 2-3 |
| संपूर्ण अर्थसंकल्पाचा प्रधानशीर्ष तथा कार्यक्रमानुसार तपशील<br>Major Head-cum Programmewise-Details of Total Budget Estimates 2026-2027 |     |     |
| <i>कार्यक्रम -<br/>Programme-</i>   |     |     |
| १. मंत्रालय-पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग<br>1. Mantralaya- Environment and Climate Change Department.                                 | ... | 5   |
| २. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ<br>2. Maharashtra Pollution Control Board   | ... | 19  |

---



---

---

तक्ता क्रमांक 'अ' व 'ब'  
**TABLE No. 'A' AND 'B'**

---

---

तक्ता-  
STATEMENT--  
२०२६-२०२७ च्या संपूर्ण अर्थसंकल्पाचा  
Programmewise details of

| अनुक्रमांक<br>Serial No. | कार्यक्रमाचे नाव                            | प्रत्यक्ष रक्कमा २०२४--२०२५<br>Actuals Expenditure 2024-2025 |                    |               | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२५-२०२६<br>Budget Estimates 2025-2026 |                    |               |
|--------------------------|---|--|--------------------|---------------|--|--------------------|---------------|
|                          |   | महसुली<br>Revenue  | भांडवली<br>Capital | एकूण<br>Total | महसुली<br>Revenue  | भांडवली<br>Capital | एकूण<br>Total |
| 1                        | 2   | 3  | 4                  | 5             | 6  | 7                  | 8             |
| १.                       | जल व वायु प्रदूषण प्रतिबंध ...              | 71677  | 0                  | 71677         | 78778  | 0                  | 78778         |
|                          | ...   |  |                    |               |  |                    |               |
|                          | एकूण-१ ...                                  | 71677  | 0                  | 71677         | 78778  | 0                  | 78778         |
| २.                       | मंत्रालय पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग ... | 53351  | 0                  | 53351         | 79421  | 0                  | 79421         |
|                          | २२५१+ ...                                   | 0  | 0                  | 0             | 60   | 0                  | 60            |
|                          | २२३५+ ...                                   | 0  | 0                  | 0             | 16556  | 0                  | 16556         |
|                          | ७६१० ...                                    |  |                    |               |  |                    |               |
|                          | ३४३५+                                       | 4973000  | 0                  | 4973000       | 4499504  | 0                  | 4499504       |
|                          | एकूण-२ ...                                  | 5026351  | 0                  | 5026351       | 4595541  | 0                  | 4595541       |
|                          | एकूण १ + २ ...                              | 509,80,28  | 0                  | 509,80,28     | 4674319  | 0                  | 4674319       |

तक्ता-  
STATEMENT--  
संपूर्ण अर्थसंकल्पाचा प्रधानशीर्ष तथा  
Major Head-cum Programmewise

| कार्यक्रम<br>क्रमांक<br>Programme<br>No. | अर्थसंकल्पातील<br>प्रधान शिर्ष<br>व कार्यक्रमाचे नाव | प्रत्यक्ष रक्कमा २०२४--२०२५<br>Actuals 2024-2025 | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२५-२०२६<br>Budget Estimates 2025-2026 |
|--|--|--|--|
| 1  | 2  | 3  | 4  |
| १.                                       | जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध ...                        | 71677  | 78778  |
|  | अनुक्रमांक यु. १ ...                                 |  |  |
|  | २०४९, व्याज प्रदाने ...                              | 0  | 60   |
| २.                                       | २२३५, सामाजिक सुरक्षा व कल्याण ...                   |  |  |
| ३.                                       | २२५१, सचिवालय सामाजिक सेवा ...                       | 53351  | 79421  |
|  | मागणी क्रमांक यु.-३ दत्तमत ...                       |  |  |
|  | भारित ...  |  |  |
| ४.                                       | जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध ...                        | 4973000  | 4499504  |
|  | मागणी क्रमांक यु.-४ ...                              |  |  |
|  | ३४३५, परिस्थिती व पर्यावरण ...                       |  |  |
| ५.                                       | मागणी क्रमांक यु.-५ ...                              | 0  | 16556  |
|  | ७६१०, शासकीय कर्मचाऱ्यांना ...                       |  |  |
|  | कर्ज इ. ...  |  |  |
|  | एकूण ...   | 509,80,28  | 4674319  |

‘अ’

3

‘A’

कार्यक्रमानुसार तपशील  
Total Budget Estimates 2026-2027(रुपये हजारात)  
(Rupees in Thousands)

| सुधारित अंदाज २०२५-२०२६<br>Revised Estimate 2025-2026 |                          |                     | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२६-२०२७<br>Budget Estimates 2026-2027 |   |
|---|--------------------------|---------------------|--|---|
| महसुली<br>Revenue<br>9                                | भांडवली<br>Capital<br>10 | एकूण<br>Total<br>11 | 12   | Name of the Programme<br>13                     |
| 78778   | 0                        | 78778               | 79896  | <b>1. Prevention of Water and Air Pollution</b> |
| 78778   | 0                        | 78778               | 79896  | <b>Total-1</b>                                  |
| 60703   | 0                        | 60703               | 83555  | <b>2. Mantralaya Environment Department</b>     |
| 60  | 0                        | 60                  | 60   | (2251) +  |
| 14297   | 0                        | 14297               | 27101  | (2235) +  |
| 3724655   | 0                        | 3724655             | 6098603  | 7610  |
| 3799715   | 0                        | 3799715             | 6209319  | (3435)  |
| 3878493   | 0                        | 3878493             | 6289215  | <b>Total (1+2)</b>                              |

‘ब’

‘B’

कार्यक्रमानुसार तपशील  
Total Budget Estimates 2026-2027(रुपये हजारात)  
(Rupees in Thousands)

| सुधारित अंदाज २०२५-२०२६<br>Revised Estimate 2025-2026 |         | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२६-२०२७<br>Budget Estimates 2026-2027 |  | Major Head and<br>Name of the Programme  |
|---|---------|--|--|--|
| 5   | 6       | 7  |  |  |
| 78778   | 79896   |  |  | 1. Control over Water and Air Pollution...<br>Demand No. U--1                              |
| 60  | 60      |  |  | 2049--Interest Payment   |
| 60703   | 83555   |  |  | 2. 2235-Social Security and Welfare<br>Demand No. U--2                                     |
| 3724655   | 6098603 |  |  | 3. 2251-Secretariate Social services<br>Demand No. U-3                                     |
| 14297   | 27101   |  |  | 4. Prevention of Water and Air Pollution<br>Demand No. U-4<br>3435 Ecology and Environment |
| 3878493   | 6289215 |  |  | 5. Demand No. U-5<br>7610-Loans to Govt. Servants etc.                                     |
|   |         |  |  | ... <b>Total.</b>  |



**१.पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग, मंत्रालय****1. ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT,  
MANTRALAYA****प्रास्ताविक :**

मंत्रालय पातळीवर स्वतंत्र पर्यावरण विभाग दिनांक १-५-१९८५ पासून अस्तित्वात आला आहे.

प्रधान सचिव (पर्यावरण) यांना त्यांच्या प्रशासकीय कामात उपसचिव, अवर सचिव व कक्ष अधिकारी मदत करतात. विभागातील तांत्रिक कामात प्रधान सचिव (पर्यावरण) यांना मदत करण्यासाठी संचालक (पर्या.), शास्त्रज्ञ श्रेणी -१ व शास्त्रज्ञ श्रेणी - २ हे अधिकारी आहेत.

विभागाचे काम सर्वसाधारण पर्यावरण संरक्षण हे आहे. पैकी जल व वायू प्रदूषण नियंत्रणाचे कामकाज महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत करून घेतले जाते. विभागाच्या कामावर प्रधान सचिव, संचालक, उपसचिव यांचे नियंत्रण असते. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या कामावर मंडळाचे अध्यक्ष, सदस्य सचिव आणि मंडळाचे इतर सदस्य ह्यांचे नियंत्रण असून मंडळ पर्यावरण विभागाच्या अखत्यारित काम करते.

## पर्यावरण विभाग

१. महाराष्ट्र राज्य हे भारतातील एक औद्योगिक दृष्टीने पुढारलेले राज्य असून या राज्यात मोठ्या प्रमाणावर लहान मोठे व मध्यम उद्योग आहेत. देशातील सर्वात जास्त कामगार महाराष्ट्र राज्यात आहेत. महाराष्ट्रातील शहरी भागात जास्त लोकवस्ती एकवटली असून (२.५ कोटी) त्यापैकी ७० टक्के नागरी वस्ती बृहन्मुंबई प्राधिकरण व अ वर्गातील १० शहरामध्ये एकवटली आहे. मुंबई प्राधिकरण जास्त प्रमाणात व्यापारीकरण व औद्योगिकदृष्ट्या अग्रस्थानी आहे. महाराष्ट्रातील नागरी लोकसंख्येच्या ४५ टक्के लोकसंख्या मुंबई प्राधिकरण क्षेत्रात एकवटली आहे. वाढत्या कारखान्यामुळे आणि शहरीकरणामुळे मुंबई प्राधिकरण भागात वार्षिक ४.७ टक्के लोकसंख्या वाढत आहे. यामुळे पर्यावरणाचा वेगाने न्हास होत आहे.

नगर विकास विभागातून पर्यावरण विभाग वेगळा करून मे १९८५ पासून तो कार्यरत झाला.

### २. सीआरझेड प्राधिकरण

“केंद्र शासनाने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ अंतर्गत सागरी किनारा क्षेत्रातील पर्यावरणाचे संरक्षण, संवर्धन आणि विकास कामांचे नियमन करण्यासाठी दि. १९/०१/१९९१, ०६/०१/२०११ व नव्याने १८/०१/२०११ रोजी सागरी किनारा विनियमन क्षेत्र अधिसूचना पारित केली आहे. या सागरी किनारा विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, २०११ नुसार उच्चतम भरती रेषा निश्चित करण्यात आलेली आहे व राज्यातील सात तटीय - मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, रायगड, रत्नागिरी व सिंधुदुर्ग जिल्हयांचे सागर तटीय व्यवस्थापन नकाशे केंद्र शासनाने मंजूर केले असून प्राधिकरणाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करून देण्यात आले आहेत. सागरी किनारा विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, २०११ नुसार सागरी किनारा विनियमन क्षेत्राची मर्यादा समुद्राभिमुख क्षेत्रासाठी ५०० मीटर व खाडीलगतच्या क्षेत्रासाठी ५० मीटर करण्यात आलेली आहे. केंद्र शासनाने सागरतटीय विनियमन क्षेत्राच्या अधिसूचनांची अंमलबजावणी करण्यासाठी प्रधान सचिव / सचिव, पर्यावरण यांचे अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र व्यवस्थापन प्राधिकरणाची स्थापना केलेली आहे. पर्यावरण विभागातील संचालक/ उप सचिव पदावरील अधिकारी हे या प्राधिकरणाचे सदस्य सचिव आहेत. महाराष्ट्र सागरी क्षेत्र व्यवस्थापन प्राधिकरणांमार्फत राज्यातील सागरतटीय विनियमन क्षेत्रातील बांधकामांना सागरतटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, २०११ मधील तरतुदीनुसार परवानगी देण्यात येते. सदर सीआरझेड परवानगीसाठी केंद्र शासनाच्या परिवेश पोर्टलवर अर्जदाराने अर्ज सादर करणे आवश्यक आहे. तसेच सदर अधिसूचनांचा भंग झाल्यास संबंधितांवर कारवाई करणेसाठी जिल्हाधिकारी यांचे अध्यक्षतेखाली जिल्हास्तरीय सागरी किनारा संनियंत्रण समितीची स्थापना केलेली आहे.”

### ३. राष्ट्रीय हरित सेना योजना -

राष्ट्रीय हरित सेना ही १०० टक्के केंद्र पुरस्कृत महत्वाकांक्षी योजना असून शालेय विद्यार्थ्यांद्वारे त्यांच्या प्रत्यक्ष सहभागातून पर्यावरण संरक्षणाबाबत जनजागृती करणे हा या योजनेचा उद्देश आहे.

ही योजना सन २००२ पासून सुरु झाली असून महाराष्ट्रात प्रत्येक जिल्ह्यात प्रत्येकी २५० इको क्लबनिर्माण करण्यात आले आहेत. प्रत्येक इको क्लबमध्ये ५० विद्यार्थ्यांना समाविष्ट करण्यात येते. आतापर्यंत राज्यात ८८९८ इको क्लबस् स्थापन करण्यात आले असून त्यामध्ये सुमारे ४,४२,५०० विद्यार्थी सहभागी आहेत. या इको क्लबस् मार्फत स्मृतीवन विकास, बीज भंडार (Seed Bank) फटाक्यांचे दुष्परिणाम तसेच ध्वनी व जल प्रदूषण

इत्यादी बाबत विविध लघु प्रकल्प राबविण्यात येतात. ह्यासाठी प्रत्येक इको क्लबला केंद्र शासनाद्वारे रु. २,५०० अनुदान देण्यात येते.

### ४. जिल्हा पर्यावरण समिती

जिल्हा पर्यावरण संवर्धनात व संरक्षणात स्थानिक यंत्रणेच्या व जनतेच्या जनसहभागाचे महत्त्व लक्षात घेऊन केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालयाने देशातील प्रत्येक राज्यात प्रदूषण नियंत्रण मंडळाव्यतिरिक्त जिल्हा पातळीवर जिल्हा पर्यावरण समिती गठित करण्याबाबत निदेश त्यांच्या दि. ३०-१२-१९८८ च्या पत्राद्वारे दिलेले आहेत. ही समिती गठित करण्यामागील केंद्र शासनाचा मुख्य हेतू हा, जिल्ह्यातील पर्यावरणाचे संरक्षण करणे असा आहे. ही समिती स्थानिक पर्यावरणाशी संबंधित बाबींवर लक्ष केंद्रीत करेल. जनसहभागाने स्थानिक पर्यावरणाच्या समस्या जाणून घेऊन त्यावर उपाययोजना सुचविणे, जनजागृती करणे, जिल्ह्यातील विविध नैसर्गिक संसाधनांचे सर्वेक्षण करून त्या संसाधनांच्या संवर्धनासाठी शासनास शिफारसी करणे, तसेच शासनास जिल्ह्याच्या पर्यावरण संवर्धनासाठी योग्य त्या शिफारसी करणे/सल्ला देणे. ही समिती केवळ सल्लागार समिती म्हणून कार्य करेल किंवा राज्य शासनाने ठरविल्यास जिल्हा प्रशासनामध्ये सुध्दा औपचारिकरीत्या पर्यावरण संवर्धनासाठी प्रशासनिक कार्य करू शकेल.

पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग शासन निर्णय क्र. जिपस-२०१४/ प्र.क्र.९५/तां.क.३, दिनांक २५/११/२०२५ अन्वये जिल्हा पर्यावरण समितीची पुनर्सूचना करण्यात आली असून जिल्हा पर्यावरण समितीची सुधारीत रचना पुढीलप्रमाणे आहे -

|   |              |
|---|--------------|
| १. जिल्हाधिकारी   | : अध्यक्ष    |
| २. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद  | : सदस्य      |
| ३. जिल्हा पोलीस अधीक्षक   | : सदस्य      |
| ४. महानगरपालिका आयुक्त  | : सदस्य      |
| ५. जिल्हा उद्योग अधिकारी  | : सदस्य      |
| ६. जिल्हा कृषी अधिकारी  | : सदस्य      |
| ७. जिल्हा आरोग्य अधिकारी  | : सदस्य      |
| ८. कार्यकारी अभियंता, जलसंपदा विभाग   | : सदस्य      |
| ९. कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम   | : सदस्य      |
| १०. जिल्हा जनसंपर्क व माहिती अधिकारी  | : सदस्य      |
| ११. जिल्हा वन अधिकारी   | : सदस्य      |
| १२. प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ  | : सदस्य      |
| १३. जी.एस.डी.ए. वरिष्ठ भूवैज्ञानिक  | : सदस्य      |
| १४. सह आयुक्त, नगरपालिका प्रशासन  | : सदस्य      |
| १५. अध्यक्षानी नामनिर्देशित केलेले पर्यावरण क्षेत्रातील तज्ञ २ प्रतिनिधी  | : सदस्य      |
| १६. अध्यक्षानी नामनिर्देशित केलेले पर्यावरण क्षेत्रात काम करणाऱ्या जिल्ह्यातील अशासकीय सेवाभावी संस्थेचे २ प्रतिनिधी. | : सदस्य      |
| १७. जिल्ह्यातील सर्व आमदार  | : सदस्य      |
| १८. प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ.  | : सदस्य सचिव |

### समितीचे कामकाज व कार्यकक्षा :

अ. जिल्ह्यातील स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी तयार केलेल्या पर्यावरण सद्यस्थिती अहवालावर सखोल चर्चा करुन शिफारस करणे व असा अहवाल प्रत्येक स्थानिक स्वराज्य संस्थेकडून प्राप्त करुन घेणे.

आ. जिल्ह्यातील पर्यावरणाचा न्हास झालेल्या नैसर्गिक संसाधनांचे सर्वेक्षण करुन अशा संसाधनांच्या संवर्धनासाठी शासनास शिफारस करणे व शासनाच्या मान्यतेने उपाययोजनांच्या अंमलबजावणीसाठी संनियंत्रण करणे.

इ. जिल्हा स्तरावर पर्यावरण दिन, वसुंधरा दिन, जलसाक्षरता दिवस, ओझोन संरक्षण दिवस, वेट लॅण्ड कॉन्झर्व्हेशन दिवस, वृक्षारोपण मोहीम, प्लॅस्टिक निर्मूलन मोहीम, प्लॅस्टिक पिशव्यांच्या बंदीबाबत जनजागृती, शाळा-कॉलेजांमध्ये पर्यावरण शिक्षण व जनजागृती स्पर्धा व कार्यक्रम इत्यादी राबविण्यासाठी कृती आराखडा तयार करुन त्याची अंमलबजावणी करणे.

ई. पर्यावरण विभागामार्फत जिल्ह्यात कार्यरत असलेल्या योजनांच्या योग्य त्या अंमलबजावणीसाठी, विभागामार्फत योजनानिहाय वा एकत्रित स्वरुपात निर्गमित सुचनानुसार कार्यवाही करणे.

उ. जिल्ह्यात नव्याने प्रस्थापित होणाऱ्या विकास प्रकल्पासाठी तयार करण्यात येणाऱ्या "पर्यावरण आघात मूल्यांकन अहवाल" व "जनसुनावणी" बाबत संबंधित प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ यांनी समितीस सुचित करावेत. यानुसार समितीने आपली मते जनसुनावणी दरम्यान आवश्यकतेनुसार विहित कार्यपध्दतीने नोंदवावी.

च. सद्यःस्थितीत अस्तित्वात असलेल्या विकास योजना/प्रकल्पांमुळे होणाऱ्या जिल्ह्यातील पर्यावरण न्हासांवर उपाययोजना शासनास सुचविणे व शासनाच्या निर्देशानुसार त्यावर अंमलबजावणी करणे.

छ. पर्यावरण संरक्षण कायदा, १९८६ अंतर्गत निर्गमित करण्यात आलेल्या अधिसूचना क्र. एसओ-३९४ (ई), दिनांक १६ एप्रिल १९८७ अन्वये जिल्हाधिकारी यांना प्रदान केलेले अधिकार जिल्हाधिकारी समितीचे अध्यक्ष या नात्याने जिल्हा स्तरावर पर्यावरण संरक्षणासाठी व संवर्धनासाठी आवश्यकतेनुसार वापरतील. तसेच पर्यावरण न्हासास कारणीभूत ठरत असलेल्या / ठरणाऱ्या घटकांवर / संस्थांवर या कायदान्वये प्राप्त अधिकारांनुसार, समितीचे अध्यक्ष कारवाई करतील किंवा कारवाई करण्यासाठी शासनाच्या पर्यावरण विभागास शिफारस करतील.

ज. समिती पर्यावरण न्हासाबाबत प्राप्त होणाऱ्या तक्रारींची स्थानिक पातळीवर त्वरीत दखल घेईल व त्यासाठी आवश्यक ती कारवाई संबंधित यंत्रणेच्या माध्यमातून करेल.

**ब) पश्चिम घाट विकास कार्यक्रमांतर्गत शालेय विद्यार्थ्यांमध्ये पर्यावरण विषयक जाणीवा रुजवून त्या समृद्ध करण्यासाठी विशेष इको-क्लब मार्फत अमलबजावणी.**

देशातील डोंगराळ प्रदेशाच्या विकासास चालना देण्यासाठी राष्ट्रीय विकास मंडळाच्या शिफारशीनुसार १९७४-७५ या वर्षापासून महाराष्ट्र, कर्नाटक, तामिळनाडू, केरळ व गोवा या राज्यांमध्ये पश्चिम घाट विकासाचा केंद्र पुरस्कृत कार्यक्रम सुरु करण्यात आला आहे. ज्या तालुक्यातील किमान २० टक्के क्षेत्र ६०० मीटर उंचीवर किंवा त्यापेक्षा जास्त उंचीवर आहे अशा क्षेत्राचा पश्चिम घाट क्षेत्रात समावेश करण्यात आलेला आहे. त्यानुसार राज्याच्या १२ जिल्ह्यातील ६३ पश्चिम घाट विकास कार्यक्रम राबविण्यात येत आहे.

या कार्यक्रमांतर्गत शालेय विद्यार्थ्यांमध्ये तालुक्यांमध्ये पर्यावरण विषयक जाणिव्या रुजवून त्या समृद्ध करण्यासाठी पश्चिम घाट क्षेत्रामध्ये विशेष इको-क्लब मार्फत अमलबजावणी करण्यास शा.नि. क्र. पधावि-२०१०/प्र.क्र. ३१/२०१०/तां.क. ४, दिनांक २८.१०.२०१० अन्वये मान्यता देण्यात आली आहे.

### ५. सरदार सरोवर प्रकल्पांतर्गत पर्यावरण संरक्षण उपाययोजनांसाठी संनियंत्रण कक्ष -

केंद्र शासनाने स्थापित केलेल्या नर्मदा पाणी लवादाच्या सन १९७९ च्या पाणी व वीज वाटप निर्णयाची अंमलबजावणी करण्यासाठी विविध यंत्रणांची स्थापना करण्यात आली होती. यांतर्गत सरदार सरोवर प्रकल्पाचा पर्यावरणावर होणारा परिणामांचा विचार करण्यासाठी केंद्र शासनाच्या नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरणात केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालयीन सचिवांच्या अध्यक्षतेखाली पर्यावरण उपदलाची स्थापना करण्यात आली. या उपदलाच्या ४० व्या बैठकीत पर्यायी वृक्ष लागवड, लाभक्षेत्र विकास, मत्स्य संवर्धन, आरोग्य विषयक बाबी यासारख्या पर्यावरणाशी संबंधित प्रकल्पांतर्गत बाबींवर त्या त्या प्रशासकीय विभागांमार्फत केल्या जाणाऱ्या कार्यवाहीची समन्वयन करण्यासाठी पर्यावरण संनियंत्रण कक्षाची स्थापना करण्याचा निर्णय घेण्यात आला.

सन २००७-०८ या वर्षापासून पर्यावरण विभागात सरदार सरोवर प्रकल्पांतर्गत पर्यावरणदृष्ट्या संरक्षण उपाययोजना करण्याच्या कामाचे संनियंत्रण करण्यासाठी पर्यावरण संनियंत्रण कक्षाची स्थापना करण्यात आली. या कक्षात तात्पुरती तीन पदे- प्रकल्प अधिकारी, तांत्रिक सहाय्यक, डेटा एन्ट्री ऑपरेटर - निर्माण करण्यात आली आहेत.

### संनियंत्रण कक्षाची कार्ये -

१) सरदार सरोवर प्रकल्पांशी संबंधित सर्व प्रशासकीय विभाग व त्यांच्या क्षेत्रीय यंत्रणेबरोबर समन्वय.

२) प्रकल्प कृती आराखडयाप्रमाणे वेळोवेळी करण्यात येत असलेल्या कामांच्या प्रगतीचा आढावा घेवून संबंधित विभाग, पर्यावरण विभाग व केंद्र शासनास सादर करणे.

३) प्रत्यक्ष प्रकल्पस्थानास भेटी देवून भौतिक प्रगतीचा/परिस्थितीचा अहवाल सादर करणे.

४) प्रकल्पाशी संबंधित केंद्रीय स्तरावरील राज्य स्तरावरील बैठकांचा समन्वय.

### ६. वातावरणीय बदल -

जागतिक स्तरावर वातावरणीय बदलासंबंधी होत असलेल्या कार्यवाहीस अनुसरुन महाराष्ट्र राज्यात वातावरणीय बदलाच्या होणाऱ्या परिणामांच्या अनुषंगाने विविध उपाययोजना राबविण्यात येत आहेत. राज्य शासनाने वातावरणीय बदलांमुळे उद्भवणाऱ्या समस्यांना सामोरे जाण्यासाठी The Energy and Resouces Institute (TERI) या संस्थेबरोबर सामंजस्य करार करुन सविस्तर कृती आराखडा तयार केला. यात सन २०३०,२०५० व २०७० या कालखंडांमध्ये संभाव्य वातावरणाच्या बदलांमुळे कृषी, जलस्त्रोत, तटीय क्षेत्र, जलसंपदेवर अवलंबून जीवनशैली या उभय स्त्रोतासह जैवविविधता आपत्ती व्यवस्थापन, वने व जैव विविधतेवर होणारा संभाव्य परिणाम व त्सासाठी करावयाच्या उपाययोजनांचा समावेश आहे.

सदर कृती अराखड्यातील ५० शिफारशीपैकी एकूण १४ शिफारशींचा समावेश करुन महाराष्ट्र राज्याचे वातावरणीय बदल अनुकूलन धोरण दि. १०/१०/१७ रोजी मा. मंत्रिमंडळ बैठकीत मंजूर झालेले असून दि.२५/१०/१७ रोजी त्या बाबतचा शासन निर्णय निर्गमित करण्यात आलेला आहे.

पर्यावरण विभागाने ऊर्जा, वने, कृषि, जलसंपदा, ग्राम विकास, नगर विकास, आपत्ती व्यवस्थापन व आरोग्य अशा ८ विभागांकरिता विभागनिहाय कृती आराखडे तयार केले असून ते संबंधित विभागांना सादर करण्यात आले आहेत. या विभागनिहाय कृती आराखड्यात धोरणांमध्ये दिलेल्या संबंधित विभागाच्या शिफारशींचे मूल्यामापन (Cost benefit analysis) केले गेले आहे. इतर संबंधित विभागांना त्यांचे वातावरणीय बदल आराखडा, धोरण आणि कृती तयार करण्याकरता सातत्यपूर्ण मदत पुरविण्यात येत आहे.

अर्थसंकल्पीय अधिवेशन २०१८ मध्ये विभागाने लोक प्रतिनिधीसाठी वातावरणीय बदल या विषयावर एक कार्यशाळा आयोजित केली होती. तदनंतर मा. सभापती, महाराष्ट्र विधान परिषद व मा. अध्यक्ष, विधान सभा, यांच्या अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र राज्य विधिमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांची संयुक्त तदर्थ समिती गठीत करण्यात आली. यात मा. मंत्री (पर्यावरण व वातावरणीय बदल) व मा. राज्यमंत्री यांचे समवेत ११ विधान सभेचे सदस्य व ४ विधान परिषदेच्या सदस्यांचा समावेश आहे. महाराष्ट्र शासनाने केंद्रीय पर्यावरण, वने आणि वातावरणीय बदल मंत्रालयाच्या नव्या निर्देशानुसार उपरोक्त कृती आराखड्याचे अद्यावतीकरण करण्यात आले असून सुधारीत “महाराष्ट्र राज्य वातावरणीय बदल कृती आराखडा” तयार करण्यात आला आहे. त्यामध्ये कृषी, जलसंधारण, जलसंपदा, सार्वजनिक आरोग्य, पर्यटन व आदिवासी विकास या क्षेत्रांकरिता वातावरणीय बदल अनुकूलन तसेच ऊर्जा, उद्योग, परिवहन व वने या क्षेत्रांकरिता वातावरणीय बदल शमन उपाययोजना व कृती सुचविण्यात आल्या आहेत. केंद्र सरकारच्या नॅशनल कुलिंग प्लॅन, २०१९ च्या धर्तीवर स्टेट कुलिंग अॅक्शन प्लॅन तयार करण्यात आला आहे. सौर उर्जेवर आधारित तंत्रज्ञान वापरून विकेंद्रीत रोजगार तयार करण्याच्या योजनेचाही यात समावेश आहे. कृती आराखड्यामध्ये क्लायमेट बजेटचा पहिल्यांदाच समावेश करण्यात आला आहे. भारत सरकारने दि. १५ मे २०२५ रोजी आयोजित 20th Expert Committee on Climate Change (ECCC) च्या बैठकीत सदर कृती आराखड्यास मान्यता दिली आहे. सदर कृती आराखडा दि. ०५ जून २०२५ रोजी पर्यावरण दिनाचे औचित्य साधून महाराष्ट्र शासनाव्दारे प्रकाशित करण्यात आला आहे.

राज्य वातावरणीय कृती आराखडा, राष्ट्रीय वातावरणीय कृती आराखडा, केंद्र सरकारचे मिशन लाईफ यांची राज्यात अंमलबजावणी करण्यासाठी राज्य शासनाने दि. ९ ऑगस्ट, २०२३ च्या शासन निर्णयाद्वारे राज्य वातावरणीय कृती कक्ष स्थापन केला आहे. शासनाचे विविध विभाग, स्थानिक स्वराज्य संस्था, उद्योग, अशासकीय संस्था, संशोधन संस्था यांचेशी समन्वय साधून राज्यातील वातावरणीय बदलासंबंधीच्या सर्व कृतीचे सारथ्य हा कृती कक्ष करेल.

### ● पर्यावरण व शाश्वत विकास टास्क फोर्स :

राज्यातील वातावरणीय बदलाच्या संकटाला तोंड देवून शाश्वत विकास साधण्यासाठी राज्यामध्ये मोठ्या प्रमाणात बांबू लागवडीस शेतकऱ्यांना उद्युक्त करण्यासाठी दि. ०३ जानेवारी २०२४ च्या शासन निर्णयान्वये मा. मुख्यमंत्री महोदयांच्या अध्यक्षतेखाली “पर्यावरण व शाश्वत विकास टास्क फोर्स” गठित करण्यात आला आहे. बांबूचे रोप झपाट्याने वाढणारे, कमी पाण्यात येणारे व इतर झाडांच्या तुलनेत अधिक कार्बन शोषून घेणारे (carbon sequestration) असल्यामुळे राज्यातील पडीक जमिनीवर, नदीकाठांवर, धरण क्षेत्रात, रस्त्यांच्या कडेने तसेच सामुदायिक वनहक्क जमिनीवर तसेच खाजगी जमिनीवर मनरेगा योजनेतून मोठ्या प्रमाणात बांबू लागवड करण्यात येणार आहे.

शाश्वत बांबू विकास कार्यक्रमावर देखरेख ठेवण्यासाठी तसेच टास्क फोर्स द्वारे घेण्यात आलेल्या निर्णयांची अंमलबजावणी करण्यासाठी दि. १२ मार्च २०२४ च्या शासन निर्णयान्वये कार्यकारी समिती गठित करण्यात आली आहे. कार्यकारी समितीस बांबू लागवडीसाठी आवश्यक बाबींवर तांत्रिक सल्ला देण्यासाठी/मार्गदर्शन करण्यासाठी दि. १८ एप्रिल २०२४ च्या शासन निर्णयाद्वारे देशातील व राज्यातील प्रमुख तज्ञ संस्था व कृषी विद्यापीठांच्या प्रतिनिधींचा समावेश असलेली तांत्रिक समिती गठित करण्यात आली आहे.

### ● शहर, जिल्हा आणि महसूल विभागस्तरीय वातावरणीय कृती कक्ष :

स्थानिक पातळीवर वातावरणीय बदलाचा सामना करण्याकरिता शहर व जिल्हा स्तरावर वातावरणीय कृती आराखडे तयार करण्याचे महाराष्ट्र सरकारचे धोरण आहे. पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभागाने दि. २५ जुलै २०२४ च्या शासन निर्णयान्वये राज्यातील सर्व अमृत शहरे, जिल्हे आणि महसूल विभागांतर्गत वातावरणीय कृती कक्ष स्थापन केले आहेत. शहर व जिल्हा स्तरावरील वातावरणीय बदल कृती आराखडे तयार करणे व त्यांची अंमलबजावणी करण्याचे काम शहर व जिल्हा स्तरीय वातावरणीय कृती कक्षांमार्फत केले जाईल.

### ● शहर वातावरणीय कृती आराखडे :

मुंबई शहराने आपला शहर वातावरणीय कृती आराखडा सन २०२२ मध्ये तयार केला होता. त्यानंतर सोलापूर, नाशिक व छत्रपती संभाजीनगर या तीन शहरांनी त्यांचे शहर वातावरणीय कृती आराखडे तयार केले आहेत. मिरा-भाईंदर शहराच्या वातावरणीय कृती आराखड्याची एक्झिक्युटीव समरी प्रकाशित करण्यात आली आहे.

### ● कार्बन बाजारपेठ सुविधा कक्ष :

कार्बन क्रेडिटसच्या संदर्भात भारत सरकारच्या धोरणांची महाराष्ट्र राज्यात सुलभ अंमलबजावणी करण्यासाठी, कार्बन क्रेडिट बाजारात जनजागृती करण्यासाठी, संबंधित घटकांना कार्बन ट्रेडिंग स्कीमचा लाभ मिळण्याकरीता आवश्यक ती माहिती प्रदान करण्यासाठी, विहित कार्यपध्दती व प्रक्रियांचे अनुपालन करण्यासाठी, योजनेचा लाभ घेण्यासाठी पात्र असलेले प्रकल्प शोधून त्यांना मदत करण्यासाठी दि. ३० एप्रिल २०२५ रोजी पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभागात कार्बन बाजारपेठ सुविधा कक्ष (Carbon Market Facilitation Desk) स्थापन करण्यात आला आहे.

### ● हरित महाराष्ट्र कार्यक्रम :

वातावरणीय बदलाचे संकट दिवसेंदिवस गडद आणि गंभीर होत असून वातावरणातील कार्बन शोषून घेण्यासाठी हरित आच्छादन झपाट्याने वाढविणे पर्यावरणीय दृष्टिकोनातून आवश्यक आहे. या अनुषंगाने दि. ११ सप्टेंबर २०२४ च्या शासन निर्णयाद्वारे मनरेगाच्या प्रभावी अंमलबजावणीतून सिंचित बांबू, फळझाडे, इतर झाडे, फुलपीक, तुती, औषधी वनस्पती यांची लागवड व कुरण विकास करून राज्याचे हरित आच्छादन वाढविण्यासाठी व त्यातून समतामूलक व पर्यावरणपुरक शाश्वत समृद्धी साध्य करण्यासाठी हरित महाराष्ट्र कार्यक्रम घोषित करण्यात आला आहे.

## ७. पर्यावरण सेवा योजना -

“पर्यावरण सेवा योजना राज्यातील विद्यार्थ्यांमध्ये बालवयातच पर्यावरण संवर्धनाची बीज बिंबवण्यासाठी व पर्यावरणपुरक संवेदनशील भावी पिढीच्या माध्यमातून निर्मितीसाठी, पर्यावरण शिक्षण निसर्गाच्या सान्निध्यात जाऊन प्रत्यक्ष कृतीच्या आधारे मुलांना समजावून सांगण्याच्या उद्देशाने माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांमध्ये पर्यावरण सेवा योजना राबविण्याचा निर्णय राज्य मंत्रिमंडळाने घेतला आहे. सन २०११-१२ या आर्थिक वर्षात सदर योजना पहिल्या टप्प्यामध्ये पुणे, सोलापूर, अमरावती, यवतमाळ, छत्रपती संभाजीनगर, जालना, नागपूर, चंद्रपूर, नाशिक, जळगांव, रत्नागिरी व ठाणे या १२ जिल्ह्यांमधील एकूण ५० इच्छुक माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांमध्ये राबवण्यात येत होती. माननीय उप- मुख्यमंत्री यांनी राज्याच्या वर्ष २०२२-२३ च्या अर्थसंकल्पीय भाषणात, योजनेची व्याप्ती ही ५० शाळेपासून वाढवून पुढील पाच वर्षात ७५०० माध्यमिक शाळांपर्यंत पोहोचविण्याचे उद्दिष्ट निश्चित केले आहे. केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालयामार्फत सेंटर फॉर एक्सलन्स म्हणून नियुक्त केलेले पर्यावरण शिक्षण केंद्र (CEE) पुणे ही संस्था राज्यस्तरीय संनियंत्रण संस्था म्हणून या योजनेसाठीची अंमलबजावणी करत आहे. निसर्ग व मानव यातील नातेसंबंध समजून घेऊन स्थानिक पर्यावरणाशी निगडित विविध समस्या प्रत्यक्ष कृती व सहभागाद्वारे समजावून घेवून स्थानिक पातळीवर नैसर्गिक संसाधनांच्या व्यवस्थापनाबाबत स्थानिक लोकांच्या सहभागाने प्रत्यक्ष कृती कार्यक्रम राबवण्यासाठी ही योजना उपयुक्त ठरणार आहे.

शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ पासून पर्यावरण सेवा योजना राज्यभरात ३६ जिल्ह्यात राबविण्यासाठी माझी वसुंधरा अभियान अंतर्गत शाळांनी सहभाग नोंदविल्यास स्थानिक स्वराज्य संस्थांना २०० गुण देण्याचे निश्चित करण्यात आले असून, योजना राज्यातील सर्व शासनमान्य शाळांसाठी खुली आहे. माझी वसुंधरा अभियान ६.० माध्यमातून पर्यावरण सेवा योजनेमध्ये शासकीय, निम शासकीय व खाजगी शाळांचा सहभाग नोंदवला जात आहे. वर्ष २०२६-२०२७ मध्ये योजनेत ६००० माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांच्या नोंदीचे उद्दिष्ट निश्चित करण्यात आले आहे. सहभाग नोंदविलेल्या सर्व शाळांचे अभिमुख्यता (परिचय कार्यशाळा) घेणे. निकषानुसार विषयनिहाय विभाग, जिल्हा व तालुका पातळीवर ऑनलाईन आणि प्रत्यक्ष शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाळा घेण्यात येत आहेत.

शासन निर्णय क्रमांक ईएनव्ही २०२३/प्र.क्र.२९/ता क. १ दि. १४ मार्च २०२४ नुसार पर्यावरण सेवा योजना अंमलबजावणी वर्ष २०२६-२७ या आर्थिक वर्षात प्रस्तावित एकूण मागणी एकूण ६००० शाळांसाठी करण्यात आली आहे. शाळांमधील पर्यावरण सेवा योजना शिक्षककृती हस्तपुस्तिका, विभाग निहाय प्रशिक्षण कार्यशाळा, तज्ञ प्रशिक्षक (मास्टरट्रेनर्स) आणि गट साधन व्यक्ती प्रशिक्षण संघ, जागतिक तापमान वाढ आणि हवामान बदलकृती ऑलम्पियाड, अंमलबजावणीसाठी आर्थिक वर्ष २०२६-२७ साठी रु. ३,२०,५४,०००/- इतका निधी देणे अनिवार्य आहे.

## ८. माझी वसुंधरा अभियान.

पर्यावरणातील वातावरणीय बदलांचे महत्व लक्षात घेता, पर्यावरण विभागाचा “पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग” असा नामबदल करण्यात आला आहे. निसर्गाशी असलेली कटिबद्धता निश्चित करण्यासाठी पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी आणि आकाश या निसर्गाशी संबंधित पंचतत्वावर पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग कार्य करीत आहे.

२. पर्यावरणाचे जतन, संवर्धन व संरक्षण करण्यासाठी “माझी वसुंधरा (माय अर्थ)” हा अभिनव उपक्रम विभागाने हाती घेतला आहे. जो निसर्गाच्या

“पंचमहाभूते” नावाच्या पाचही घटकांवर लक्ष केंद्रित करतो. त्यात भूमी(जमीन), जल (पाणी), वायू (हवा), अग्नी (ऊर्जा), आकाश (संवर्धन) यांचा समावेश आहे. या उपक्रमातून वातावरणीय बदल आणि पर्यावरणाच्या समस्यांबद्दल नागरिकांना जागरूक करून त्यांना पर्यावरणाच्या सुधारणेप्रती प्रयत्न करता येतील. त्यातून राज्याच्या शाश्वत विकासाप्रति प्रयत्न केले जातील.

### ३. माझी वसुंधरा अभियान :

३.१ पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी आणि आकाश या निसर्गाशी संबंधित पंचतत्वावर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान” राज्यामध्ये दिनांक २ ऑक्टोबर, २०२० पासून राबविण्यात येत आहे. या अभियानांतर्गत नागरी स्थानिक संस्था व ग्राम पंचायती या स्थानिक संस्थांची पर्यावरणाचे संरक्षण व संवर्धन करणाऱ्या योजना प्रभावीपणे व मिशन मोड पध्दतीने राबविण्याची स्पर्धा घेण्यात येते.

३.२ निसर्गाच्या पंचतत्वावर आधारित पर्यावरणाचे संरक्षण व संवर्धन करणाऱ्या विविध शासकीय योजना/ कार्यक्रम/ उपाय एकत्रित करून त्या प्रभावीपणे व मिशन मोड पध्दतीने राबविण्यासाठी इंडिकेटीर स्वरूपात असलेली टूलकिट तयार करून दिली जाते. ज्यामध्ये त्यांनी केलेल्या कामाचे मुल्यमापन करण्यासाठी गुण ठेवलेले असतात. या टूलकिटनुसार विविध उपाययोजना स्थानिक संस्थांमध्ये एप्रिल ते मार्च या एक वर्षाच्या कालावधीत राबवावयाच्या आहेत.

३.३ स्थानिक संस्थांनी एप्रिल ते मार्च या कालावधीत केलेल्या कामाची माहिती एम. आय. एस. स्वरूपात माझी वसुंधरा अभियानाच्या वेब पोर्टलवर भरावयाची आहे. स्थानिक संस्थांनी भरलेल्या एम. आय. एस. चे त्रयस्त यंत्रणेमार्फत डेस्कटॉप मुल्यमापन करण्यात येते.

३.४ डेस्कटॉप मुल्यमापनात गुणानुक्रमे चांगली कामगिरी करणाऱ्या स्थानिक संस्थांचे मुल्यमापन त्रयस्त यंत्रणेमार्फत संबंधित स्थानिक संस्थेमध्ये प्रत्यक्ष भेट देवून करण्यात येते.

३.५ डेस्कटॉप असेसमेंट व फिल्ड असेसमेंट मधील प्राप्त होणाऱ्या गुणांच्या आधारे उच्चतम कामगिरी करणाऱ्या स्थानिक संस्थांची विजेते म्हणून निवड करून या स्थानिक संस्थांचा सन्मान जागृतीक पर्यावरण दिनी म्हणजे दिनांक ५ जून रोजी करण्यात येतो.

### ४. माझी वसुंधरा अभियान १.० (२०२०-२१)

४.१ माझी वसुंधरा अभियानाच्या पहिल्या वर्षात राज्यामधील ६८६ स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी (अमृत शहरे ४३, नगरपरिषदा २२२, नगरपंचायती १३० व ग्रामपंचायती २९१) नोंदणी करून हे अभियान दिनांक २ ऑक्टोबर, २०२० ते दिनांक १५ एप्रिल, २०२१ या कालावधीत राबविण्यात आले आहे. या अभियानात निसर्गाशी संबंधित पंचतत्वावर स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी केलेल्या कामांचे मुल्यमापन करण्यासाठी १५०० गुण ठेवण्यात आले होते.

४.२ माझी वसुंधरा अभियानात स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी अभियान कालावधीत केलेल्या कामाचे मुल्यमापन (डेस्कटॉप मुल्यमापन) दिनांक १६ एप्रिल, २०२१ ते ३१ मे, २०२१ या कालावधीत त्रयस्त यंत्रणेमार्फत करण्यात आले. कोरोनाच्या प्रादुर्भावामुळे संबंधित स्थानिक संस्थेमध्ये प्रत्यक्ष जावून मुल्यमापन करणे शक्य नसल्याने या डेस्कटॉप मुल्यमापनामध्ये ज्या स्थानिक संस्था सर्वातम ठरल्या त्या स्थानिक संस्थांचे आभासी मुल्यमापन (Virtual Assessment) विभागांतर्गत गठित समिती मार्फत करण्यात आले. या दोन्ही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे ६ अमृत शहरे, ६ नगर परिषदा, ५ नगरपंचायती, ५ ग्राम पंचायती असे २२ विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरांवरील अधिकाऱ्यांचा पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२१ रोजी आयोजित माझी वसुंधरा अभियान सन्मान सोहळ्यात सन्मानित करण्यात आले आहे.

### ४.३ माझी वसुंधरा अभियान १.० मधून झालेले सकारात्मक बदल :

- या अभियानांतर्गत २१.९४ लाख झाडे लावण्यात आली. आरेतील जंगलाच्या ४ पट झाडे या उपक्रमाद्वारे राज्यभरात लावण्यात आली.
- १६५० हरित क्षेत्रांची निर्मिती शहरात व गावांमध्ये करण्यात आली. तसेच, २३७ जुनी हरित क्षेत्रे पुनर्जीवित करण्यात आली.
- माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत शास्त्रीय पध्दतीने ओल्या कचऱ्याचे विलगीकरण, वर्गीकरण व त्यावर उपचार करण्यात आले. त्यामुळे, १०,६६३ टन कंपोस्ट खत दर महिन्याला तयार करण्यात आले. ज्याद्वारे ६३,९८२.५ टन कार्बन डायऑक्साईडचे सेक्वेस्ट्रेशन करण्यात आले.
- माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पर्कोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले गेले. त्याचा परिणाम म्हणून, जवळपास ६ हजार जुन्या इमारती व ३.५ हजार नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याच बरोबर सुमारे पंधराशे रेन वॉटर पर्कोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली. या प्रयत्नांमुळे ११,१४५ दशलक्ष लिटर पाणी संवर्धन क्षमता तयार करण्यात आली आहे.
- सहभागी संस्थांनी राज्यातील ७७५ जल संस्था स्वच्छ करण्याचे काम पार पाडले.
- अभियानादरम्यान १२.२३ लाख एलईडी बल्ब तसेच ७० हजार सोलर लाईट्स लावण्यात आले. ज्यामधून १.४ लाख युनिट वीज वाचवण्यास मदत झाली आहे.
- ग्रामीण भागात अभियानादरम्यान ७३६ बायोगॅस प्लांट व ७०१ सोलर पंप बसवण्यात आले. ज्यामुळे, जवळपास ३२.५ टन कार्बन डायऑक्साईडचे उत्सर्जन कमी झाले.
- माझी वसुंधरा अभियानामुळे पहिल्याच वर्षात ३,७०,९७८ टन कार्बन डायऑक्साईडचे उत्सर्जन कमी झाले.

### ५. माझी वसुंधरा अभियान २.० (२०२१-२२)

५.१ माझी वसुंधरा अभियान २.० ची सुरवात पर्यावरण दिना दिवशी म्हणजे दिनांक ५ जून, २०२१ रोजी करण्यात आली. या अभियानात दुसऱ्या वर्षात नोंदणी करण्यासाठी (१) अमृत, (२) नगर परिषद, (३) नगर पंचायत, (४) ग्राम पंचायत ०१ व (५) ग्राम पंचायत ०२ असे ०५ गट ठेवण्यात आले होते. माझी वसुंधरा अभियान २.० मध्ये ४०६ नागरी स्थानिक संस्था व ११,५६२ ग्राम पंचायतींनी नोंदणी केली होती. अशा प्रकारे या वर्षी या अभियानामध्ये एकूण ११,९६८ एवढ्या मोठ्या प्रमाणात स्थानिक संस्था सहभागी झाल्या होत्या.

५.२ या अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना काम करण्यासाठी दिनांक १६ एप्रिल, २०२१ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२२ एवढा कालावधीत देण्यात आला होता. दिनांक १ एप्रिल ते ३० एप्रिल, २०२२ या कालावधीत स्थानिक संस्थांनी केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप असेसमेंट त्रयस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात आले. तर, दिनांक १ मे, ते ३१ मे २०२२ या कालावधीत फिल्ड असेसमेंट त्रयस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात आले.

५.३ या दोनही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे राज्यस्तरावरील व विभागस्तरावरील विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरावरील अधिकाऱ्यांना पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२२ रोजी आयोजित माझी वसुंधरा अभियान सन्मान सोहळ्यात सन्मानित करण्यात आले आहे.

### ५.४ माझी वसुंधरा अभियान २.० मधून झालेले सकारात्मक बदल :

- या अभियानांतर्गत १३७.०० लाख झाडे लावण्यात आली.
  - १३,९४८ हरित क्षेत्रांची निर्मिती शहरात व गावांमध्ये करण्यात आली. तसेच जुनी हरित क्षेत्रे पुनर्जीवित करण्यात आली.
  - अभियानातील या कालावधीमध्ये एकूण १,१७,७२५ दुचाकी ई-वाहने, २०,१९६ तीनचाकी ई-वाहने, ४,१२५ चारचाकी ई-वाहने व १,९४६ ई-बसेसची नोंदणी झाली आहे.
  - माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पर्कोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले गेले. त्याचा परिणाम म्हणून, जवळपास जुन्या व नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याचबरोबर अनेक रेन वॉटर पर्कोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली. या प्रयत्नांमुळे ११४.२० कोटी लिटर पाणी संवर्धन क्षमता तयार करण्यात आली आहे.
  - अभियानादरम्यान ४९.५६ लाख एलईडी बल्ब अभियान कालावधीत बसवण्यात आले.
  - तसेच ३.३७ लक्ष सोलर लाईट्स लावण्यात आले.
  - एकूण ८० इमारतींनी हरीत इमारत हा सन्मान प्राप्त केला आहे.
  - जनजागृती करीता एकूण ८१८०३८ जनजागृती करीता कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले.
  - माझी वसुंधरा २.० अंतर्गत एकूण ८० हजार टन कार्बन शोषून घेण्यात आला. व १२.५० टन कार्बन निर्माण न होण्याकरिता प्रयत्न झाले.
  - झाडांची लागवड व निगा राखल्याने एकूण ८०,७५२.५१ टन कार्बन उत्सर्जन कमी झाले.
  - माझी वसुंधरा अभियाना अंतर्गत केलेल्या विविध उपक्रमांमुळे थेट विजेचा वापर टाळल्याने १५४,०६५.९८ टन कार्बन उत्सर्जन कमी झाले.
  - कार्बन उत्सर्जनात ३.७० लाख टनांनी घट झाल्याने हा परिणाम माझी वसुंधरा १.० च्या मूल्यापेक्षा २.५९ पट जास्त आहे.
- ### ६. माझी वसुंधरा अभियान ३.० (२०२२-२३)
- ६.१ पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी, आणि आकाश निसर्गाशी संबंधित या पंचतत्त्वांवर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान ३.०” ची सुरवात दिनांक १३ जून, २०२२ रोजी झाली. या अभियानांतर्गत कामाची अंमलबजावणी करण्यासाठी स्थानिक संस्थांना दिनांक १ एप्रिल, २०२२ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२३ पर्यंतचा कालावधी मिळणार आहे. त्यानुसार, माझी वसुंधरा अभियान ३.० अंतर्गत राज्यामधील एकूण १६,८२९ स्थानिक संस्थांनी नोंदणी केली असून (नागरी संस्था ४११ + ग्राम पंचायती १६३९८), या स्थानिक संस्थांचा लोकसंख्या निहाय ११ गट करण्यात आले आहेत.
- ६.२ सदर अभियानाचा कालावधी दिनांक १ एप्रिल, २०२२ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२३ असा होता. या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थेने केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप मुल्यमापन दिनांक ६ एप्रिल, २०२३ ते दिनांक ३१ एप्रिल २०२३ या कालावधीत करण्यात येईल व डेस्कटॉप मुल्यमापनात यशस्वी ठरलेल्या स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे फिल्ड असेसमेंट दिनांक २ मे, २०२३ ते ३१ मे, २०२३ या कालावधीत त्रयस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात येते.

६.३ या दोनही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे राज्यस्तरावरील व विभागस्तरावरील विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरावरील अधिकाऱ्यांचा पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२३ रोजी आयोजित माझी वसुंधरा अभियान सन्मान सोहळ्यात सन्मानित करण्यात आले आहे.

### ● माझी वसुंधरा अभियान ३.० मधून झालेले सकारात्मक बदल;

- या अभियानांतर्गत ४४.०९ लाख झाडे लावण्यात आली.
- अभियानातील या कालावधीमध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी एकूण ७७.८७५ दुचाकी ई-वाहने, ७.०३८ तीनचाकी ई-वाहने, ६.२९३ चार चाकी ई-वाहने व १४९ ई-बसेस घेतल्या आहेत.
- माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पर्कोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले. गेले. त्यांचा परिणाम म्हणून, जवळपास जुन्या व नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याचबरोबर ५,३१६ रेन वॉटर पर्कोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली.
- सुमारे ७५.१६ मेगा वॉट अपारंपरिक ऊर्जा निर्मिती ची क्षमता निर्माण करण्यात आली आहे.
- एकूण २६१ इमारतींनी हरीत इमारत हा सन्मान प्राप्त केला आहे.
- या अभियानाच्या अंमलबजावणीसाठी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी २१.२० कोटी रुपये इतका निधी जमा केला आहे.
- माझी वसुंधरा ३.० अंतर्गत एकूण ८३ हजार टन कार्बन शोषून घेण्यात आला.
- सौर ऊर्जा व जैववायू (biogas) या ऊर्जा स्रोतांना प्रोत्साहन दिल्यामुळे १.२८ लाख टन कार्बन उत्सर्जन टाळले गेले.

### ७. माझी वसुंधरा अभियान ४.० (२०२३-२४):

७.१ पृथ्वी, वायु, जल, अग्नी, आणि आकाश निसर्गाशी संबंधित या पंचतत्वांवर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान ४.०” ची सुरुवात दिनांक ५ जून, २०२३ रोजी झाली. या अभियानांतर्गत कामाची अंमलबजावणी करण्यासाठी स्थानिक संस्थांना दिनांक १ एप्रिल, २०२३ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२४ पर्यंतचा कालावधी उपलब्ध होणार होता. परंतु, लोकसभेच्या आचारसंहितेमुळे हा कालावधी दिनांक ३१ मे, २०२४ पर्यंत वाढविण्यात आला. त्यामुळे, माझी वसुंधरा अभियान ४.० अंतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थांना कामासाठी १ एप्रिल, २०२३ ते दिनांक ३१ मे, २०२४ पर्यंतचा कालावधी मिळाला. माझी वसुंधरा अभियान ४.० अंतर्गत राज्यामधील एकूण २२,६३२ स्थानिक संस्थांनी नोंदणी केली असून (नागरी संस्था ४१४ + ग्राम पंचायती २२,२१८), या स्थानिक संस्थांचा लोकसंख्या निहाय १२ गट करण्यात आले होते.

७.२ या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थेने केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप मुल्यमापन दिनांक १५ जून, २०२४ ते १० जुलै, २०२४ या कालावधीत करण्यात आले व डेस्कटॉप मुल्यमापनात यशस्वी ठरलेल्या स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे फिल्ड असेसमेंट दिनांक ११ जुलै, २०२४ ते ३० ऑगस्ट, २०२४ या कालावधित त्रयस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात आले.

७.३ या दोनही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे राज्यस्तरावरील व विभागस्तरावरील विजेते शासन निर्णय दिनांक २७ सप्टेंबर, २०२४ अन्वये घोषित करण्यात आले आहेत. परंतु, महाराष्ट्र विधानसभेच्या सार्वत्रिक निवडणुकीची आचारसंहितेमुळे विजेत्यांचा सन्मान सोहळा आयोजित करता आला नाही.

### ७.४ माझी वसुंधरा अभियान ४.० मधून झालेले सकारात्मक बदल

या अभियानांतर्गत ९०.२४ लाख झाडे लावण्यात आली.

३५,७८३ हरित क्षेत्रांची निर्मिती करण्यात आली.

अभियानातील या कालावधीमध्ये एकूण १,२२,६८५ दुचाकी ई-वाहने, ५,९५८ तीनचाकी ई-वाहने, ११,७८० चार चाकी ई-वाहने व १,७७४ ई-बसेस ची नोंदणी झाली आहे.

माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले गेले. त्याचा परिणाम म्हणून, जवळपास जुन्या व नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याचबरोबर १३,७९५ रेन वॉटर पोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली.

एकूण १९२ इमारतींनी हरीत इमारत हा सन्मान प्राप्त केला आहे.

या अभियानाच्या अंमलबजावणीसाठी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी ३३७.६८ कोटी रुपये इतका निधी जमा केला आहे.

### ८. माझी वसुंधरा अभियान ५.० (२०२४-२५)

८.१ पृथ्वी, वायु, जल, अग्नी आणि आकाश निसर्गाशी संबंधित या पंचतत्वांवर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान ५.०” ची सुरुवात दिनांक १ जून, २०२४ रोजी झाली. या अभियानांतर्गत कामाची अंमलबजावणी करण्यासाठी स्थानिक संस्थांना दिनांक १ जून, २०२४ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२५ पर्यंतचा कालावधी मिळणार आहे. माझी वसुंधरा अभियान ५.० अंतर्गत राज्यामधील एकूण २८,३१७ स्थानिक संस्थांनी नोंदणी केली असून (नागरी संस्था ४१८ + ग्राम पंचायती २७,८९९), या स्थानिक संस्थांचा लोकसंख्या निहाय १४ गट करण्यात आले आहेत.

८.२ सदर अभियानाचा कालावधी दिनांक १ जून, २०२४ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२५ असा होता. या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप मुल्यमापन आणि फिल्ड असेसमेंट त्रयस्त यंत्रणांमार्फत करण्यात येत आहे व त्याचा निकाल जाहिर करून बक्षिस वितरण करण्याचे प्रस्तावित आहे.

### ९. माझी वसुंधरा अभियान ६.० (२०२५-२६)

९.१ पृथ्वी, वायु, जल, अग्नी आणि आकाश निसर्गाशी संबंधित या पंचतत्वांवर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान ६.०” ची सुरुवात दिनांक १ एप्रिल, २०२५ रोजी झाली. या अभियानांतर्गत कामाची अंमलबजावणी करण्यासाठी स्थानिक संस्थांना दिनांक १ एप्रिल, २०२५ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२६ पर्यंतचा कालावधी मिळणार आहे. माझी वसुंधरा अभियान ६.० अंतर्गत राज्यामधील एकूण २८,३२७ स्थानिक संस्थांनी नोंदणी केली असून (नागरी संस्था ४२३ + ग्राम पंचायती २७,९०४), या स्थानिक संस्थांचा लोकसंख्या निहाय १४ गट करण्यात आले आहेत.

१.२ सदर अभियानाचा कालावधी दिनांक १ एप्रिल, २०२५ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२६ असा राहिल. या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप मुल्यापन दिनांक ६ एप्रिल, २०२६ ते दिनांक ३१ एप्रिल, २०२६ या कालावधीत करण्यात येईल व डेस्कटॉप मुल्यापनात यशस्वी ठरलेल्या स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे फिल्ड असेसमेंट दिनांक २ मे, २०२५ ते २५ मे, २०२५ या कालावधीत त्रयस्त यंत्रणांमार्फत करण्यात येईल व त्याचा निकाल जागतिक पर्यावरण दिनी म्हणजे दिनांक ५ जून, २०२६ रोजी जाहिर करून बक्षिस वितरण करण्याचे प्रस्तावित आहे.

## १०. इको सॅन्सिटीव्ह क्षेत्र

महाबळेश्वर हे थंड हवेचे ठिकाण दि. १७.०१.२००१ च्या केंद्र शासनाच्या अधिसूचनेनुसार पर्यावरणीयदृष्ट्या संवेदनशील क्षेत्र म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

महाराष्ट्रातील माथेरान हे थंड हवेचे ठिकाण केंद्र शासनाच्या दिनांक ०४.०२.२००३ च्या आदेशाद्वारे पर्यावरणीयदृष्ट्या संवेदनशील क्षेत्र म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

या क्षेत्रांमध्ये पर्यावरण विषयक बाबींचे नियमन करण्यासाठी उच्चस्तरीय संनियंत्रण समितीची स्थापना करण्यात आलेली आहे. नगर विकास विभागामार्फत या क्षेत्रातील विकासाचे नियमन करण्यासाठी झोनल व सब-झोनल मास्टर प्लान तयार करण्याचे काम प्रगतीपथावर आहे. तसेच या क्षेत्रासाठी पर्यटन आराखडा तयार करण्याचे काम पर्यटन विभागामार्फत करण्यात येत आहे.

## ११. राष्ट्रीय नदी कृती योजना-

(१) राष्ट्रीय नदी देशातील कृती योजनेतर्गत प्रमुख नद्यांच्या प्रदूषित पट्यांचे शुध्दीकरण करण्याकरिता केंद्र शासन पुरस्कृत राष्ट्रीय नदी कृती योजना राबविण्यात येत आहे.

(२) नद्यांचे प्रदूषण मुख्यत्वे करून शहरी सांडपाण्यामुळे होत असल्याने नदीच्या काठावरील शहरांचे सांडपाणी योग्य प्रकारे प्रक्रिया करून विल्हेवाट लावणे हा या योजनेचा मूळ उद्देश आहे. त्याशिवाय या योजनेत नदी घाट विकास, स्मशानभूमी, स्वच्छतागृहे व नदीकाठी वनीकरणे व सुशोभिकरणांचा समावेश करण्यात आला आहे.

(३) राष्ट्रीय नदी कृती योजना ही केंद्र शासन पुरस्कृत योजना असून दहाव्या पंचवार्षिक योजनेनुसार यातील ७० टक्के खर्च केंद्र व ३० टक्के राज्य शासन/संबंधीत महानगरपालिका यांनी करावयाचा आहे. या योजनेतर्गत त्र्यंबकेश्वर, नाशिक, कराड, नांदेड, सांगली, प्रकाशा (शहादा), कोल्हापूर या शहरांची कामे पूर्ण झालेली आहेत.

(४) सन २०१५-१६ मध्ये पुणे शहरातील मुळा-मुठा नदी संवर्धनासाठी केंद्र शासनाने रु. ९९०.२६ कोटीचा प्रस्ताव मंजूर केलेला आहे. सदर प्रकल्पासाठी खर्चाचा केंद्र शासनाचा रु. ८४१.७२ कोटी ( ८५ %) व पुणे महानगरपालिकेचा रु. १४८.५४ कोटी (१५ %) हिस्सा आहे. मुळा मुठा नदी संवर्धनाचे काम प्रगतीपथावर आहे.

(५) राष्ट्रीय नदी संवर्धन योजनेतर्गत नागपूर महानगरपालिकेच्या नाग नदीचा रु. १९२६.९९ कोटी रुपयाच्या प्रस्तावास दि. १४.०३.२०२३ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिलेली आहे. सदर प्रकल्प किंमतीत Project Management Consultancy Service साठी लागणारा रुपये ७८.५६ कोटी इतक्या

रकमेचा समावेश असून सदर रक्कम केंद्र शासनाद्वारे वितरित करण्यात येईल. तसेच Centages साठी लागणारे रुपये १२०.६६ कोटी इतकी रक्कम महाराष्ट्र शासन व नागपूर महानगरपालिका यांनी सयुक्तपणे अदा करावयाची आहे व प्रकल्पाच्या उर्वरित कामांसाठीच्या खर्चामध्ये केंद्र शासन राज्य शासन व नागपूर महानगरपालिकेचा हिस्सा अनुक्रमे ६०:२५:१५ असणार आहे. सदर प्रकल्प खर्चामध्ये केंद्र शासन, राज्य शासन व नागपूर महानगरपालिकेचा हिस्सा अनुक्रमे रु. १११५.२२ कोटी, रु. ५०७.३६ कोटी रु. ३०४.४१ कोटी इतका आहे. राष्ट्रीय नदी संवर्धन योजनेतर्गत नाग नदी प्रदूषण प्रतिबंध प्रकल्पासाठी सन २०२५-२६ या आर्थिक वर्षामध्ये केंद्र शासनामार्फत एकूण रक्कम रुपये ४३,७९,००,०००/- इतका निधी SNA SPARSH या सुधारित कार्यपध्दती अंतर्गत मातृ मंजूरीच्या (Mother Sanction) स्वरूपात मंजूर केला असून त्यास अनुसरून राज्य शासनाचा व संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थेच्या हिश्यापोटी समप्रमाणात निधी वितरीत करण्याची कार्यवाही सुरु आहे.

## ११ (अ) राज्य नदी संवर्धन योजना

शासन निर्णय क्रमांक संकीर्ण-२०११/प्र.क्र.२५/तां.क.१ दिनांक १ मार्च, २०१४ अन्वये राज्य नदी संवर्धन योजना तयार करण्यात आली आहे. या योजनेतर्गत शहरातून/गावातून निघणारे सांडपाणी नदीत ज्या ठिकाणी सोडले जाते तेथून गोळा करणे, अडविणे, वळविणे व सांडपाणी प्रक्रिया यंत्रणा तयार करणे ही मुख्य कामे अंतर्भूत आहेत. प्रक्रिया केलेल्या सांडपाण्याचा प्रकल्प क्षेत्रातील किंवा जवळील शेती, उद्योग, बाग-बगीचे इत्यादींमध्ये पुनर्वापर व पुनर्चक्रण शक्य होण्यासाठी आवश्यक ती यंत्रणा/सुविधा/व्यवस्था इत्यादी उभारण्यात येईल, जेणेकरून मिळणाऱ्या प्रकल्पाच्या देखभालीचा खर्च भागविणे शक्य होईल. या योजनेत, नदीच्या जवळील भागात कमी किंमतीची स्वच्छतागृहे बांधणे, नदी घाट विकास, नदी काठाची धूप रोखण्यासाठी उपाययोजना आणि शास्त्रीय पध्दतीने नागरी घनकचरा व्यवस्थापन व विल्हेवाट ही कामे अंतर्भूत आहेत. सदर योजनेतर्गत नदी काठावरील ड वर्ग महानगरपालिका आणि सर्व नगरपालिका/नगरपरिषदांमधील १५,००० लोकसंख्या असलेल्यांसाठी शासनाचा हिस्सा ८० टक्के तर संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थेचा हिस्सा २० टक्के असेल. ज्या स्थानिक स्वराज्य संस्था प्रक्रिया केलेले सांडपाणी शेती, उद्योग व इतर प्रयोजनासाठी पुनर्चक्रण पुनर्वापर पध्दतीने करतील अशा योजनांमध्ये शासनाचा हिस्सा ९० टक्के पर्यंत असेल. या योजनेअंतर्गत, प्रकल्पाच्या तांत्रिक छाननीनंतर शासनाच्या मान्यतेपूर्वी समितीकडे शिफारस करण्यात येईल.

२. सदर योजनेअंतर्गत सन २०२०-२१ या वर्षात गोदावरी नदी, मोसम नदी, उल्हास नदी व अमरावती नदी या ४ नद्यांच्या नदी संवर्धन प्रस्तावांना प्रशासकीय मान्यता दिली आहे. सदर ४ नद्यांसाठी राज्य शासनाचा हिस्सा ३८ कोटी इतका आहे, तसेच सन २०२१-२२ मध्ये चुडामणी नदी संवर्धनाच्या प्रस्तावास मान्यता देण्यात आलेली आहे. त्यापैकी गोदावरी नदी नांदेड, मोसम नदी - मालेगाव व चुडामणी नदी वरुड यांना सन २०२१-२२ मध्ये स. १९.५० कोटी इतका निधी वितरीत केलेला आहे. तसेच सन २०२२-२३ मध्ये अमरावती नदी, दोंडाईचा व नमामि चंद्रभागा अभियानासाठी अनुक्रमे रुपये ५० लक्ष व रुपये १७८५,०० लक्ष इतका निधी वितरीत केलेला आहे.

सन २०२३-२४ या आर्थिक वर्षात नांदेड वाघाळा महानगरपालिका हद्दीतील गोदावरी नदी संवर्धनासाठी निधीचा दुसरा हप्ता म्हणून रुपये ५३२.३६ लक्ष इतका निधी वितरित केलेला आहे.

## १२. राष्ट्रीय सरोवर संवर्धन योजना :-

केंद्रीय पर्यावरण वने व जलवायू परिवर्तन मंत्रालयाने त्यांच्या नॅशनल प्लॅन फॉर कॉन्झर्वेशन ऑफ अॅक्वेटीक इकोसिस्टी (NPCA) या केंद्र

पुरस्कृत योजनेअंतर्गत राज्यातील तलाव, सरोवर व मोठे जलाशय यांचे पर्यावरणीयदृष्ट्या संवर्धन करण्यासाठी योजना राज्यांतर्गत राबविण्यात येत आहे. योजनेअंतर्गत शहरी व निमशहरी भागातील प्रदुषित व पर्यावरणीय दृष्ट्या दर्जा खालावलेल्या तलावांचे संरक्षण व संवर्धन करण्यात येते. कोराडी नागपूर व धर्मवीर संभाजी तलाव, सोलापूर येथील तलाव संवर्धन प्रकल्प सदर योजनेअंतर्गत केंद्र शासनाने मंजूर केले आहेत.

केंद्र शासनाच्या पर्यावरण, वने व जलवायू परिवर्तन विभागाने रुपये ४३.९६ कोटीच्या कोराडी तलावाच्या संवर्धनाच्या कामास मान्यता दिली आहे. त्याअंतर्गत ६० % केंद्र शासनाचा व ४० % महानिर्मिती कंपनीचा सहभाग असून सदर मान्यतेनुसार केंद्र शासनाचा हिस्सा रुपये २६.२१ कोटी व राज्य शासनाच्या वतीने महानिर्मिती कंपनीचा सहभाग रुपये १७.४८ कोटी इतका आहे. कोराडी तलाव, नागपूर संवर्धनासाठी केंद्र शासनाकडून आतापर्यंत रु. २२ कोटी इतका निधी वितरित झालेला असून सदर निधी पर्यावरण विभागामार्फत नागपूर मेट्रोपोलिटन रिजनल डेव्हलपमेंट अॅथॉरिटी (NMRDA) यांना वितरित करण्यात आलेला आहे.

\* केंद्र शासनाच्या पर्यावरण, वने व जलवायू परिवर्तन विभागाने रुपये १२.२१ कोटीच्या धर्मवीर संभाजी तलावाच्या संवर्धनाच्या कामास मान्यता दिली आहे. त्याअंतर्गत ६० % केंद्र शासनाचा व ४०% सोलापूर महानगरपालिकेचा सहभाग असून सदर मान्यतेनुसार केंद्र शासनाचा हिस्सा रुपये ७,३२,६७,८००/- व राज्य शासनाच्या वतीने सोलापूर महानगरपालिकेचा सहभाग रुपये ४,८८,४५,२००/- इतका आहे. धर्मवीर संभाजी तलाव, सोलापूर संवर्धनासाठी केंद्र शासनाकडून आतापर्यंत रु. ६.६६ कोटी इतका निधी वितरित झालेला असून सदर निधी पर्यावरण विभागामार्फत सोलापूर महानगरपालिका यांना वितरित करण्यात आलेला आहे.

### १३. महाराष्ट्र विघटनशील व अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६

सार्वजनिक नाले, रस्ते, पानथळ जमीन, पडीक जमीन, जलाशय, लोकांना दिसेल अशा जागा, यामध्ये अविघटनशील कचरा फेकण्यास किंवा साठविण्यास प्रतिबंध करण्यासाठी, अविघटनशील पदार्थाख वापर विनियमित करण्यासाठी आणि त्याच्याशी संबंधित किंवा तदनुशांगिक बाबींच्या नियमनासाठी दिनांक २१ एप्रिल, २००६ रोजी महाराष्ट्र विघटनशील व अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम क्र. १० महाराष्ट्र शासनाच्या राजपत्रात प्रसिद्ध करण्यात आलेले आहेत. या अधिनियमांतर्गत पर्यावरणाला घातक ठरणाऱ्या विवक्षित अविघटनशील पदार्थ इ. च्या वापरावर निर्बंध किंवा बंदी घालण्याचे अधिकार राज्य शासनास प्राप्त झाले आहेत. तसेच स्थानिक प्राधिकरणाचे किंवा त्याने प्राधिकृत केलेल्या अधिकाऱ्याने कर्तव्ये निश्चित केले असून त्यानुसार अविघटनशील कचरा ठेवण्यासाठी कुंड्यांशी आणि तो टाकण्यासाठी विशिष्ट ठिकाणांची तरतूद करणे तसेच टाकाऊ पदार्थ गोळा करण्याची पद्धत निश्चित करणे, अशा प्रकारे गोळा केलेल्या अविघटनशील कचऱ्याचे पुनर्चर्चीकरण करण्याची व्यवस्था करणे इ. बाबत नियमन करण्याची तरतूद करण्यात आलेली आहे. अधिनियमाच्या अनुसूचीनुसार १६ अविघटनशील पदार्थ किंवा कचरा यांचा समावेश करण्यात आलेला आहे.

### १४. प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन

“प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम अधिनियम २०१६ अधिसूचना संख्या क्र.सा.का.नि. ३२०(अ), दिनांक १८ मार्च २०१६, रोजी केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, भारत सरकार यांनी प्रकाशित

केले आहेत. या नियमांतर्गत प्लास्टिक कचरा न्युनतम करणे, स्त्रोतस्तरावर सलगीकरण करणे, पुनर्वापर जोर देण्याकरिता घरातून अथवा अन्य स्थितीतून अथवा मध्यवर्ती सामग्री पुनर्प्राप्ती सुविधातून निर्माण होणा-या प्लास्टिक कचरा अंश गोळा करणारे कचरा वेचक, पुनर्वापर करणारे व कचरा संसाधकांना समाविष्ट केले गेले असून कचरा व्यवस्थापन प्रणाली दिर्घकाळ टिकविण्याकरिता प्रदुषण करणा-यांवर दंडात्मक रक्कम आकारण्याबाबतच्या सिध्दांताचा समावेश करून सुधारीत नियम २७ मार्च २०१८ रोजी प्रकाशित केले आहेत.

तदनंतर केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, ऑगस्ट २०२१ मध्ये अधिसूचित केलेल्या सुधारीत प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम २०२१ नुसार खालील अतिरिक्त एकल वापर (सिंगल युज) प्लास्टिक वस्तू प्रतिबंधित आहेत.

\* सजावटीसाठी प्लास्टिक व पॉलिस्टीरीन (थर्माकोल) मिठाईचे बॉक्स, आमंत्रण कार्ड, सिगरेटची पाकिटे, प्लास्टिकच्या काड्यांसह कानकोरणी, फुग्यांसाठी प्लास्टिकच्या काड्या, प्लास्टिकचे झेंडे, कॅडी काड्या, आईस्क्रीम काड्या प्लेट्स, कप ग्लासेस, कटलरी जसे काटे, चमचे, चाकू, पिण्यासाठीचे स्ट्रॉ, ट्रे, ढवळण्या (स्टिरर्स), प्लास्टिक किंवा पीव्हीसी बॅनर (१०० मायकॉनपेक्षा कमी).

केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालयाने उत्पादक, आयातदार आणि ब्रँड मालक यांच्यावर विस्तारित उत्पादक जबाबदारी निश्चित करण्यासाठी दिनांक १६ फेब्रुवारी २०२२ अन्वये विस्तारित उत्पादकाची जबाबदारी ग्राहकपूर्व आणि ग्राहकधारकांच्या प्लास्टिक पॅकेजिंग कचऱ्यावर लागू असेल. ही मार्गदर्शक तत्वे विस्तारित उत्पादक जबाबदारीच्या अंमलबजावणीसाठी फ्रेमवर्क प्रदान करतात. केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने प्लास्टिकच्या पुनर्वापरासाठी आणि निर्मितीसाठी विस्तारित उत्पादक जबाबदारी (EPR Portal) पोर्टल व तक्रार निवारण पोर्टल विकसित केले आहे.

सदर नियमांतर्गत नोव्हेंबर २०२४ पर्यंत २९० प्लास्टिक कचरा पुनर्वापर युनिट नोंदणीकृत आहेत. महाराष्ट्रातील एकूण प्लास्टिककरीसायकलिंग यूनिटनुसार १४.०२ लाख टन/प्रति वर्ष आहे.

### १४ (ब) प्लास्टिक व थर्माकोल उत्पादने

महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) कायदा, २००६ अंतर्गत प्लास्टिक आणि थर्माकोल इत्यादीपासून बनवलेल्या अविघटनशील वस्तूंचे उत्पादन, वापर, विक्री, साठवणूक, वाहतूक यांचे नियमन करण्यासाठी, महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र प्लास्टिक आणि थर्माकोल अविघटनशील वस्तूंचे (उत्पादन, वापर, विक्री, वाहतूक, हाताळणी आणि साठवणूक, अधिसूचना २३/०३/२०१८ रोजी प्रसिध्द करण्यात आली होती. ज्यामध्ये दिनांक ११ एप्रिल २०१८, दिनांक ३० जून २०१८, दिनांक १४ जून २०१९, दिनांक २८ मार्च, २०२२, १५ जुलै, २०२२ आणि ३०/११/२०२२ च्या अधिसूचनेनुसार सुधारणा करण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्माकोल अधिसूचना २०१८ अंतर्गत खालील गोष्टी प्रतिबाधित आहे.

प्लॅस्टिक पासून बनविल्या जाणाऱ्या पिशव्या (Carry bags) (हॅण्डल सहित किंवा हॅण्डल शिवाय), नॉन बॉबन पॉलिओपीलीन बॅगज

थर्माकोल व प्लॅस्टिक पासून बनविण्यात येणाऱ्या व एकदाच वापरल्या जाणाऱ्या डिस्पोजेबल वस्तू

सजावटीसाठी प्लॅस्टिक व थर्माकोल या वापर इत्यादी.

कंपोस्टेबल प्लॅस्टिक (कचरा व नर्सरीसाठीच्या पिशव्या सोडून).

प्लॅस्टिक लॅपित (coated) तसेच प्लॅस्टिक थर (Laminated) असणाऱ्या पेपर/अॅल्युमिनिअम इत्यादीपासून बनवलेल्या डिस्पोजेबल डिश, कप, प्लेट्स, ग्लासेस, वाडगा, कंटेनर इत्यादी एकल वापर उत्पादनावर बंदी घालण्यात आली आहे. तसेच दिनांक ३०/११/२०२२ अन्वये अधिसूचनेत खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात आल्या.

कंपोस्टेबल पदार्थापासून बनविण्यात आलेले एकल वापर वस्तू, उदा. स्ट्रॉ, ताट, कप्स, प्लेट्स, ग्लासेस, काटे, चमचे, भांडे, वाडगा, कंटेनर इ. तथापि, कंपोस्टेबल प्लास्टीक पासून बनविलेल्या अशा वस्तू कंपोस्टेबल असल्याबाबत सेंट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ प्लॉस्टिक इंजिनिअरींग अँड टेक्नॉलॉजी (CPE) व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून प्रमाणित करून घेणे बंधनकारक राहिल.”

पॅकेजिंगसाठी वापरण्यात येणाऱ्या प्लॅस्टिकच्या जाडीचा उत्पादनाच्या गुणवत्तेवर परिणाम होत असेल अशा ठिकाणी वगळून इतर ठिकाणी पॅकेजिंगकरिता वापरण्यात येणारे प्लॅस्टिक पॅकेजिंग (आवारण) ५० मायक्रॉनपेक्षा जास्त असणे बंधनकारक राहिल.

नॉन ओव्हन पॉलीप्रॉपीलीन बॅग्स (Non- women polypropylene Bags) ६० ग्रॅम पर स्ववेअर मीटर (पीएमएम) पेक्षा जास्त जाडी.

महाराष्ट्र प्लॅस्टिक व थर्माकोल अधिसूचना २०१८ अधिसूचनांची प्रभावी अंमलबजावणी करिता प्राधिकृत आणि अधिकारप्राप्त अधिकारी, स्थानिक स्वराज्य संस्था, महसूल विभाग, जिल्हा परिषद, संचालक आरोग्य सेवा, शिक्षण मंडळाचे संचालक, पर्यटन पोलीस आणि पोलीस विभाग, आयुक्त पुरवठा, राज्य कर विभाग, परिक्षेत्र वन अधिकारी, प्रभावी अंमलबजावणीसाठी दोन दोन समित्या स्थापन केल्या आहेत.

माननीय मंत्री (पर्यावरण) यांच्या अध्यक्षतेखाली अधिसूचनेमध्ये आवश्यक सुधारणा ठरवण्यासाठी आणि अंमलबजावणीचा आढावा घेण्यासाठी शक्तीप्रदान समिती व प्रधान सचिव, पर्यावरण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली तांत्रिक मार्गदर्शनाखाली तज्ञ समिती

माननीय मुख्य सचिव, सरकार यांच्या अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र राज्यस्तरीय विशेष कृतीदल (SIF) ची स्थापना १२/१०/२०२१ रोजी करण्यात आली आहे.

जिल्हास्तरीय कृतीदल आणि शहर स्तरावर (दशलक्ष अधिक शहर) कृतीदलची स्थापना दिनांक २६/०४/२०२२ च्या शासन निर्णयाद्वारे करण्यात आली आहे.

दक्षतेसाठी प्रत्येक शहर स्तरावर दक्षता पथके तयार करण्यात आली आहेत.

जिल्हास्तरीय दक्षतापथक ही स्थापन केले आहे.

प्रतिबंधित वस्तुंच्या उत्पादनात गुंतलेल्या उद्योगांची चौकशी करून २०१८ पासून आजपर्यंत अशा ४२९ उद्योगांना उत्पादन बंद करण्याचे निर्देश जारी केले आहेत. तसेच २०२३-२०२४ मध्ये स्थानिक संस्थांबरोबर केलेल्या संयुक्त कारवाईमध्ये १.७८ लाख आस्थापनांची निरीक्षणे घेण्यात आली, १९१ मे. टन प्रतिबंधित प्लास्टिक जप्त करण्यात आले व प्रतिबंधित प्लास्टिक किंवा थर्माकोल उत्पादने वापराबद्दल ८३३१ आस्थापनांकडून रु. ४.५ कोटी दंड वसूल करण्यात आला.

#### १५. महाराष्ट्र (महानगरपालिका क्षेत्रातील अविघटनशील घनकचरा योग्य व शास्त्रशुद्ध पद्धतीने संकलन करणे, विलगीकरण करणे व विल्हेवाट करणे) नियम, २००६.

महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६ च्या कलम १८ (३) यान्वये प्रदान करण्यात आलेला अधिकारांचा वापर करून दिनांक ३ मार्च, २००६ रोजी महाराष्ट्र (महानगरपालिका क्षेत्रातील अविघटनशील घनकचरा योग्य व शास्त्रशुद्ध पद्धतीने संकलन करणे, विलगीकरण करणे व विल्हेवाट करणे) नियम प्रकाशित करण्यात आलेले आहेत. या नियमानुसार महानगरपालिकांची अविघटनशील कचरा हाताळण्याबाबतची जबाबदारी निश्चित करण्यात आलेली आहे. त्यानुसार महानगरपालिक आपल्या प्रादेशिक क्षेत्राच्या हद्दीमध्ये, या नियमांच्या तरतुदींची अंमलबजावणी करण्यासाठी आणि अविघटनशील घनकचरा गोळा करणे. तो वेगळा करणे, त्याची साठवण करणे, त्याची विलगीकरण करणे, तो वाहून नेणे, त्याच्यावर प्रक्रिया करणे आणि त्याची शास्त्रीय पद्धतीने विल्हेवाट लावणे यासाठीच्या कोणत्याही पायाभूत सुविधांचा विकास करणाऱ्या जबाबदार असेल. सार्वजनिक ठिकाणांवरील कचऱ्याची सरमिसळ होऊ नये आणि कचरा खाली सोडू नये यासाठी सार्वजनिक ठिकाणी विघटनशील व अविघटनशील कचऱ्याकरिता वेगवेगळ्या रंगाच्या किमान २ स्वतंत्र कचराकुंड्या ठेवतील आणि सार्वजनिक ठिकाणी या प्रयोजनासाठी ठेवलेल्या कचराकुंड्याकरिता ठराविक सांकेतिक रंग ठरवतील. महानगरपालिका कोणत्याही अभिकरणाच्या मदतीने प्रत्येक प्रभागामध्ये विविध ठिकाणी त्या क्षेत्रांमधील कचरा निर्मितीच्या अंदाजित प्रमाणावर आणि लोकसंख्येच्या घनतेवर आधारित अविघटनशील कचरा संकलन व विलगीकरण करणारी केंद्र उभारील. या नियमानुसार महानगरपालिका गटातील सहकारी गृहनिर्माण संस्था, हॉटेल, वाणिज्यिक आस्थापना व आपआपल्या जागांमध्ये निर्माण झालेली अविघटनशील व विघटनशील कचरा गोळा करण्यासाठी विहित रंगाच्या किमान दोन स्वतंत्र कचराकुंड्या ठेवतील.

#### १६. पर्यावरण विभाग सामर्थ्यवान होण्यासाठी तांत्रिक कक्ष निर्माण करणे

भारत सरकारच्या पर्यावरण व वन मंत्रालय यांनी पर्यावरण संरक्षणासाठी पर्यावरण विभागात तांत्रिक कक्ष तयार करण्यास मध्यवर्ती सहाय्य दिले. भारत सरकारने राज्य शासनाला पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ च्या कलम ५ अन्वये दिनांक १७-०५-१९८८ च्या परिपत्रकानुसार अधिकार दिले आहेत. या अधिकारान्वये कोणत्याही प्रदूषण करणाऱ्या अथवा पर्यावरणाचा धोका उत्पन्न करण्याच्या प्रकल्पावर कारवाई करता येते.

#### १७. राज्य सरोवर संवर्धन योजना

राज्यातील तलाव, सरोवर व मोठे जलाशय यांचे पर्यावरणदृष्ट्या संवर्धन करण्यासाठी सदर योजना राबविण्यात येत आहे. सदर योजनेअंतर्गत शहरी व निमशहरी भागातील प्रदुषित व पर्यावरणीय दृष्ट्या दर्जा खालावलेल्या

तलावांचे संरक्षण व संवर्धन करण्यात येते. सदर योजनेतर्गत राज्य शासनाचा हिस्सा संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थेच्या प्रकारानुसार ७० टक्के ते ९० टक्के इतका असून उर्वरित हिस्सा स्थानिक स्वराज्य संस्थेने उपलब्ध करून देण्यात येतो. (अ वर्ग नगरपरीषद व महानगरपालिका/विश्वस्थ संस्था/ शासकीय सेवाभावी संस्था/कटक मंडळे-३०%, ब वर्ग नगरपरीषद-२०%, क वर्ग नगरपरीषद व ग्रामीण क्षेत्र-१०%). सदर योजनेतर्गत सन २००७ पासून माहे डिसेंबर, २०२५ पर्यंत एकूण १४६ तलाव संवर्धन प्रकल्पांना अंतिम प्रशासकीय मान्यता व एकूण ३० तलाव प्रस्तावांना तत्त्वतः मान्यता देण्यात आलेली आहे. सदर एकूण १७६ तलावांच्या संवर्धन प्रकल्पांसाठी येणारा एकूण खर्च ४४२.३९ कोटी इतकी असून त्यापैकी राज्य शासनाचा हिस्सा रुपये ३६९.६५ कोटी इतका आहे. सदर एकूण १७६ तलाव संवर्धन प्रकल्पांकरिता राज्य हिश्यापैकी एकूण रक्कम रुपये २०३.८४ कोटी एवढा निधी संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थांना वितरित करण्यात आलेला आहे.

## १८. पर्यावरण विषयक जनजागृती उपक्रम

### अ) “Call for Green Ideas” हरितसंकल्पना

पर्यावरणविषयक व्यापक जनजागृतीसाठी महाराष्ट्र राज्याच्या सुवर्णजंयतीचे निमित्त साधून सन २०१० च्या जागतिक पर्यावरण दिनी पर्यावरण विभागामार्फत, “Call for Green Ideas” ही नाविन्यपूर्ण योजना राबविण्यास सुरुवात झाली. सदर योजनेचे स्वरूप हे शासनाच्या इतर चाकोरीबद्ध योजनांसारखे नसून योजनेचा मूळ उद्देश राज्याच्या स्थानिक पर्यावरणाच्या गरजा लक्षात घेवून लोकसहभागाने नाविन्यपूर्ण कार्यक्रम राबविणे असा आहे. या योजनेद्वारे राज्यभरातून शहरी, ग्रामिण आदिवासी, पश्चिम घाट सागरतटीय या भागातील स्थानिक पर्यावरणीय समस्यांशी निगडित कार्यक्रमांवर आधारित आणि लोकसहभाग असलेले प्रस्ताव जनजागृती प्रकल्प व अंमलबजावणी प्रकल्प या दोन वर्गवारीत मागविण्यात येतात. प्रकल्पांची निवड ही प्रकल्पांचे नाविन्य, स्वयंसिध्दता, फलनिष्पत्ती, योजनेचे कार्यक्षेत्र, इतरत्र वापरक्षमता, लोकसहभाग इ. निकषांनुसार करण्यात येते.

सन २०१० पासून दि. ०१/१२/२०२५ पर्यंत विभागास राज्यभरातून एकूण १४७० प्रस्ताव प्राप्त झाले आहेत. त्यापैकी सन २०१८-१९ मध्ये एकूण ४६ प्रस्ताव प्राप्त झाले असून, त्यापैकी निवडप्राप्त ३१ प्रस्ताव जनजागृती वर्गवारीतले असून पैकी २५ प्रस्ताव नाविन्यपूर्ण नसल्यामुळे फेटाळले व अंमलबजावणी वर्गवारीतील ६ पैकी ३ प्रस्तावांना शासन मंजूरी देण्यात आली आहे. हरीत संकल्पना योजनेतर्गत प्रस्तावांकरिता सन २०२५-२६ च्या अर्थसंकल्पात रु. १.५ कोटीची तरतूद करण्यात आली आहे.

तसेच शासनाच्या जावक क्र. इएनव्ही-२०१६/प्र.क्र.७१/तां.क.३, दि. ०८ नोव्हेंबर, २०१६ अन्वये हरित संकल्पना योजनेच्या अंमलबजावणीविषयी कार्यपध्दती सुधारितरित्या सुनिश्चित करण्यासाठी नव्याने मार्गदर्शक सूचना निर्गमित करण्यात आलेल्या आहे.

### ब) सृष्टी मित्र पुरस्कार

महाराष्ट्र राज्याच्या सुवर्ण महोत्सवी वर्षाचे निमित्त साधून सन २०१० पासून “सृष्टीमित्र पारितोषिक” ही योजना पर्यावरणाचे संरक्षण व संवर्धन करणे या व्यापक जनजागृतीसाठी सुरु करण्यात आलेली असून या अंतर्गत दरवर्षी राज्यस्तरीय पर्यावरण विषयक विविध स्पर्धेचे, पर्यावरण प्रकल्प, पर्यावरण छायाचित्र, बालसाहित्य, स्लाईड शो, घोषवाक्य, सर्वोत्तम इको-क्लब, पर्यावरण शिक्षणावर केस स्टडी व पर्यावरण संवर्धनात महिलांचे योगदान अशा वर्गवारीत आयोजन करण्यात येते. स्पर्धेअंतर्गत प्रत्येक श्रेणीतील सर्वात सृजनशील तसेच लक्षणीय अशा प्रवेशिकांना प्रशस्तीपत्र व रोख पारितोषिक देण्यात येते.

## १९. पर्यावरणपूरक बांधकाम क्षेत्रातील मार्गदर्शक तत्त्वे

विकासकामे व मूलभूत सोयीसुविधा पुरविण्याच्या अनुषंगाने बांधकाम प्रक्रियेमध्ये नैसर्गिक संसाधनांच्या अनिर्बंध वापरामुळे पर्यावरणाचे संतुलन बिघडत असल्याची बाब निदर्शनास आली.

राज्यात नैसर्गिक संसाधनाचा योग्य वापर, सुयोग्य कचरा व्यवस्थापन, हरितगृह वायू उत्सर्जनात संतुलन साधण्यासाठी तसेच जीवनमानात सुधार करण्याच्या अनुषंगाने शासन निर्णय क्रमांक इएनव्ही २०१३/प्र.क्र.१७७/तां.क.१ दिनांक १० जानेवारी, २०१४ अन्वये, पर्यावरणपूरक इमारत बांधकाम क्षेत्रासाठी मार्गदर्शक तत्त्वे तयार करण्यात आली आहेत.

पर्यावरणपूरक मार्गदर्शक तत्त्वांमध्ये खालील सहा घटकांचा समावेश करण्यात आला आहे.

- १) बांधकाम स्थळ, परिस्थितीकी आणि वाहतूक.
- २) पाण्याचे कार्यक्षम व्यवस्थापन, सांडपाणी प्रक्रिया आणि पुनर्वापर.
- ३) ऊर्जेचा कार्यक्षम वापर.
- ४) अपांरपरीक ऊर्जा वापर.
- ५) कचरा व्यवस्थापन.
- ६) इमारत बांधकाम साहित्य.

सदर मार्गदर्शक तत्त्वांच्या अंमलबजावणीमुळे, ऊर्जा वापरात तसेच पाणी वापरात अनुक्रमे २०-३० % व १५-२० % बचत होणे अपेक्षित आहे. तसेच बांधकामाच्या वेळी २०-३० % कमी कचरा उत्पादित होऊन त्यानुषंगिक प्रदूषणास आळा बसणार आहे.

## २०. वृक्ष तोड :

राज्यातील वाढते नागरीकरण आणि औद्योगिकीकरणाच्या गतीमुळे विविध विकास कामांसाठी व अन्य बाबींसाठी राज्याच्या शहरी भागात अनेक वृक्ष तोडण्याची आवश्यकता असते. यासाठी, वृक्षतोडीचे नियमन करून आणि पुरेशा संख्येने नवीन झाडे लावण्याची तरतूद करून राज्यातील शहरी भागातील हरित अच्छादन कायम ठेवून ते आणखी वाढविण्यासाठी तरतुदी करण्यासाठी महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्रे) झाडांचे संरक्षण व जतन (सुधारणा) अधिनियम, १९७५ हा अधिनियम महत्वाचा ठरतो.

२. महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्रे) झाडांचे संरक्षण व जतन (सुधारणा) अधिनियम, १९७५ मधील ठळक तरतूदी पुढील प्रमाणे आहेत :-

१) राज्य पातळीवर वृक्षांच्या संरक्षणाबाबत निर्णय घेण्यासाठी “महाराष्ट्र राज्य वृक्ष प्राधिकरण”

२) प्रत्येक नागरी क्षेत्रासाठी “स्थानिक वृक्ष प्राधिकरण”

३) संबंधित नागरी क्षेत्रातील वृक्ष तोडण्यासाठीच्या प्रस्तावांवर निर्णय घेण्याचे अधिकार खालील प्रमाणे आहेत :-

| अ.क्र. | तोडावयाच्या वृक्षांची संख्या           | अधिकार  |
|--------|--|---|
| १      | ०-२५                                   | आयुक्त, महानगरपालिका, मुख्याधिकारी, नगरपरिषद/ नगरपंचायत |
| २      | २६ व त्यापुढील सर्व तसेच, पुरातन वृक्ष | स्थानिक वृक्ष प्राधिकरण                                 |

४) कोणत्याही प्रजातीचा वृक्ष ज्यांचे अंदाजित वय ५० वर्षे किंवा त्यापेक्षा अधिक आहे अशा वृक्षांना “पुरातन वृक्ष” (हेरिटेज ट्री) संबोधून त्यानुसार कार्यवाही करणे.

५) तोडण्यात येणाऱ्या वृक्षांच्या अंदाजित केलेल्या वयाइतक्या संख्येएवढी भरपाई वृक्ष लावणे.

६) लागवड करताना किमान ६ फूट उंचीची रोपे लावणे.

७) अशाप्रकारे लावण्यात येणाऱ्या वृक्षांचे सात वर्षांपर्यंत संगोपन करणे.

८) पुनर्रोपण केवळ तज्ञांच्या मार्गदर्शनावर करणे.

९) प्रकल्पाचे आरेखन करताना कमीत कमी झाडे तोडण्यात यावीत या अनुषंगाने पर्यायी विकल्पांचा विचार केला जावा.

१०) दर पाच वर्षांनी किमान एकदा वृक्ष गणना करावी.

११) नवीन तंत्रज्ञानाचा (GIS) वापरासाठी प्रोत्साहन देणे.

---

## APPENDIX --- 1

पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग

## ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT

पदे व वेतन श्रेणी

## POST AND PAY SCALES

दिनांक ऑक्टोबर, २०२५

| पदनाम                    | वेतनश्रेणी<br>Pay Band | पदांची संख्या<br>Number of Post               |   |  | Designation                    |
|--------------------------|------------------------|---|---|--|--------------------------------|
|                          |                        | मंजूर पदे<br>Number of<br>Sanctioned<br>Posts | भरलेली पदे<br>Number<br>of Filled<br>Post | रिक्त पदे<br>Number of<br>Vacant<br>Post |                                |
| <b>गट अ राजपत्रित</b>    |                        |   |   |  | <b>Group A Gazetted</b>        |
| <b>गट अ</b>              |                        |   |   |  | <b>Group A</b>                 |
| सचिव                     | 224100 - G-14          | 1   | 1   | 0  | ... Secretary                  |
| संचालक पर्यावरण          | 118500-214100 -S-27    | 1   | 0   | 1  | ... Director, Environment      |
| उपसचिव                   | 78800-209200 - S-25    | 2   | 2   | 0  | ... Deputy Secretary           |
| शास्त्रज्ञ श्रेणी-१      | 78800-209200 - S-25    | 2   | 2   | 0  | ... Scientist Gr.-1            |
| शास्त्रज्ञ श्रेणी-२      | 67700-208700 - S-23    | 9   | 3   | 6  | ... Scientist Gr.-2            |
| अवर सचिव आस्थापना        | 67700-208700 - S-23    | 1   | 1   | 0  | ... Under Secretary            |
| अवर सचिव (विधी)          | 67700-208700 - S-23    | 1   | 0   | 1  | ... Under Secretary (Law)      |
| <b>गट ब (राजपत्रित)</b>  |                        |   |   |  | <b>Group B (Gazetted)</b>      |
| कक्ष अधिकारी             | 47600-151100 - S-17    | 4   | 3   | 1  | ... Section Officer            |
| ४ वर्ष अखंड सेवा         | S-20                   |   |   |  |                                |
| <b>गट ब (अराजपत्रित)</b> |                        |   |   |  | <b>Group B ( Non-Gazetted)</b> |
| उच्चश्रेणी लघुलेखक       | 41800-132300 - S-16    | 3   | 3   | 0  | ... High Grade Stenographer    |
| निम्नश्रेणी लघुलेखक      | 38600-122800 -S-14     | 3   | 0   | 3  | ... Lower Grade Stenographer   |
| सहायक कक्ष अधिकारी       | 41800-132300 -S-16     | 8   | 6   | 2  | ... Assistant Section Officer  |
| <b>गट क</b>              |                        |   |   |  | <b>Group C</b>                 |
| लिपिक-टंकलेखक            | 19900-63200 -S-6       | 8   | 5   | 3  | ... Clerk - Typist             |
| वाहनचालक                 | 19900-63200 -S-6       | 0 (मृतसंवर्ग)                                 | 1 (अधिसंख्य)                              | 0  | ... Driver                     |
| <b>गट ड</b>              |                        |   |   |  | <b>Group D</b>                 |
| शिपाई                    | 15000-47600 - S-3      | 0 (मृतसंवर्ग)                                 | 3 (अधिसंख्य)                              | 0  | ... Peon                       |
| <b>एकूण</b>              |                        | <b>43</b>                                     | <b>26+4</b>                               | <b>17</b>                                |                                |
|                          |                        |   | (अधिसंख्य)= <b>30</b>                     |  |                                |



## २. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ, मुंबई

### 2. Maharashtra Pollution Control Board

प्रस्तावना :

#### १. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ आणि त्यांचे कार्य :

महाराष्ट्र जल प्रदूषण प्रतिबंध अधिनियम, १९६९ च्या अन्वये महाराष्ट्र जल प्रदूषण नियंत्रण मंडळाची स्थापना १९७० साली झाली. ह्या अधिनियमाऐवजी महाराष्ट्रात १-६-१९८१ पासून केंद्रीय जल प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) कायदा १९७४ स्विकारला गेला. त्यामुळे या मंडळाला अधिक अधिकार मिळाले. १९७४ चा अधिनियम अंगिकारल्यानंतर ह्या मंडळाचे जल प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) मंडळ हे नाव बदलून महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ असे ठेवण्यात आले. त्यानंतर १६-५-८१ पासून हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अंमलात आला.

#### केंद्र शासन/राज्य शासन यांनी पारित केलेले अधिनियम/नियम :

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ अंमलबजावणी करित असलेले

##### अधिनियम व नियम

जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ सुधारित अधिनियम २०२५ व त्या अंतर्गत घोषित केलेले नियम हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ व त्या अंतर्गत घोषित केलेले नियम

महाराष्ट्र जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) नियम, १९८३

महाराष्ट्र हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) नियम, १९८३

पर्यावरण (सरक्षण) अधिनियम, १९८६, व त्या अंतर्गत घोषित केलेले नियम

\* घातक व इतर कचरा (व्यवस्थापन व सीमांतर्गत वाहतूक) नियम, २०१६

\* जैव वैद्यकीय कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* घनकचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* बांधकाम व पाडकाम कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* ई-कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* धोकादायक रासायने, उत्पादन, साठवणूक आणि आयात नियम, १९८९

\* ध्वनी प्रदूषण (विनियमन व प्रतिबंध) नियम, २०००

\* बॅटरी (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, २०१०

##### अधिसूचना

\* पर्यावरण आघात मुल्यांकन अधिसूचना, २००६

\* माहितीचा अधिकार अधिनियम २००५ व

\* महाराष्ट्र माहिती अधिकार नियम, २००५

\* महाराष्ट्र विघटनशील व अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६ आणि महाराष्ट्र प्लास्टिक कॅरी बॅग (उत्पादन आणि वापर) नियम, २००६

\* राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरण अधिनियम, २०१०

\* अंमलबजावणी धोरण २०१६

मंडळाची कार्ये :-

१. विविध जलस्रोताच्या व हवेच्या प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रणासाठी राज्यव्यापी योजना तयार करून त्याची अंमलबजावणी करणे.

२. जल प्रदूषण व हवा प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रणाबाबत राज्य शासनास सल्ला देणे.

३. जल प्रदूषण व हवा प्रदूषणासंबंधी तसेच नियंत्रण कार्यवाहीबद्दल माहिती संकलित करून प्रकाशित करणे.

४. जल प्रदूषण व हवा प्रदूषणासंबंधी समस्यावरील संशोधनास प्रोत्साहन देणे, संशोधन करणे व त्यामध्ये सहभाग घेणे.

५. प्रदूषण नियंत्रणाविषयावरील प्रशिक्षणाचे आयोजन करणे व संबंधित लोकशिक्षणाचे कार्यक्रम आयोजित करणे.

६. नागरी सांडपाणी, औद्योगिक सांडपाणी त्याचप्रमाणे सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्राच्या कार्याचे अधिनियमातील तरतुदीनुसार संमतीपत्र संदर्भात परिक्षण करणे. हवा प्रदूषण नियंत्रणासाठी असलेले उपकरण, यंत्रणा, औद्योगिक संयंत्र, उत्पादन प्रक्रिया यांचे परिक्षण करणे व आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण उपाययोजनेसाठी निर्देशित करणे.

७. हवा प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रातील हवेचे मूल्यमापन करणे व प्रदूषण प्रतिबंधात्मक उपाय योजना करणे.

८. सांडपाण्यातील व हवेतील प्रदूषण घटकांची मानके निश्चित करणे व त्यामध्ये सुधारणा करणे, त्याचप्रमाणे प्रदूषण घटक मिसळणाऱ्या जलस्रोताची वर्गवारी करून त्याची मानके निश्चित करणे. विविध औद्योगिक संयंत्रातील उत्सजनानुसार हवा प्रदूषण घटकांची मानके निश्चित करणे.

९. एका विशिष्ट प्रकारच्या उद्योगामुळे/प्रकल्पामुळे ठराविक ठिकाणची हवा प्रदूषित होणार असेल किंवा जल प्रदूषित होणार असेल तर त्याबाबत राज्य शासनास योग्य तो सल्ला देणे.

१०. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळ व राज्य शासनाने वेळोवेळी नेमून दिलेली कार्ये पार पाडणे.

#### २. जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ सुधारित अधिनियम २०२४ आणि हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अंतर्गत संमतीपत्र देणे :

एखादे क्षेत्र जल प्रतिबंध क्षेत्र म्हणून अधिसूचित झाल्यानंतर प्रदूषणावर नियंत्रण ठेवण्याबाबत, अधिनियमातील तरतुदीची अंमलबजावणी त्या क्षेत्रात करण्यात येते. या क्षेत्रातील उद्योगांना आपल्या सांडपाण्याचे निःसारण करणेकरिता संमती मिळण्यासाठी मंडळाकडे अर्ज करावा लागतो. संपुर्ण महाराष्ट्र राज्य जल प्रदूषण व प्रतिबंध व नियमन क्षेत्र म्हणून एका अधिसूचनेप्रमाणे घोषित करण्यात आले आहे, अशी संमती देतांना मंडळाला अशा उद्योगांकडून होणाऱ्या प्रदूषणाची कारणे. त्यातील प्रक्रिया वापरण्यात येणारा कच्चा माल सांडपाण्यावर करावयाची प्रक्रिया आणि त्याच्या निःसारणासाठी उत्तम पध्दती कोणती याबाबत बारकाईने तपासणी व अभ्यास करावा लागतो. त्यासाठी उद्योगाना भेटी देणे आणि त्याच्या सांडपाण्याचे नमुने तपासणे आवश्यक असते. अशा तऱ्हेने ज्यावेळी संमती दिली जाते त्यावेळी टाकाऊ पदार्थाचे व सांडपाण्याची गुणवत्ता कशी

असावी त्याची व्याप्ती कशी असावी. जेणे करुन जलप्रवाह निःसारण करणे योग्य ठरेल, हे ठरवून दिले जाते आणि आवश्यक ती प्रक्रिया करण्यासाठी निश्चित कालावधी नेमुण देण्यात येतो संमती देण्याचे हे कार्य मंडळाचे एक महत्वाचे कार्य असुन ती एक तांत्रिक बाब आहे. त्यासाठी विशेष तांत्रिक ज्ञान आणि प्रत्येक उद्योगाच्या सुक्ष्म अभ्यासाची आवश्यकता असते.

राज्यात एकूण सुमारे १,३४,११६ हे लाल, नारंगी हिरवा व पांढरा संवर्गातील प्रदूषणकारी उद्योगधंदे आहेत. मंडळाने प्रदूषणाच्या दृष्टीने महत्वाचे अशा प्रमुख उद्योगांची माहिती एकत्रित केली असून त्यांच्याकडे प्रामुख्याने लक्ष देण्यात येते.

मंडळाने २०२४-२०२५ या वर्षात सुमारे २०४२८ उद्योगांना संमतीपत्रे दिलेली आहेत. मंडळाने एप्रिल २०२५ ते सप्टेंबर २०२५ या कालावधीत सुमारे १२७०५ उद्योगांना संमतीपत्रे दिलेली आहेत. कोणतेही प्रक्रिया न करता जलप्रवाह सोडलेले प्रवाह व सांडपाणी हे सुध्दा प्रदूषणाचे प्रमुख कारण आहे. राज्यातील स्थानिक स्वराज्य संस्थामार्फत एकूण सांडपाणी निर्मितीपैकी सुमारे ८५ % सांडपाणी हे २९ महानगरपालिकांद्वारे निर्मित होते व उर्वरित १५ % सांडपाणी हे 'अ' 'ब' व 'क' नगरपालिका व कटक मंडळ निर्माण करतात यापैकी ३९ स्थानिक प्राधिकरणाकडे सांडपाणी प्रक्रिया व्यवस्था उपलब्ध आहे व एकूण प्रक्रिया क्षमता सांडपाणी निर्मितीच्या ६२.२ % आहे. सदर महानगरपालिका व नगरपालिकांनी सांडपाणी संकलन प्रक्रिया व विल्हेवाट लावण्यासाठी संयंत्रणा बसविणे व ती नियंत्रण कार्यरत ठेवणे गरजेचे आहे. असे प्रक्रिया केलेले सांडपाणी जमिनीवर विल्हेवाट लावण्यासाठी जसे शेती, उद्याने इ. साठी वापरण्याची परवानगी मंडळातर्फे देण्यात येते. महाराष्ट्रातील बहुतेक नद्या या बारामाही नाहीत यामुळे नदीमध्ये कमीत कमी प्रवाह असल्यास सदर प्रक्रिया केलेले घरगुती सांडपाणी नदीमध्ये सोडण्यास परवानगी दिली जाते. सांडपाणी निस्सारणासाठी स्थानिक प्राधिकरणाला सुद्धा मंडळाची संमती घेणे आवश्यक आहे. राज्यामध्ये २९ महानगरपालिका, २४२ नगरपालिका, १४८ नगरपंचायत व ७ कटक मंडळे आहेत.

### ३. कायदेशीर कारवाईबाबत माहिती :-

अधिनियमांच्या तदतुदींचे उल्लंघन ज्यांच्याकडून होते, त्यांच्याविरुद्ध वैधानिक कारवाई मंडळाकडून केली जाते. अशी कारवाई सुरु करण्यापूर्वी प्रत्येक प्रकरणाचा सविस्तर अभ्यास करण्यात येतो. जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ अन्वये ऑक्टोबर, २०२५ पर्यंत ५३७ कसूरदार कारखान्यांविरुद्ध खटले दाखल करण्यात आलेले आहेत. त्यापैकी १७० प्रकरणी मंडळाच्या बाजूने निकाल लागला आहे. २३१ प्रकरणी मंडळाच्या विरुद्ध निकाल लागला आहे. उर्वरित १३६ प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित आहेत.

हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अन्वये १४९ प्रकरणे न्यायालयात दाखल करण्यात आलेली आहेत. त्यापैकी, ११५ प्रकरणे मंडळाच्या बाजूने व ३४ प्रकरणांचा मंडळाच्या विरुद्ध निकाल लागलेला आहे. सदर अधिनियमांतर्गत प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित नाहीत.

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ मधील कलम १५ नुसार विविध नियमांखाली न्यायालयात एकूण ११०२ तक्रारी दाखल करण्यात आल्या आहेत. त्यापैकी २८९ तक्रारीमध्ये निकाल झालेला आहे. उर्वरित ८१३ प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित आहेत.

१. घातक कचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, १९८९ (सुधारित नियम, २०००) आणि घातक व इतर कचरा (व्यवस्थापन व सीमांतगत वाहतूक) नियम, २०१६ अंतर्गत मंडळाने एकूण १९ कसूरदार कारखान्यांवर खटले दाखल केले आहेत.

२. जैव वैद्यकीय कचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, २००० अंतर्गत मंडळाने ३२ कसूरदारांविरुद्ध खटले दाखल केले आहेत.

३. महानगरपालिका व नगरपालिका विरुद्ध जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८४ व नागरी घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, २००० व घनकचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६ अंतर्गत मंडळाने ३७ खटले दाखल केले आहेत.

४. पुनर्चक्रित प्लास्टिक पिशव्या (उत्पादन व वापर) नियम, १९९९ महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६ सोबत महाराष्ट्र प्लास्टीक आणि थर्मोकॉल वस्तुंचे (उत्पादन, वापर, विक्री, वाहतूक, हाताळणी, साठवणूक) अधिसूचना, २०१८ अंतर्गत मंडळाने ९ कसूरदार कारखान्यांवर खटले दाखल केले आहेत.

५. सागरतटीय अधिसूचने अंतर्गत मंडळाने कसूरदारांविरुद्ध १६३ खटले दाखल केले आहेत.

६. पर्यावरण आघात मुल्यांकन अधिसूचना, १९९४ सुधारीत अधिसूचना दिनांक ७/७/२००४ आणि पर्यावरण आघात मुल्यांकन अधिसूचना, १४/९/२००६ नुसार ३१३ खटले दाखल केले आहेत.

७. ध्वनी प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, २००० अंतर्गत ५२९ खटले दाखल करण्यात आलेले आहेत.

जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ व हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अंतर्गतची एकूण २५६ अपिल्स अपिलेट अॅथॉरिटीसमोर दाखल झाली होती त्यापैकी १४६ अपिल्स निकाली निघाली आहेत व ११० अपिल्स प्रलंबित आहेत.

राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणाची स्थापना पर्यावरण विषयक बाबींच्या न्यायालयीन पुनर्विलोकनासाठी करण्यात आलेली आहे. सदरहू राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणाची, नवी दिल्ली येथे दिनांक १८/१०/२०१० रोजी स्थापना झालेली आहे. तसेच मा. राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणाची पश्चिम झोन ही शाखा कार्यरत आहे. राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणासमोर ९५६ अपिल्स/अॅप्लिकेशन्स दाखल करण्यात आलेले आहेत. त्यापैकी ७२० अपिल्स/अॅप्लिकेशन्स निकाली निघाले आहेत व २३६ अपिल्स/अॅप्लिकेशन्स प्रलंबित आहेत.

मे. उच्च न्यायालयाच्या ३ खंडपीठांसमोर (मुंबई, नागपूर व औरंगाबाद) या न्यायालयामध्ये १५५९ सार्वजनिक हिताच्या याचिका दाखल झालेल्या आहेत. त्यापैकी ११६७ सार्वजनिक हिताच्या याचिका निकाली निघाल्या आहेत व ३९२ प्रकरणे प्रलंबित आहेत. व मे. सर्वोच्च न्यायालयामध्ये २५० सार्वजनिक हिताच्या याचिका दाखल झालेल्या आहेत. त्यापैकी १२२ सार्वजनिक हिताच्या याचिका निकाली निघाल्या आहेत व १२८ प्रकरणे प्रलंबित आहेत.

सदरहू याचिकांमध्ये मप्रनि मंडळातर्फे अ व ब वर्ग वकीलांची मे. उच्च न्यायालयामध्ये आणि सर्वोच्च न्यायालयातील अभिलेखातील वकील (अॅडव्होकेट ऑन रेकॉर्ड) यांची नेमणूक करून, त्यांना योग्य त्या सूचना देणे, प्रतिज्ञापत्र तयार करून दाखल करणे आणि मा. न्यायालयीन दिलेल्या आदेशांचे पालन करणे या बाबी विधी विभागामार्फत पार पाडण्यात येतात. याव्यतिरिक्त वेगवेगळ्या कायदेशीर बाबींवर विधी विभागामार्फत कायदेशीर मत दिले जाते.

#### ४. जल गुणवत्ता संनियंत्रण

(अ) राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण कार्यक्रम (National Water Quality Monitoring Programme (NWMP)): केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत या मंडळास हा प्रकल्प सोपविला आहे. या प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील महत्त्वाच्या नद्यांच्या पाण्याचे नमुने संकलीत करून त्याचे प्रयोगशाळेत विश्लेषण केले जाते.

या प्रकल्पांतर्गत एप्रिल २०२४ ते मार्च २०२५ या वर्षात एकूण २२५६ नमुने संकलित केले आहेत. तसेच या प्रकल्प अंतर्गत एप्रिल २०२४ ते सप्टेंबर २०२४ या कालावधीत एकूण १२४९ नमुने संकलित केले आहेत. त्यासंबंधीचे विश्लेषण अहवाल केंद्रीय मंडळाकडे वेळोवेळी सादर करण्यात येतो. सदर प्रकल्प पुढे चालू आहे.

(आ) राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण कार्यक्रम (State Water Quality Monitoring Programme (SWMP)): राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत हा प्रकल्प राबविला जातो. या प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील नद्यांच्या पाण्याचे नमुने संकलीत करून त्याचे प्रयोगशाळेत विश्लेषण केले जाते.

या प्रकल्पा अंतर्गत एप्रिल २०२४ ते मार्च २०२५ या वर्षात एकूण ३०४ नमुने संकलित केले आहेत. तसेच या प्रकल्प अंतर्गत एप्रिल २०२५ ते सप्टेंबर २०२५ या कालावधीत एकूण १३३ नमुने संकलित केले आहेत. सदर प्रकल्प पुढे चालू आहे.

नदीच्या पाण्याच्या परिक्षण अहवालावरून पाण्याची प्रत व दर्जा ठरविण्यात येतो. राज्यातील जल संनियंत्रण स्थानके तक्ता -१ मध्ये देण्यात आले आहेत.

**४ (अ) सारणी**  
**सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्रणा**  
**(३०/०९/२०२५ पर्यंतची स्थिती)**

| अ. क्र | सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्र   | कार्यरत होण्याचा दिनांक  | एकूण सदस्य उद्योग | एकूण सांडपाण्याची प्रक्रिया क्षमता घनमीटर प्रतिदिन | प्रकल्प खर्च रु. लाख | केंद्रशासन रु. (लाख) | अनुदान राज्यशासन रु. (लाख) |        |
|--------|--|--|-------------------|--|----------------------|----------------------|----------------------------|--------|
|        |  |  |                   |  |                      |                      | मप्रनिमं                   | मऔविम  |
| १      | अॅक्मा को-ऑप. सो. अंबरनाथ  | मार्च, १९९९  | ९१                | २५००   | ३५                   | -                    | ८.५३                       | ८.५३   |
| २      | चिखलोली मोरिवली सा.सां.प्र.सं.   | डिसेंबर, २००६  | १५०               | ८००  | १२६.७६               | २७.४५                | ६.३३                       | २३.२७  |
| ३      | बदलापूर सा.सां.प्र.सं.   | सप्टेंबर २००२,   | २८२               | ८०००   | ६३३.२१               | ९५.८६                | २२.५०                      | ९०.००  |
| ४      | डोंबिवली फेज-१ (टेक्स्टाईल)  | मार्च, १९९९  | १४७               | १६०००  | २७०                  | ५०                   | -                          | ६५     |
| ५      | डोंबिवली फेज-२ (केमिकल)  | ऑक्टोबर, २००३  | ४५५               | १५००   | १४७१                 | २१३                  | ५०                         | २५०    |
| ६      | तळोजा को-ऑप. सो. सा.सां.प्र.सं.  | डिसेंबर १९९९   | ९७४               | १५०००  | १४७१                 | २१६                  | ५०                         | २५०    |
| ७      | प्रिया पाताळगंगा सा. सा.सां.प्र.सं.  | फेब्रुवारी -२००४   | ४०                | २२५००  | २१८७                 | ३०४.४१               | ९९.३५                      | ३९७.४  |
| ८      | रिया रोहा को-ऑप. सो. सा.सां.प्र.सं.  | मार्च - २००४   | ३६                | २२५००  | ३८५०                 | ३१२.५                | ६३.८०                      | २५०    |
| ९      | महाड, एमएमए को-ऑप. सो. सा.सां.प्र.सं.  | जून, २००५  | ११४               | ७५००   | ७५०.६०               | १८६                  | ३७.२                       | १४८.८० |
| १०     | अकीवटे इंडस्ट्रीयल को-ऑप सो.जयसिंगपूर  | डिसेंबर, १९९७  | ४                 | ८००  | ६७.७०                | ८.९२                 | -                          | ८.९२   |
| ११     | लोटे परशुराम पर्यावरण संरक्षण को-ऑप. सो.   | एप्रिल, २००३   | २१४               | १००००  | ५४०.४२               | ८३.३९                | ३८.६७                      | ७०.१४  |
| १२     | तारापूर (अतिरिक्त) को-ऑप. सो. सद्यस्थितीत तारापूर पर्यावरण संरक्षण को. सो. मध्ये विलिन | मार्च २००६ (२० द. ल. लि.)<br>मार्च २००८ (२० द. ल. लि.)<br>सप्टेंबर २००९ (२५ द. ल. लि.)<br>सप्टेंबर, २००५ | १२१६              | २५०००  | १८६३.२२              | ४६१.७                | ९२६.८२                     | ३७२.६४ |
| १३     | ग्रिनफिल्ड सीईटीपी प्लांट प्रा. लि., एम.आय.डी.सी. चिंचोली, जि. सोलापूर.                | सप्टेंबर, २००५   | ३१                | १५००   | २५०                  | ६२.५                 | १२.५                       | ५०     |
| १४     | पर्यावरण को.ऑप. (एम.आय.डी.सी) सोयायटी कुरकुंभ हस्तांतरण २००६                           | ऑगस्ट, २००१  | ६९                | १०००   | ११३                  | -                    | -                          | १९.५३  |
| १५     | रांजणगांव सा. सा. प्र. सं.   | जुलै, २००१   | ४                 | ३०००   | ३०१                  | -                    | -                          | ३०१    |

१७. सारणी -अ  
सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्रणा  
(३०/०९/२०२५ पर्यंतची स्थिती)

| अ. क्र | सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्र  | कार्यरत होण्याचा दिनांक                      | एकूण सदस्य उद्योग | एकूण सांडपाण्याची प्रक्रिया क्षमता घनमीटर प्रतिदिन | प्रकल्प खर्च रु. लाख | केंद्रशासन रु. (लाख) | अनुदान राज्यशासन रु. (लाख) |        |
|--------|---|--|-------------------|--|----------------------|----------------------|----------------------------|--------|
|        |   |  |                   |  |                      |                      | मप्रनिमं                   | मऔविम  |
| १६     | बुटीबोरी, सा. सां. प्र. सं. नागपूर  | जून, २००६ (१२ द.ल.लि.)                       | २२४               | ५०००   | ६९९                  | ३१४.५५               | ३४.१५                      | १७४.७५ |
| १७     | ठाणे-बेलापूर सा. सां. प्र. सं. (नवी मुंबई)  | टप्पा १ १९९७ टप्पा २ मार्च २००६ (१५ द.ल.लि.) | ३४५७              | २७०००  | १२२५                 | २५६.२५               | ७१.२५                      | १८५    |
| १८     | अतिरिक्त अंबरनाथ सां. प्र. स जि. ठाणे   | जून २०१२                                     | -                 | ७५००   | १८४६.९६              | -                    | -                          | -      |
| १९     | एस.एम.एस. प्रक्रिया संयंत्र लि. वाळूज छत्रपती संभाजीनगर.                              | जून २०११                                     | २२४               | १००००  | १७००                 | ३४०                  | ७१.००                      | ३४०    |
| २०     | इचलकरंजी टेक्स्टाईल डेव्हलपमेंट क्लस्टर लि. (१२ द ल लि) सा.सां. प्र. स. जि. कोल्हापूर | जुलै २०११                                    | ६७                | १२०००  | २१८५                 | ११२१                 | १६७                        | ३७२    |
| २१     | इचलकरंजी टेक्स्टाईल डेव्हलपमेंट क्लस्टर लि. (१ द ल लि) सा. सां. प्र. स. जि. कोल्हापूर | एप्रिल २०११ (१ द.ल.लि.)                      | ४                 | १०००   | २१०                  | ६९                   | २४                         | -      |
| २२     | कागल हातकणंगले सां. प्र. स. जि. कोल्हापूर   | जून २००८                                     | ६                 | १००००  | ११७०                 | २१०                  | -                          | ११७०   |
| २३     | हायझे एअर टेक्टॉनिकस तळेगांव.   | ऑगस्ट २००९                                   | १                 | ४०००   | ६५०                  | -                    | -                          | १२५    |
| २४     | अक्कलकोट रोड सां. प्र. स. जि. सोलापूर   | डिसेंबर २०१४                                 | ९८                | ३०००   | ४४०                  | -                    | -                          | -      |
| २५     | अतिरिक्त अमरावती औद्योगिक क्षेत्र सां. प्र. स. जि. अमरावती                            | सप्टेंबर २०१६                                | ५                 | ५०००   | ६४०                  | -                    | -                          | -      |
| २६     | तारापुर एन्हारोमेंट प्रोटेक्शन सोसायटी, प्लॉट क्र. ओ.एस.३० एमआयडीसी, तारापूर.         | नोव्हेंबर २०२० (२५ द.ल. लि.)                 | १२१६              | एकूण क्षमता ५००००, कार्यरत २५०००                   | ११९८३                | -                    | ५९९                        | १६५३   |
| २७     | इचलकरंजी भाग-३ (टेक्स्टाईल)   | प्रस्तावित                                   | -                 | १२००   | १२००                 | -                    | -                          | -      |
| २८     | कृष्णा व्हॅली सांगली  | प्रस्तावित                                   | -                 | ६४०  | ६४०                  | -                    | -                          | -      |
| २९     | मेटल फिनिशर्स असोसिएशन नाशिक  | प्रस्तावित                                   | -                 | ५००  | १०००                 | -                    | -                          | -      |
| ३०     | हिंगणा सीईटीपी इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी लि.                                   | प्रस्तावित                                   | -                 | २०००   | २०००                 | -                    | -                          | -      |

#### ५. हवा गुणवत्ता सनियंत्रण :-

महाराष्ट्र राज्यामध्ये राष्ट्रीय/राज्य हवा गुणवत्ता सनियंत्रण कार्यक्रमांतर्गत (NAMP/SAMP) एकूण ११९ ठिकाणी वातावरणीय हेवेची गुणवत्ता तपासणी मानवचलित हवा तपासणी केंद्रामार्फत केली जाते. सदरील हवा तपासणी केंद्र हे म.प्र.नि. मंडळाने स्थानिक अभियांत्रिकी विद्यालय/स्थानिक स्वराज्य संस्थांना चालविण्याकरीता दिलेले आहे. तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून राज्यामध्ये एकूण ६९ ठिकाणी सतत वातावरणीय हवा सनियंत्रण केंद्रे (CAAQMS) उभारून कार्यान्वित केलेली आहेत. सदरील हवा गुणवत्ता तपासणी केंद्रामधून प्राप्त हवा गुणवत्ता तपासणी अहवालाच्या आधारे काढण्यात येणारे हवा गुणवत्ता निर्देशांक (AQI) हे म.प्र.नि. मंडळाच्या (MPCB) तसेच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या (CPCB) संकेतस्थळावर जनतेच्या अवलोकनार्थ नियमितपणे प्रसारित करण्यात येतो.

सन २०२५-२६ या वर्षामध्ये राज्यातील प्रमुख शहरांमध्ये एकूण ५३ ठिकाणी सतत वातावरणीय हवा सनियंत्रण केंद्रे (CAAQMS) उभारण्याचे काम प्रगती पथावर असून याद्वारे महाराष्ट्रातील जवळ-जवळ सर्व जिल्ह्यामध्ये हवा गुणवत्ता सनियंत्रण केंद्रे उभारण्याचे मंडळाचे उद्दिष्ट आहे.

#### राष्ट्रीय शुध्द हवा कार्यक्रम (NCAP) :

या कार्यक्रमांतर्गत राज्यातील एकूण १९ प्रमुख शहरांतील हवा गुणवत्ता सुधारण्याच्या दृष्टीकोनातून भारतीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्था (IIT) व राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संशोधन संस्था (NEERI) या नामांकित संस्थांमार्फत १० प्रदुषित शहरांचा (Non Attainment Cities) हवा गुणवत्ता सुधारणाबाबतचा कृती आराखडा बनविण्यात आलेला असून, मंडळाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आलेला आहे. तसेच उर्वरित ९ शहरांचा कृती आराखडा बनविण्याचे काम प्रगतीपथावर आहे.

जनजागृतीसाठी मंडळातर्फे दरवर्षी ओझोन दिवस साजरा केला जातो. तसेच वृक्ष लागवडीसाठी उद्योग व जनतेस प्रवृत्त केले जाते.

#### ६. पर्यावरणविषयक जनजागृती :

##### ● २२ एप्रिल जागतिक वसुंधरा दिन : पवई तलाव स्वच्छता अभियान:

जागतिक वसुंधरा दिनानिमित्त पवई तलाव स्वच्छता अभियानाचे आयोजन पवई मुंबई येथे करण्यात आले होते. या कार्यक्रमाला श्रीमती पंकजाताई मुंडे, मा. मंत्री, पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग, म.प्र.नि. मंडळाचे मा. अध्यक्ष श्री. सिध्देशी कदम, पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभागाच्या मा. सचिव श्रीमती जयश्री भोज, मंडळाचे मा. सदस्य सचिव उपस्थित होते. सदरहू कार्यक्रमांतर्गत पवई तलावात निर्माण झालेल्या जलपर्णी यांत्रिक नौकेच्या सहाय्याने काढण्याचा उपक्रम हाती घेण्यात आला होता. याचा शुभारंभ यावेळी करण्यात आला.

पवई तलाव हा मुंबई शहरातील अत्यंत महत्त्वाचा व जैवविविधतेने परिपूर्ण असा तलाव आहे. परंतु या तलावात वाढलेल्या जलपर्णी वेलीमुळे या तलावाच्या नैसर्गिक विविधतेला धोका पोहचत होता. यावर तात्काळ उपाययोजना करण्यासाठी मुंबई महानगरपालिकेच्या सहयोगाने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ, पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग यांनी पुढाकार घेऊन या स्वच्छता अभियानाचे आयोजन करण्यात आले होते. यावेळी या परिसरातील वनशक्ती, विविध पर्यावरण क्षेत्रात काम करणाऱ्या सामाजिक संस्था, राष्ट्रीय सेवा योजनेतील महाविद्यालयीन विद्यार्थी, मुंबई शहर बोरी समाज यांची सामाजिक संघटना असे विविध समाजघटक सहभागी झाले होते.

##### ● सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांच्यात जनजागृती :

सिंगल युज प्लास्टिकच्या वापरावर असलेली बंदी आणि सिंगल युज प्लास्टिकच्या वारामुळे निर्माण होणारे पर्यावरणाचे व प्रदूषणाचे प्रश्न याबाबत महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांच्यात जनजागृती करण्यासाठी उपक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते. याकरीता मुंबई महानगर प्रादेशिक क्षेत्रातील निवडक महाविद्यालयांमध्ये मॅस्कॉटच्या माध्यमातून विद्यार्थ्यांना सिंगल युज प्लास्टिकमुळे होणारे प्रदूषण आणि त्याचे दुष्परिणाम याबाबत माहिती देण्यात आली. प्लास्टिक पिशवीच्या ऐवजी कापडी पिशवीचाच वापर करावा व सिंगल युज प्लास्टिकचा वापर पूर्णपणे बंद करावा यासाठी विद्यार्थ्यांनी पुढाकार घ्यावा म्हणुन या उपक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते.

##### ● पर्यावरणाची वारी पंढरीच्या दारी :

आषाढी एकादशीच्या निमित्ताने आळंदी ते पंढरपूर या पायी वारीच्या निमित्ताने पर्यावरणाची वारी पंढरीच्या दारी या पर्यावरण विषयक जनजागृतीच्या अभियानाचे आयोजन करण्यात आले होते. वर्तमानातील परिस्थितीत शहर व ग्रामीण विभागातील पर्यावरणाचे प्रश्न समानधर्मी असल्याने पंढरपूरच्या वारी निमित्त एकत्र येणाऱ्या दहा लाख लोकांपर्यंत प्लॅस्टिक हटाव, देश बचाव, पाणी, वीज, नैसर्गिक संसाधने, शेतीसाठी मर्यादित वीजपंपाचा वापर, सेंद्रिय खताचा वापर, ओला कचरा सुका कचरा याचे योग्य ते व्यवस्थापन असे विविध मौलिक संदेश या उपक्रमातून दिले गेले. हे संदेश ग्रामीण विभागात लोकप्रिय असलेल्या लोककला किरतन, भारुड, पोवाडा या लोककलांच्या माध्यमातून ही जनजागृती करण्यात आली. या सतरा दिवसांच्या पायी वारीत श्रीमती संध्या साकी यांचे भारुड, प्रसिध्द युवा शाहिर श्री. पृथ्वीराज माळी यांचा पोवाडा आणि ह.भ.प. श्री. ज्ञानेश्वर महाराज वाबळे यांचे कीर्तन या माध्यमातून जनजागृती केली. या वारीचा शुभारंभ पुणे येथे म.प्र.नि. मंडळाचे मा. सदस्य सचिव यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता. यावेळी लोककलांचे गाढे अभ्यासक डॉ. श्री. प्रकाश खांडगे, महाराष्ट्र कला संस्कृती मंचाच्या संचालिका श्रीमती शैलजा खांडगे, मंडळाचे जनसंपर्क अधिकारी श्री. संजय भुस्कुटे उपस्थित होते. तर या वारीचा समारोप आषाढी एकादशीच्या पुर्व संध्येला पंढरपूर शासकीय विश्रामगृह येथे मा. मुख्यमंत्री श्री. देवेंद्र फडणवीस, सोलापुरचे पालक मंत्री श्री. जयकुमार गोरे आदी मान्यवर उपस्थित होते.

त्याचबरोबर वारकरी साहित्य परिषदेच्या सहयोगाने देहू ते पंढरपूर या संतश्रेष्ठ तुकाराम महाराज यांच्या पायी वारीत एल.ई.डी. व्हॅनच्या माध्यमातून पर्यावरण विषयक जनजागृती करण्यात आली.

##### ● ५ जून जागतिक पर्यावरण दिन :

५ जून जागतिक पर्यावरण दिनाचे औचित्य साधून मुंबई येथील हॉटेल ताज लॅण्ड बांद्रा येथे एक दिवसाच्या पर्यावरण परिषदेचे आयोजन करण्यात आले होते. यात पर्यावरण विषयक विविध प्रश्नांबाबत उदा. घनकचरा व्यवस्थापन, सांडपाणी शुध्दीकरण यंत्रणा, ई-वेस्ट, सिंगल युज प्लास्टिक वेस्ट याबाबत विस्तृत चर्चा करण्यात आली.

सदरहू परिषदेचे उद्घाटन मा. श्रीमती पंकजाताई मुंडे, मंत्री पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग, मा. श्री. अशिषजी शेलार, सांस्कृतिक कार्यमंत्री,

मंडळाचे मा. अध्यक्ष श्री. सिध्देशजी कदम, मा. सदस्य सचिव यांच्या उपस्थितीत करण्यात आले. या परिषदेत औद्योगिक आस्थापना, स्थानिक स्वराज्य संस्था, स्वयंसेवी संस्था या प्रतिनिधींनी सहभाग घेतला होता.

या दिवसाचे निमित्ताने मा. मंत्री पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली गिरगाव चौपाटी स्वच्छता अभियान व मंत्रालय येथे सिंगल युज प्लास्टिकचा वापर न करण्याची शपथ देखील देण्यात आली. त्याचबरोबर जागतिक पर्यावरण दिनाच्या निमित्ताने मराठी वृत्तवाहिनीच्या व रेडीओ वाहिन्यांवरून जनजागृतीचे संदेश प्रसारित करण्यात आले. त्याचबरोबर इंडिया टूडे, आऊटलुक व द विक या इंग्रजी मासिकात जनजागृतीचे संदेश प्रसिध्द करण्यात आले.

#### ● इको फ्रेंडली दहीहंडी :

इको फ्रेंडली दहीहंडी उत्सव या उपक्रमाचे आयोजन आयडिअल बुक कंपनी व मप्रनि मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित करण्यात आले होते. या उपक्रमात मराठी चित्रपटसृष्टीतील नामवंत कलाकारांना घेऊन ध्वनीप्रदूषण प्रतिबंधक जनजागृती रॅलीचे व पथनाट्याचे आयोजन करण्यात आले होते. या रॅलीत नामवंत चित्रपट व टिक्की कलावंत उपस्थित होते. तर दहीहंडीदिवशी स्टार प्रवाह वाहिनीवरील लोकप्रिय दूरचित्र वाहिनी कलावंत यांनी सहभाग घेऊन ध्वनी प्रदूषण नियंत्रणाविषयी व्यापक जनजागृती केली. यावेळी दादर येथील छबिलदास हायस्कुलच्या समोर ध्वनी विरहीत इको फ्रेंडली दहीहंडी सिनेनाट्यसृष्टीतील कलाकारांच्या सहकार्याने फोडण्यात आली. या कार्यक्रमाला म.प्र.नि.मंडळाचे जनसंपर्क अधिकारी उपस्थित होते.

#### ● पर्यावरणपूरक गणेशमूर्ती प्रदर्शन :

पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव मोठया प्रमाणात साजरा केला जावा याकरीता पर्यावरणपूरक गणेशमूर्ती व इको फ्रेंडली आभूषणे यांच्या प्रदर्शनाचे आयोजन पनवेल, रविंद्र नाट्य मंदिर कलादालन, प्रभादेवी मुंबई व बाल गंधर्व रंगमंदिर कलादालन पुणे येथे आयोजित करण्यात आले होते.

#### ● घरीच बनवूया इको बाप्पा जनजागृती उपक्रम :

शालेय विद्यार्थ्यांच्यात पर्यावरणपूरक गणेशोत्सवाबद्दल जनजागृती करण्यासाठी शालेय विद्यार्थ्यांनी घरीच शाडूच्या मातीची मूर्ती तयार करावी याकरीता घरीच बनवूया इको बाप्पा या जनजागृती उपक्रम व स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या उपक्रमात प्रसिध्द कलावंत मृण्मयी देशपांडे हिच्या उपस्थितीत पर्यावरणपूरक गणेश मूर्ती कशी तयार करायची याचा व्हिडिओ चित्रित करण्यात आला होता. नंतर हा व्हिडिओ सोशल मिडियाच्या माध्यमातून प्रसारित करून शालेय विद्यार्थ्यांकरीता स्पर्धेचे आयोजन डिजिटल प्लॅटफॉर्मवरून करण्यात आले होते. यात बहुसंख्य विद्यार्थ्यांनी सहभाग नोंदवला होता. विजेते स्पर्धकांना प्रमाणपत्र व सहभागी सर्व स्पर्धकांना डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात आली होती.

#### ● नवराष्ट्र व नवभारत टाईम्स यांच्या पर्यावरण परिषदेत सहभाग :

नवराष्ट्र व नवभारत टाईम्स यांनी आयोजित केलेल्या पर्यावरण परिषदेत म.प्र.नि. मंडळ इको फ्रेंडली पार्टनर म्हणून सहभागी झाले होते. या परिषदेत महाराष्ट्राच्या विकास योजनेत निर्माण होणाऱ्या पर्यावरण व प्रदूषण प्रश्नांबाबत केल्या जाणाऱ्या उपाययोजना यावर म.प्र.नि. मंडळाची भूमिका म.प्र.नि. मंडळाच्या मा. सदस्य सचिव यांनी व्यक्त केली.

#### म.प्र.नि मंडळ व लोकसत्ता आयोजित पर्यावरणपूरक घरगुती गणपती स्पर्धा :

म.प्र.नि. मंडळ व लोकसत्ता यांच्या संयुक्त विद्यमाने इको फ्रेंडली घरगुती गणेशोत्सव स्पर्धा यांचे आयोजन मुंबई, पुणे, नाशिक, नागपूर, अहिल्यानगर व छत्रपती संभाजीनगर या लोकसत्ता दैनिकांच्या सहा विभागीय स्तरांवर करण्यात आले होते. या स्पर्धेत पाच हजार पेक्षा जास्त स्पर्धकांनी भाग घेतला होता. या स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ मंडळाचे मा. सदस्य सचिव, यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता.

#### म.प्र.नि मंडळ व लोकसत्ता आयोजित पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव मूर्ती स्पर्धा :

म.प्र.नि. मंडळ व लोकसत्ता यांच्या संयुक्त विद्यमाने गणेश उत्सव मूर्ती स्पर्धा यांचे आयोजन मुंबई व पुणे या लोकसत्ता दैनिकांच्या आवृत्तीने आयोजित केले होते. या स्पर्धेत पर्यावरणपूरक उत्तम गणेश मूर्ती साकार करणाऱ्या मूर्तीकार व सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडळाचा पारितोषिक देऊन गौरव करण्यात आला. या स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ मंडळाचे मा. सदस्य सचिव, यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता.

#### टाईम्स ग्रीन गणेशा :

म.प्र.नि. मंडळ व टाईम्स ऑफ इंडिया ग्रुप यांच्या संयुक्त विद्यमाने टाईम्स ग्रीन गणेशा या स्पर्धेचे आयोजन मुंबई व पुणे या शहरांसाठी करण्यात आले होते. या उपक्रमांचा शुभारंभ मंडळाचे मा. अध्यक्ष श्री. सिध्देशजी कदम व मा. सदस्य सचिव यांच्या शुभहस्ते करण्यात आला. मुंबई या शहरातील सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडळ व हौसिंग सोसायटी यांच्याकरीता आयोजित इको फ्रेंडली गणेश स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. या अभियानात मुंबई शहरातील विविध मॉल्स, सिनेमा थिएटरस येथे जनजागृतीपर उपक्रम तर, शालेय विद्यार्थ्यांकरीता इको गणेशमूर्ती कार्यशाळा, यांच्याकरीता गणेशमूर्ती कार्यशाळा, इकोफ्रेंडली गणेश राजदूत यांच्याकरीता महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांच्यात विविध उपक्रम, गणेश विर्सजनाच्या वेळी मुंबई शहरातील गिरगांव चौपाटी, येथे स्वच्छता अभियान राबविण्यात आले होते. या स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ मंडळाचे मा. अध्यक्ष श्री. सिध्देशजी कदम यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता.

#### एबीपी माझा पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धा :

म.प्र.नि. मंडळ व एबीपी माझा या वृत्त वाहिनीच्या वतीने राज्यातील पर्यावरणपूरक घरगुती गणेशोत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या वेळी स्टार प्रवाह वाहिनीवरील लग्नानंतर होईलच प्रेम या मालिकेतील मृणाल दुसानिस व विवेक सांगळे यांनी चित्रित केलेल्या प्रोमोद्वारे या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी एबीपी माझा वाहिनीवरून आवाहन करण्यात आले. त्यास अनुसरून पर्यावरणपूरक घरगुती गणेशोत्सव साजरा करणारे असंख्य स्पर्धकांनी यात भाग घेतला. या उपक्रमात मंडळाचे मा. अध्यक्ष यांची मुलाखत प्रसारित करण्यात आली.

**न्युज १८ लोकमत व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित पर्यावरणपूरक सार्वजनिक गणपती स्पर्धा :**

आय. बी. एन. लोकमत व म.प्र.नि. मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने पर्यावरणपूरक सार्वजनिक गणेशोत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. विशेष प्रमोजच्या माध्यमातून स्पर्धकांना सहभागी होण्यासाठी आवाहन करण्यात आले होते. या निमित्त या वाहिनी वरून विशेष भागाचे प्रसारण करण्यात आले.

**म.प्र.नि. मंडळ व झी २४ तास आयोजित पर्यावरणपूरक घरगुती गणपती स्पर्धा :**

म.प्र.नि. मंडळ व झी २४ तास यांच्या संयुक्त विद्यमाने घरगुती इको फ्रेंडली गणेशोत्सव स्पर्धा २०२५ या राज्यस्तरीय स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेला उत्तम प्रतिसाद मिळाला होता. या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी विशेष प्रमोजच्या माध्यमातून जनजागृती करण्यात आली होती. या स्पर्धेच्या निमित्ताने पर्यावरणपूरक घरगुती गणेशोत्सव साजरा करणाऱ्या नामवंत व्यक्ती यांच्यावर उत्सवाच्या काळात न्युज कॅम्पुल प्रसारित करण्यात आल्या होत्या. या निमित्त या वाहिनीवरून विशेष भागाचे प्रसारण करण्यात आले.

**साम मराठी व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित गृहनिर्माण सोसायटी यांच्याकरीता पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धा :**

साम टिक्की व म.प्र.नि. मंडळ पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धेचे आयोजन राज्यातील गृहनिर्माण सोसायटी, यांच्याकरीता आयोजित करण्यात आले होते. या स्पर्धेला चांगला प्रतिसाद मिळाला होता. या स्पर्धेसाठी प्रमोजच्या माध्यमातून स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी साम टीक्की यांनी आवाहन केले होते.

**वृत्तमानस व द परफेक्ट व्हॉईस ही वर्तमानपत्रे व जय महाराष्ट्र मराठी वृत्तवाहिनी, म.प्र.नि. मंडळ आयोजित गृहनिर्माण सोसायटी यांच्याकरीता पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव स्पर्धा :**

वृत्तमानस व द परफेक्ट व्हॉईस ही वर्तमानपत्रे व जय महाराष्ट्र मराठी वृत्तवाहिनी, म.प्र.नि. मंडळ आयोजित गृहनिर्माण सोसायटी यांच्याकरीता पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. याकरीता वर्तमानपत्रात जाहिरात तर जय महाराष्ट्र वाहिनीवरून प्रमोज प्रसारित करण्यात आले होते. याला उत्तम प्रतिसाद मिळाला होता.

**टिक्की ९ व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित शालेय विद्यार्थ्यांकरीता पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव स्पर्धा :**

टिक्की ९ व म.प्र.नि. मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने राज्यातील शालेय विद्यार्थ्यांकरीता पर्यावरणपूरक गणेश मुर्ती स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. प्रमोजच्या माध्यमातून या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी टिक्की ९ वाहिनीने व्यापक आवाहन केले होते. या विशेष भागाचे प्रसारण करण्यात आले होते.

**दैनिक लोकमत आयोजित ती चा गणपती जनजागृती उपक्रम डिजिटल आयोजित पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धा :**

दैनिक लोकमत ठाणे आवृत्तीच्या वतीने ती चा गणपती या उपक्रमाचे आयोजन ठाणे येथील कोरम मॉल येथे गणेशोत्सव कालावधीत सलग दहा दिवस करण्यात आले होते. या उपक्रमात केवळ महिलांनी पुढाकार घेऊन गणेश मुर्तीची प्रतिष्ठापना केली होती. या कालावधीत प्रत्येक दिवशी महिलांसाठी विविध स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. त्याचबरोबर या ठिकाणी भेट देणाऱ्या नागरिकांना समृद्ध पर्यावरणाची डिजिटल शपथ देण्यात येत होती.

**लोकशाही, मुंबई तक, एन. डी. टी. व्ही. पुढारी वृत्तवाहिनी व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धांचे आयोजन :**

लोकशाही, मुंबई तक, एन. डी. टी. व्ही., पुढारी या वृत्तवाहिनी व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धांचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेत मोठ्या प्रमाणात नागरिकांनी सहभाग नोंदवला होता. तर विजेता स्पर्धकांचा सन्मान करण्यात आला.

**दैनिक पुढारी पुणे आवृत्ती व फ्रि प्रेस जर्नल मुंबई आवृत्ती या वर्तमानपत्राच्या वतीने पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धांचे आयोजन :**

दैनिक पुढारी पुणे आवृत्ती व म.प्र.नि. मंडळ यांच्या सहयोगाने पुणे शहरातील दहा शाळांतील विद्यार्थ्यांच्यात पर्यावरणपूरक गणेश मुर्ती तयार करण्याची कार्यशाळा याचे आयोजन करण्यात आले होते. तर फ्रि प्रेस जर्नल मुंबई आवृत्ती यांच्या वतीने मुंबई शहरासाठी पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेत मोठ्या प्रमाणात नागरिकांनी सहभाग नोंदवला होता. तर विजेता स्पर्धकांचा सन्मान करण्यात आला.

**९२.७ एफ. एम. रेडिओ वाहिनी व म. प्र. नि. मंडळ आयोजित बिग ग्रीन गणेशा जनजागृती उपक्रम :**

९२.७ एफ. एम. रेडिओ वाहिनी व म. प्र. नि. मंडळ आयोजित बिग ग्रीन गणेशा जनजागृती उपक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते. या उपक्रमात राज्यभरातील नागरिकांनी पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव साजरा करावा याकरीता रेडिओ वाहिनीवरून आवाहन करण्यात येत होते. त्याचबरोबर गणेशोत्सव कालावधीत सलग दहा दिवस लालबागचा राजा या सार्वजनिक गणेश उत्सवात या रेडिओ वाहिनीने स्टुडिओ उभारून दर्शनासाठी येणाऱ्या नागरिकांना जनजागृतीचे संदेश प्रसारित करण्यात आले.

**पर्यावरणपूरक दीपावली :**

पर्यावरणपूरक दीपावली साजरी करण्यासाठी राज्यातील रेडिओ वाहिनी, दुरचित्रवाहिनी, हॉर्डिंग्ज, एस. टी. बस स्टॅण्ड, रेल्वे स्थानकांवरून जिगल्स आणि शहाणपण देगा देवा याचा व्हिडिओ संदेश मोठ्या प्रमाणात प्रसारीत करण्यात आला.

## ७. प्रयोगशाळांविषयी माहिती

म. प्र. नि. च्या आस्थापनेवर मध्यवर्ती प्रयोगशाळा महापे, नवी मुंबई, तसेच सात प्रादेशिक प्रयोगशाळा नागपूर, पुणे, नाशिक, छत्रपती संभाजीनगर, ठाणे, चिपळूण व चंद्रपूर येथे कार्यरत आहेत. या प्रयोगशाळांमध्ये म. प्र. नि. मंडळामार्फत पर्यावरण कायदांतर्गत मंडळाचे क्षेत्र अधिकारी यांचेकडून संकलीत करण्यात येणाऱ्या हवा, जल, घातक घनकचरा, जैववैद्यकीय कचरा इत्यादी नमुन्यांचे विश्लेषण करण्यात येते.

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत प्रतिवर्षी राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या तसेच पर्यावरण (संरक्षण) कायदा, १९८६ खाली मान्यताप्राप्त प्रयोगशाळांसाठी नमुने विश्लेषण गुणवत्ता नियंत्रण (Analytical Quality Control -AQC) हा कार्यक्रम राबविला जातो, यामध्ये केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने पाठविलेल्या रासायनिक नमुन्यांचे विश्लेषण केले जाते व या विश्लेषण अहवालांचे मुल्यमापन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून केले जातात. तसेच Proficiency Testing-(PT) च्या अंतर्गत आलेल्या रासायनिक नमुन्यांचे विश्लेषण केले जाते.

मा. उच्च न्यायालय, मुंबई यांचा न्यायालयीन आदेश क्र. PIL No. १७/२०११, दिनांक १-३-२०११ नुसार व म. प्र. नि. मंडळ आदेश क्र. मप्रनि/प्रवैअ/ ब-२७, दिनांक ०२-०३-२०११ नुसार महाराष्ट्रातील सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया केंद्राची गुणवत्ता मापन ठरविण्यासाठी मंडळाच्या प्रादेशिक कार्यालयामार्फत दर आठवड्यास नमुने संकलित केले जातात. या नमुन्यांचे रासायनिक विश्लेषण मंडळाच्या प्रयोगशाळांमार्फत नियमितपणे तात्काळ करण्यात येऊन मंडळाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात येते.

प्रतिवर्षी गणेशोत्सवाच्या वेळी गणेश मूर्तीचे विसर्जन होण्यापूर्वी व नंतर समुद्र / नदी / तलाव / खाडी, इत्यादीमधील पाण्याची प्रदूषण पातळी ठरविण्यासाठी नमुन्यांचे रासायनिक विश्लेषण प्रयोगशाळांमार्फत करण्यात येते.

दिवाळीत फटाक्यामुळे होणाऱ्या हवेच्या प्रदूषणाचे नमुने संकलित करून व त्यांचे रासायनिक विश्लेषण करून सदर त्यातील विषारी धातुंचे व इतर घटकांचे अहवाल त्वरीत सादर केले जातात. पंढरपूरची यात्रा, आळंदी यात्रा, कुंभमेळा, आषाढी एकादशी या काळातील Survey व इतर Survey यांच्या अंतर्गत संकलीत करण्यात आलेल्या नमुन्यांचे रासायनिक विश्लेषण करून अहवाल त्वरीत सादर करण्यात येतात.

म.प्र.नि. मंडळाची मध्यवर्ती प्रयोगशाळा महापे, नवी मुंबई, तसेच इतर सात प्रादेशिक प्रयोगशाळा (नागपूर, पुणे, नाशिक, छत्रपती संभाजीनगर, ठाणे, चिपळूण व चंद्रपूर), ISO/IEC 17025:2017 (NABLA Accreditation) व OHSAS 45001:2018 या प्रमाणकानुसार, प्रमाणित आहेत. त्या संदर्भात आवश्यक असलेले सर्व कार्यक्रम उदा. Internal Audits, Surveillance Audits, Calibration & Maintenance of the instruments, Safety week celebration यांसारखे उपक्रम राबविले जातात.

मान. NGT स्वयंसूत्र प्रकरण क्र. O.A. ६९३/२०२३ - 'प्रदूषण नियंत्रण मंडळे ही कमकुवत कडी आहेत' या संदर्भात सदस्य सचिव, CPCB यांच्याद्वारे SPCB/PCC यांच्यासमवेत घेण्यात आले पुनरावलोकन बैठकीनुसार खालील प्रकल्प हाती घेण्यात आले आहेत.

अ. अहिल्यानगर, सोलापूर, कोल्हापूर व नांदेड येथे नवीन अद्ययावत प्रयोगशाळा उभारणे.

आ. सर्व प्रयोगशाळांसाठी आधुनिक उपकरणांची खरेदी करणे (अंदाजे ६०कोटी).

इ. सध्याच्या आठ प्रयोगशाळांचे विस्तारीकरण व नुतनीकरण (अंदाजे २०० कोटी).

● १) म. प्र. नि. मंडळाच्या प्रयोगशाळेतील पृथःकरण अहवालाचा गोषवारा :

म. प्र. नि. मंडळाच्या आस्थापनेवर मध्यवर्ती प्रयोगशाळा, महापे, नवी मुंबई, तसेच ७ प्रादेशिक प्रयोगशाळा अनुक्रमे नागपूर, पुणे, नाशिक, छत्रपती संभाजीनगर, ठाणे, चिपळूण व चंद्रपूर येथे कार्यान्वित आहेत. जल व हवा प्रदूषण नियंत्रण कायद्याव्यतिरिक्त घातक घनकचरा, नागरी घनकचरा, प्लास्टिक कचरा व ध्वनी प्रदूषण, इ. बाबतच्या कायद्यातील तरतुदीच्या अनुषंगाने, प्रादेशिक कार्यालय, उप प्रादेशिक कार्यालय स्तरावर जल, हवा आणि घातक कचऱ्याचे नमुने संकलित केले जातात. सदरील नमुने हे पृथःकरणासाठी संबंधित प्रादेशिक प्रयोगशाळेमध्ये पाठविले जातात. वर्ष २०२४-२५ मधील म. प्र. नि. मंडळाच्या प्रयोगशाळांमध्ये नमुने पृथःकरणाचा गोषवारा खालीलप्रमाणे आहे.

### ● २) मध्यवर्ती प्रयोगशाळा, नवी मुंबई

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान नवी मुंबई मध्यवर्ती प्रयोगशाळेत एकूण ७९९० नमुन्यांचे, तसेच १०६८८२ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ६२७४, हवा १५१९ व घातक घनकचरा १९७ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ३) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नागपूर

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान नागपूर प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण २४६७ नमुन्यांचे, तसेच ३३५८२ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १५९९, हवा ८०१, व घातक घनकचरा ६७ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ४) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, पुणे

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान पुणे प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण ५८२१ नमुन्यांचे, तसेच ६०५९४ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ४८४१, हवा ८९४, व घातक घनकचरा ८६ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ५) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नाशिक

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान नाशिक प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण १४६१ नमुन्यांचे, तसेच २१४७० प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १२५२, हवा १८६, व घातक घनकचरा २३ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ६) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, छत्रपती संभाजीनगर

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान छत्रपती संभाजीनगर प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण १८३५ नमुन्यांचे, तसेच २०३५९ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १३३० हवा ४५७ व घातक घनकचरा ४८ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ७) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चिपळूण

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान चिपळूण प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण ३८५९ नमुन्यांचे, तसेच ४९२०१ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ३२३२, हवा ५२३, व घातक घनकचरा १०४ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

● ८) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, ठाणे

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान ठाणे प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण १६६० नमुन्यांचे, तसेच १०६९५ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल - ११८३, हवा - ४७७ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

● ९) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चंद्रपूर

वर्ष २०२४-२०२५ दरम्यान चंद्रपूर प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण ५०७ नमुन्यांचे, तसेच ४२४४ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल २८५, हवा - २२१ व घातक घनकचरा - १ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

प्रतिवर्षी पृथःकरण अहवालाचा घोषवारा साधारणपणे असाच असतो.

८. जैव वैद्यकीय कचरा (व्यवस्थापन नियम २०१६ सुधारित २०१८ व २०१९)

जैव-वैद्यकीय कचरा व्यवस्थापन नियम - २०१६ नुसार महाराष्ट्र प्रदूषण मंडळाने आस्थापनांना जैव-वैद्यकीय कचऱ्याचे विल्हेवाट लावण्याचे प्राधिकार प्रदान करत आहेत. डिसेंबर, २०२४ पर्यंत राज्यात एकूण ७६६४५ आरोग्य सेवा आस्थापना महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या कार्यक्षेत्रात आहेत. राज्यात एकूण ३४ सामाईक जैव-वैद्यकीय कचरा प्रक्रिया (BMW CTF) व विल्हेवाट केंद्रे कार्यरत आहेत. सन २०२४ मध्ये प्रति दिन सरासरी ७७.७० मे. टन. प्रतिदिन जैव-वैद्यकीय कचऱ्यावर प्रक्रिया करून विल्हेवाट लावण्यात आली.

९. माहिती तंत्रज्ञान प्रकल्पाबाबतची माहिती :

म.प्र.नि. मंडळामार्फत पुरविण्यात येणाऱ्या सेवांचे संगनिकीकरण व डिजिटलायझेशन करिता मंडळाने प्रस्थापित केलेली अत्याधुनिक अशी एकात्मिक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (IMIS) चे निरनिराळे सॉफ्टवेअर मॉड्युल्स विकसित करणे व माहिती तंत्रज्ञानासाठी लागणाऱ्या उपकरणांमध्ये अद्ययावत सुधारणा करणे हे मागील वर्षी प्रमाणे या वर्षी देखील करण्यात आले.

एकात्मिक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (IMIS) :

मंडळाने विकसित केलेले निरनिराळे सॉफ्टवेअर मॉड्युल्स हे एकात्मिक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (IMIS) बरोबर संलग्न झाले आहेत. मंडळाच्या विविध कार्यपध्दती, माहिती तंत्रज्ञानाद्वारे सक्षम करण्याच्या वाढत्या मागणीमुळे नवीन मॉड्युल्स आवश्यकतेनुसार विकसित करण्यात आली आहेत व काही मॉड्युल्स मध्ये महत्वाचे बदल सुध्दा करण्यात आलेले आहेत त्याचा संक्षिप्त तपशील खालील प्रमाणे दर्शविला आहे.

महा-पर्यावरण मोबाईल ऍप्लिकेशन आणि त्याचे आय.एम.आय.एस. डॅशबोर्डशी एकत्रीकरण :

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने (म. प्र. नि. मंडळ) पर्यावरणीय देखरेख बळकट करण्यासाठी आणि प्रदूषण नियंत्रणात नागरिकांना सहभाग घेता यावा यासाठी महा-पर्यावरण मोबाईल ऍप्लिकेशन सुरु केले आहे. हे ऍप वापरकर्त्यांना त्यांच्या स्मार्टफोनवरून थेट जिओटॅग केलेले फोटो किंवा व्हिडिओ अपलोड करून हवा, जल आणि ध्वनी प्रदूषणाच्या प्रकरणांची त्वरित तक्रार करण्यास सक्षम करते. नागरिक प्रथम (Citizen First) या दृष्टीकोनातून तयार केलेले हे ऍप वापरकर्त्यांना पारदर्शकता आणि जबाबदारी सुनिश्चित करून वास्तविक वेळेत तक्रारीच्या स्थितीचा मागोवा घेण्यास अनुमती देते. म. प्र. नि. मंडळ नागरिकांना सक्रियपणे हे ऍप्लिकेशन वापरण्यासाठी प्रोत्साहित करते, जेणेकरून सर्वांसाठी स्वच्छ आणि सुरक्षित वातावरण तयार करण्यास मदत होईल.

म. प्र. नि. मंडळामध्ये ग्रीनमाईंड एआय (Green Mind AI) चॅटबॉटची अंमलबजावणी :

म. प्र. नि. मंडळाने मंडळांतर्गत कामकाज सुलभ करण्यासाठी व नागरिकांना अचूक माहिती मिळण्यासाठी ग्रीनमाईंड एआय चॅटबॉट विकसित केला आहे. हे बुद्धिमान, एआय-चालित साधन पर्यावरणीय धोरणे, नियम आणि म. प्र. नि. मंडळाच्या संकेतस्थळाशी संबंधित सामान्य प्रश्नांना जलद, अचूक उत्तरे देऊन कर्मचारी/अधिकारी आणि जनतेला मदत करण्यासाठी डिझाईन केले आहे. चॅटबॉटमुळे संकेतस्थळावरील किचकट (Complex) माहिती सोप्या पध्दतीने क्षणार्धात उपलब्ध होते. हे पाऊल म. प्र. नि. मंडळाच्या डिजिटल परिवर्तन आणि सेवा सुलभता सुधारण्याच्या वचनबद्धतेशी सुसंगत आहे.

डेटा सेंटर करिता पायाभूत सुविधा (DC Infrastructure) व नेटवर्क अध्ययन करणे :

१. डेटा सेंटर हार्डवेअर श्रेणीवाद : मंडळाच्या मुख्यालयातील डेटा सेंटरमध्ये स्थित HCI(Hyper Converge Infrastructure) संरचनाचे व स्टोरेजची क्षमता ही ८८ Tera Byte असून त्याचा वापर ८०% हून अधिक झाला होता, त्यामुळे डेटासेंटरमध्ये नविन ऍप्लिकेशन प्रस्थापित करणे शक्य होत नव्हते. सदर बाबत योग्य ते कार्यवाही करून म.प्र.नि. मंडळाच्या डेटा सेंटरमधील स्टोरेजची क्षमता ही ५० Tera Byte क्षमतेने वाढविण्यात आली आहे.

मंडळाच्या स्वतंत्र स्थित उप प्रादेशिक कार्यालये यांचे नेटवर्क अध्ययन करणे: मंडळातील स्वतंत्र स्थित उप प्रादेशिक कार्यालयामध्ये असलेले नेटवर्क जसे LAN cables, Switches इत्यादी हे १० वर्षे जुने असल्याने ते बदलून नवीन अध्ययावत नेटवर्क पायाभूत सुविधांची (Network Infrastructure) जोडणी करण्यात आली आहे. यामुळे स्वतंत्र स्थित उपप्रादेशिक कार्यालयांची जोडणी मंडळाच्या डेटा सेंटरशी अधिक प्रभावीपणे झाली आहे.

माहिती प्रणाली सुरक्षा लेखापरिक्षण: सर्वोत्तम पध्दतींसाठी कटीबद्ध, असणाऱ्या मंडळाने आपल्या डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेस्कटॉप, सर्व्हरचे तसेच मंडळाच्या कार्य प्रक्रियेसाठी वापरत असलेल्या विविध प्रणालीच्या (Software) माहिती सुरक्षेचे लेखापरिक्षण करण्यासाठी सी.ई.आर.टी.-इन (CERT-IN) ने प्रमाणित केलेल्या माहिती सुरक्षा लेखापरिक्षकांची नेमणूक केली आहे. प्रारंभिक आणि अंतिम असे दोन लेखापरिक्षण अहवाल सदर संस्थांकडून प्राप्त झाल्यावर, उच्च आणि मध्यम स्वरूपाच्या असुरक्षितता (vulnerabilities) हटविल्या जातील, यामुळे मंडळाने संगणकीकरणकारिता स्थापित केलेले विविध मॉड्युल्स व डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर तसेच नेटवर्क हे सुरक्षित असल्याचे प्रमाणित केले जाईल.

१० घातक कचरा व्यवस्थापन :-

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ च्या कलम ६, ८ व २५ मधील तरतूदीनुसार पर्यावरण व वन मंत्रालय, नवी दिल्ली यांनी विषारी व घातक पदार्थांच्या व्यवस्थापनाबद्दल खालील नियम अधिसूचित केले आहेत.

## घातक कचरा प्रक्रिया व विल्हेवाट यंत्रणेबाबतची माहिती :-

| अ. क्र. | स्थळ             | क्षमता  | स्थिती                           |
|---------|------------------|---|----------------------------------|
| १       | २                | ३   | ४                                |
| १       | तळोजा            | जमीन भरणी ३,५०,००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण ३०,००० टन प्रति वर्ष   | २००२ पासून कार्यरत आहे.          |
| २       | टी. टी. सी.      | जमीन भरणी २१,६०० टन प्रति वर्ष  | २००४ पासून कार्यरत               |
| ३       | बुटीबोरी, नागपूर | जमीन भरणी ६०,००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण ७,२०० टन/वर्ष  | जानेवारी २००५ पासून कार्यरत आहे. |
| ४       | रांजणगाव, पुणे   | जमीन भरणी - ६०,००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण ४२,५२० टन प्रति वर्ष<br>द्रव घातक कचऱ्याचे भस्मीकरण -८,७६० टन/वर्ष | डिसेंबर २००६ पासून कार्यरत आहे.  |

जे उद्योग घातक कचऱ्याची साठवणूक उद्योग परिसरात करित आहेत अशा उद्योगांना जवळच्या सामाईक प्रक्रिया संयंत्रणाकडे पाठविण्याचे मंडळाने आदेश दिले आहेत.

घातक कचरा व इतर कचऱ्याच्या पुनर्चक्रीकरण प्रकल्पांना प्राधिकारपत्र देण्याच्या अनुषंगाने प्राप्त झालेल्या अर्ज (तंत्रज्ञानाची) छाननी करण्यासाठी एका तज्ञ समितीचे गठन करण्यात आले आहे व त्या समितीच्या अहवालानुसार म. प्र. नि. मंडळ कार्यवाही करत असते.

महाराष्ट्रामध्ये २०२४-२५ पर्यंत १०,८०४ उद्योग घातक कचरा निर्माण करणारे आढळून आलेले आहेत. सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार अधिकारपत्र नसलेल्या उद्योगांवर मंडळाकडून कार्यवाही करण्यात आली आहे. आतापर्यंत १३,१९२ कारखान्यांनी सामायिक घातक कचरा प्रक्रिया व विल्हेवाटीसाठी सदस्यत्व स्विकारलेले आहेत. त्यापैकी काही सदस्यांची नावे दोन सुविधांमध्ये आहे.

घातक कचरा व इतर शास्त्रोक्तपणे हाताळण्यासाठी वने व पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार यांनी दि. ०४/०४/२०१६ रोजी सुधारित घातक कचरा व इतर कचरा (व्यवस्थापन व सीमापार वाहतूक) नियम, २०१६ प्रतिसुचित केले असून सदर नियम राज्यात अंमलात आलेला आहे.

घातक टाकारू पदार्थांच्या विल्हेवाटीसाठी सामुहिक यंत्रणा उभारण्याबाबतची जबाबदारी राज्याच्या पर्यावरण विभागाने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळावर सोपविलेली आहे. या कामात आवश्यक ते सर्व तांत्रिक सहकार्य तसेच प्रकल्पाच्या एकूण खर्चाच्या ५ टक्के अर्थसहाय्य मंडळाकडून देण्याचा निर्णय घेण्यात आला आहे.

घातक कचरा वाहतूक करणाऱ्या वाहतूकदारांनी मंडळाकडे प्राधिकरणपत्रांसाठी अर्ज करणे बंधनकारक आहे. मार्च २०२५ पर्यंत घातक कचरा वाहून नेणाऱ्या ३५० वाहतूकदारांना मंडळाने अधिकारपत्रे दिली आहेत. तसेच घातक कचरा वाहतूक करणाऱ्या वाहनांवर नियंत्रण करणारी संगणकीय प्रणाली बसविण्यात आली आहे.

## ११. प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम :-

(अ)- प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम अधिनियम २०१६ अधिसूचना संख्या क्र. सा. का. नि. ३२० (अ), दिनांक १८ मार्च, २०१६ रोजी केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, भारत सरकार यांनी प्रकाशित केले आहेत. या नियमांतर्गत प्लास्टिक कचरा न्युनतम करणे, स्रोतस्तरावर सलगीकरण करणे, पुनर्वापर जोर देण्याकरीता घरातून अथवा अन्य स्थितीतून अथवा मध्यवर्ती सामग्री पुनर्प्राप्ती सुविधातून निर्माण होणाऱ्या प्लास्टिक कचरा अंश गोळा करणारे कचरा वेचक, पुनर्वापर करणारे व कचरा संसाधकांना समाविष्ट केले गेले असून कचरा व्यवस्थापन प्रणाली दिर्घकाळ टिकविण्याकरीता प्रदुषण करणाऱ्यांना दंडात्मक रक्कम आकारण्याबाबतच्या सिद्धांताचा समावेश करून सुधारित नियम २७ मार्च, २०१८ रोजी प्रकाशित केले आहेत.

तदनंतर, केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, ऑगस्ट २०२१ मध्ये अधिसूचित केलेल्या सुधारित प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम २०२१ नुसार खालील अतिरिक्त एकल वापर (सिंगल युज) प्लास्टिक वस्तु प्रतिबंधित आहेत.

● सजावटीसाठी प्लास्टिक व पॉलिस्टीरिन (थर्माकोल) मिठाईचे बॉक्स, आमंत्रण कार्ड, सिगारेटची पाकिटे, प्लास्टिकच्या काड्यांसह कानकोरणी, फुग्यांसाठी प्लास्टिकच्या काड्या, प्लास्टिकचे झेंडे, कॅडी कांड्या, आईस्क्रीम कांड्या, प्लेट्स, कप ग्लासेस, कटलरी जसे काटे, चमचे, चाकू, पिण्यासाठीचे स्ट्रॉ, ट्रे, ढवळण्या (स्टिरर्स), प्लास्टिक किंवा पीव्हीसी बॅनर (१०० मायक्रॉनपेक्षा कमी).

केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालयाने उत्पादक, आयातदार आणि ब्रँड मालक यांच्यावर विस्तारित उत्पादक जबाबदारी निश्चित करण्यासाठी दिनांक १६ फेब्रुवारी, २०२२ अन्वये विस्तारित उत्पादकाची जबाबदारी ग्राहकपुर्व आणि ग्राहकानंतरच्या प्लास्टिक पॅकेजिंग कचऱ्यावर लागू असेल. ही मार्गदर्शक तत्वे विस्तारित उत्पादक जबाबदारीच्या अंमलबजावणीसाठी फ्रेमवर्क प्रदान करतात. केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने प्लास्टिकच्या पुनर्वापरासाठी आणि निर्मितीसाठी विस्तारित उत्पादक जबाबदारी (EPR Portal) पोर्टल व तक्रार निवारण पोर्टल विकसीत केले आहे.

सदर नियमांतर्गत नोव्हेंबर २०२५ पर्यंत ३५३ प्लास्टिक कचरा पुनर्वापर युनिट नोंदणीकृत आहेत. महाराष्ट्रातील एकूण प्लास्टिक रीसायकलिंग युनिटनुसार १९.९९ लाख टन/प्रति वर्ष आहे.

(ब)- महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) कायदा, २००६ अंतर्गत, प्लास्टिक आणि थर्माकॉल इत्यादीपासून बनवलेल्या अविघटनशील वस्तुंचे उत्पादन, वापर, विक्री साठवणूक, वाहतूक यांचे नियमन करण्यासाठी, महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र प्लॅस्टिक आणि थर्माकॉल अविघटनशील वस्तुंचे (उत्पादन, वापर, विक्री, वाहतूक हाताळणी आणि साठवणूक), अधिसूचना, २३/०३/२०१८ रोजी प्रसिध्द करण्यात आली होती. ज्यामध्ये दिनांक ११ एप्रिल २०१८, दिनांक ३० जून २०१८, दिनांक १४ जून २०१९, दिनांक २८ मार्च २०२२, १५ जूलै, २०२२ आणि ३०/११/२०२२ च्या अधिसूचनेनुसार सुधारणा करण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्माकॉल अधिसूचना २०१८ अंतर्गत खालील गोष्टी प्रतिबंधित आहे.

● प्लास्टिक पासून बनविल्या जाणाऱ्या पिशव्या (carry bags) (हॅण्डल सहित किंवा हॅण्डल शिवाय), नॉन वोवन पॉलीप्रोपीलीन बॅग्स.

● थर्माकॉल व प्लास्टिक पासून बनविण्यात येणाऱ्या व एकदाच वापरल्या जाणाऱ्या डिस्पोजेबल वस्तु.

- सजावटीसाठी प्लास्टिक व थर्माकॉलचा वापर इत्यादी.
- कंपोस्टेबल प्लास्टिक (कचरा व नर्सरी साठीच्या पिशव्या सोडून).
- प्लास्टिक लेपीत (coated) तेसच प्लास्टिक थर (Laminated) असणाऱ्या पेपर/अॅल्युमिनीयम इत्यादीपासून बनविलेल्या डिस्पोजेबल डिश, कप, प्लेट्स, ग्लासेस, वाडगा, कंटेनर इत्यादी एकल वापर उत्पादनावर बंदी घालण्यात आली आहे.

तसेच दिनांक ३०/११/२०२२ अन्वये अधिसूचनेत खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात आल्या.

कंपोस्टेबल पदार्थापासून बनविण्यात आलेले एकल वापर वस्तु, उदा. स्ट्रॉ, ताट, कप्स, प्लेट्स, ग्लासेस, काटे चमचे, भांडे, वाडगा, कंटेनर इत्यादी तथापि, कंपोस्टेबल प्लास्टिक पासून बनविलेल्या अशा वस्तु कंपोस्टेबल असल्याबाबत सेंट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ प्लास्टीक इंजिनिअरींग अँड टेक्नॉलॉजी (CIPET) व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून प्रमाणित करून घेणे बंधनकारक राहिल.

● पॅकेजिंगसाठी वापरण्यात येणाऱ्या प्लास्टिकच्या जाडीचा उत्पादनाच्या गुणवत्तेवर परिणाम होत असेल अशा ठिकाणी वगळून इतर ठिकाणी पॅकेजिंगकरिता वापरण्यात येणारे प्लास्टिक पॅकेजिंग (आवरण) ५० मायक्रॉनपेक्षा जास्त असणे बंधनकारक राहिल.

● नॉन ओव्हन पॉलीप्रॉपीलीन बॅग्स (Non-woven polypropylene Bags) ६० ग्रॅम पर स्क्वेअर मीटर (जीएसएम) पेक्षा जास्त जाडी.

● महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्माकॉल अधिसूचना २०१८ अधिसूचनाची प्रभावी अंमलबजावणी करिता:

● प्राधिकृत आणि अधिकारप्राप्त अधिकारी : स्थानिक स्वराज्य संस्था, महसूल विभाग, जिल्हा परिषद संचालक आरोग्य सेवा, शिक्षण मंडळाचे संचालक, पर्यटन पोलीस आणि पोलीस विभाग, उपायुक्त पुरवठा, राज्य कर विभाग, परिक्षेत्र वन अधिकारी.

● प्रभावी अंमलबजावणीसाठी दोन दोन समित्या स्थापन केल्या आहेत.

● माननीय मंत्री (पर्यावरण) यांच्या अध्यक्षतेखाली अधिसूचनेमध्ये आवश्यक सुधारणा ठरवण्यासाठी आणि अंमलबजावणीचा आढावा घेण्यासाठी शक्तीप्रदत्त समिती व प्रधान सचिव, पर्यावरण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली तांत्रिक मार्गदर्शनासाठी तज्ञ समिती.

● माननीय मुख्य सचिव, सरकार यांच्या अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र राज्यस्तरीय विशेष कृतीदल (STF) ची स्थापना १२/१०/२०२१ रोजी करण्यात आली आहे.

● जिल्हास्तरीय कृतीदल आणि शहर स्तरावर (दशलक्ष अधिक शहर) कृतीदलची स्थापना २६/०४/२०२२ च्या शासन निर्णयाद्वारे करण्यात आली आहे.

● दक्षतेसाठी प्रत्येक शहर स्तरावर दक्षतापथके तयार करण्यात आली आहेत.

● जिल्हास्तरीय दक्षतापथकही स्थापन केले आहे.

● प्रतिबंधित वस्तुंच्या उत्पादनात गुंतलेल्या उद्योगांची चौकशी करून २०१८ पासून आजपर्यंत अशा ४३२ उद्योगांना उत्पादन बंद करण्याचे निर्देश जारी केले आहेत, तसेच २०२४-२५ मध्ये स्थानिक संस्थाबरोबर केलेल्या संयुक्त कारवाईमध्ये सुमारे २.८१ लाख आस्थापनांची निरीक्षणे घेण्यात आली. ९२९ मे. टन प्रतिबाधित प्लास्टिक जप्त करण्यात आले व प्रतिबाधित प्लास्टिक किंवा थर्माकॉल उत्पादने वापराबद्दल १५३८३ आस्थापनांकडून रु. ६.५ कोटी दंड वसूल करण्यात आला.

## १२. ई-कचरा व्यवस्थापन

### ● ई-कचरा व्यवस्थापन नियम, २०२२

ई कचरा शास्त्रोक्तपणे हाताळण्यासाठी वने व पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार यांनी दि. ०२-११-२०२२ रोजी ई कचरा व्यवस्थापन नियम, २०२२ अधिसूचित केला आहे. सदर नियम राज्यात दि. १-०४-२०२३ पासून अंमलात आलेले आहेत. या नियमांतर्गत विविध शासकिय, निमशासकीय, उत्पादन, निर्माते नुतणीकरण करणारे (Refurbisher) व पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler) इ. वर जबाबदारी सोपविण्यात आली आहे. या नियमांतर्गत विविध स्तरांवर सोपविण्यात आलेल्या जबाबदाऱ्या खालीलप्रमाणे आहेत.

**उत्पादक** – उत्पादन प्रक्रियेदरम्यान निर्माण झालेला ई कचरा गोळा करणे व हा गोळा झालेला ई-कचरा अधिकृत ई-कचरा व्यवस्थापन केंद्राकडे पाठविणे. या कामी लागणाऱ्या आर्थिक बाबींची तरतुद करणे तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे.

**निर्माते** – निर्मिती प्रक्रियादरम्यान निर्माण झालेला ई कचरा गोळा करणे व हा गोळा झालेला ई-कचरा अधिकृत ई-कचरा व्यवस्थापन केंद्राकडे पाठविणे. या कामी लागणाऱ्या आर्थिक बाबींची तरतुद करणे तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे.

**नुतनीकरण करणारे (Refurbisher)** – नुतनीकरण करताना निर्माण होणाऱ्या ई-कचरा अधिकृत पुनर्चक्रीकरण केंद्राकडे पाठवणे तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे. पर्यावरणाचा ऱ्हास होणार नाही, याची खबरदारी घेणे.

**पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler)** – म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे. पर्यावरणाचा ऱ्हास होणार नाही, याची खबरदारी घेणे.

महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळ यांचे मार्फत ई-कचरा निर्माण करणारे उत्पादक आणि निर्माते तसेच ई-कचरा नूतनीकरण करणारे (Refurbisher) आणि पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler) यांना जल (प्रतिबंध व प्रदुषण नियंत्रण) कायदा, १९७४ आणि हवा (प्रतिबंध व प्रदुषण नियंत्रण) कायदा, १९८१ मधील तरतुदीनुसार संमतीपत्र देण्यात येते. या आधी ई-कचरा (व्यवस्थापन) अधिनियम, २०१६ अन्वये राज्यातील ई-कचरा नूतनीकरण करणारे (Refurbisher) आणि पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler) यांना दिनांक ३१ मार्च २०२३ पर्यंत प्राधिकारपत्र देण्यात येत होते. अशा अधिकृत नूतनीकरण आणि पुनर्चक्रीकरण करणाऱ्या उद्योगांची यादी म.प्र.नि. मंडळाच्या संकेतस्थळावर प्रदर्शित करण्यात आली आहे.

महाराष्ट्रात ई कचऱ्याचे नियोजनबद्ध व्यवस्थापन व विल्हेवाट लावण्यासाठी ई कचरा (व्यवस्थापन) अधिकृत केंद्रांना (डिसमॅटलर व रिसायकलर) म.प्र.नि. मंडळ यांनी नोंदणीपत्र व संमतीपत्र देऊन मान्यता दिलेली आहे. महाराष्ट्रात एकूण अशी ३१६ ई कचराअधिकृत (डिसमॅटलर/रिफरबिशर) २३६ व

रिसायकलर ८० केंद्रे उपलब्ध आहेत. या ३१६ अधिकृत ई कचरा (डिसमॅटलर/रिफरबिशर व रिसायकलर) केंद्रांची क्षमता ६,५४,५६२ मे. टन प्रति वर्ष एवढी आहे. या संस्था विविध भागातून ई-कचरा गोळा करून ते संकलित करतात व सुरक्षितरित्या हाताळून त्याची विल्हेवाट लावतात. ई कचरा नियमांच्या प्रभावी अंमलबजावणी करिता सक्रीय पावले उचलावीत याकरिता महाराष्ट्र राज्यातील सर्व महानगर पालिका आयुक्तांना निर्देश दिले आहेत.

## १३. घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम

### घनकचरा (व्यवस्थापन) अधिनियम २०१६ :-

#### घनकचरा (व्यवस्थापन) अधिनियम २०१६ :-

केंद्रीय पर्यावरण, वने व वातावरणीय बदल मंत्रालय यांचे घनकचरा व्यवस्थापन नियम २०१६, दि. ०८/०४/२०१६ रोजी अधिसूचित केला आहे. त्यानुसार सर्व स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्रात निर्माण होणाऱ्या घनकचऱ्याचे शास्त्रोक्त पद्धतीने वर्गीकरण व साठवणूक तसेच विल्हेवाट लावणे बंधनकारक आहे. सदर नियम अधिक परिणामकारक स्वरूपात लागू करण्याकरिता, स्रोतस्तरावर विलगीकरण करणे, सदर नियमांची व्याप्ती वाढविणे तसेच पुनर्वापरावर जोर देण्याकरिता सदर नियमांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थांवर, कचरा निर्माण करणाऱ्या संस्थेवर वेगवेगळ्या जबाबदाऱ्या सोपविण्यात आल्या आहेत. सदर नियमानुसार स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी त्यांच्या घनकचऱ्यावर शास्त्रीय पद्धतीने प्रक्रिया व विल्हेवाट लावणे तसेच याबाबत महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून प्राधिकारपत्र घेणे बंधनकारक आहे.

महाराष्ट्रामध्ये ४३० स्थानिक स्वराज्य संस्था आहेत. त्यामध्ये २९ महानगरपालिका, १५ 'अ' वर्ग नगरपरिषद, ७५ 'ब' वर्ग १५८ 'क' वर्ग नगरपरिषद, ०७ कॅन्टोनमेंट बोर्ड व १४६ नगरपंचायत समाविष्ट आहेत. स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्रात निर्माण होणारा घनकचरा हा घनकचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६ च्या तरतुदीनुसार संकलन, वर्गीकरण, साठवणूक, वाहतूक, प्रक्रिया व विल्हेवाट लावणे गरजेचे आहे. महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने घन कचरा व्यवस्थापन अधिनियम, २०१६ च्या प्रभावी अंमलबजावणीसाठी खालील कार्यवाही /कारवाई केलेली आहे.

मंडळाने प्राधिकारपत्र प्राप्त करण्याकरिता आलेल्या अर्जांची छाननी करण्याकरिता व नागरी संस्थांना मार्गदर्शन करण्याकरिता तज्ञ समिती तयार केली आहे. सदरील समिती मध्ये निवृत्त उपायुक्त (घनकचरा व्यवस्थापन), मुंबई महानगरपालिका यांचा समावेश आहे.

म.प्र.नि. मंडळाने वेळोवेळी नगरपालिका व महानगरपालिका यांना कारणे दाखवा नोटीस, प्रस्तावित निर्देश तसेच अर्धशासकिय पत्राद्वारे घनकचरा व्यवस्थापन योग्य रितीने करणेबाबत निर्देश दिलेले आहेत.

म.प्र.नि.मंडळाने महानगरपालिकेची घनकचरा व्यवस्थापनाबाबतची सर्व माहिती अद्यतन करण्यासाठी ऑनलाईन वेब पोर्टल विकसित केले आहे.

म.प्र.नि.मंडळाने सर्व स्थानिक स्वराज्य संस्थेसाठी वार्षिक अहवाल सादर करण्याकरिता ऑनलाईन वेब पोर्टल विकसित केले आहे. म.प्र.नि.मंडळाने घनकचरा व्यवस्थापनाबाबतचा वार्षिक अहवाल दरवर्षी मंडळाच्या अधिकृत संकेतस्थळावर प्रकाशित करण्यात येतो.

**नागरी घनकचरा व्यवस्थापन व हाताळणी (२०२४-२५ पर्यंत):-**

| अ. क्र. | स्थानिक स्वराज्य संस्था | एकूण संस्था | घनकचरा निर्मिती<br>मे.टन/दिन | घनकचरा प्रक्रिया<br>मे.टन/दिन |
|---------|-------------------------|-------------|------------------------------|-------------------------------|
| १       | २                       | ३           | ४                            | ५                             |
| १.      | महानगरपालिका            | २९          | १७७१८.८२                     | १६१८९.६                       |
| २.      | अ वर्ग नगरपालिका        | १५          | ८८२.४४                       | ६९८.७३                        |
| ३.      | ब वर्ग नगरपालिका        | ७५          | १३६२.४५                      | ११९२.८                        |
| ४.      | क वर्ग नगरपालिका        | १५८         | ४५९८.०६                      | १९००.६६                       |
| ५.      | नगरपंचायत               | १४६         | ५६८.७८                       | ४१७.६६                        |
| ६.      | कॅटोनमेंट बोर्ड         | ०७          | १४७.६१                       | १३०.६१                        |
|         | <b>एकूण</b>             | <b>४३०</b>  | <b>२५२७८.१६</b>              | <b>२०५३०.०६</b>               |

**टीप :-** "एकूण घनकचरा निर्मिती पैकी ७९.३८% निर्मिती महानगरपालिका मार्फत केली जाते तसेच एकूण घनकचरा निर्मितीपैकी १५३३४.१ मे. टन/दिन घनकचरा प्रक्रिया व विल्हेवाट केली जाते".

मुद्दा. क्र. १४, १७ वर्गीकरण कारखान्याचे अनुपालनाची सद्यस्थिती

| अनु. क्र | एकूण उद्योग | स्वतःहून बंद झालेले उद्योग | चालू असलेले एकूण उद्योग | मानांकनाचे पालन करणारे एकूण उद्योग | मानांकनाचे पालन न करणारे एकूण उद्योग | मानांकनाचे पालन न करणाऱ्या उद्योजकांवर केलेली कारवाई            |  |
|----------|-------------|----------------------------|-------------------------|------------------------------------|--------------------------------------|---|--|
|          |             |                            |                         |                                    |                                      | पर्यावरण कायद्यांतर्गत देण्यात आलेले कारणे दाखवा नोटीस /निर्देश | पर्यावरण कायद्यांतर्गत उद्योग बंद करण्याची नोटीस दिलेली आहे. |
| १        | २           | ३                          | ४                       | ५                                  | ६                                    | ७   | ८  |
| १        | ७१७         | ७२                         | ६४५                     | ५१६                                | १२९                                  | ११६   | १२   |



---

---

**(एक) वित्तीय आवश्यकता**  
**(1) Financial Requirements**

---

---

(एक) वित्तीय आवश्यकता  
(I) Financial Requirements

| कार्यक्रमाचे नाव                                | प्रत्यक्ष खर्च २०२४-२०२५ |                  |               | अर्थसंकल्प २०२५-२०२६       |                  |               |
|---|--------------------------|------------------|---------------|----------------------------|------------------|---------------|
|   | Actuals 2024-2025        |                  |               | Budget Estimates 2025-2026 |                  |               |
|   | योजनेतर<br>Non Plan      | योजनांगत<br>Plan | एकूण<br>Total | योजनेतर<br>Non Plan        | योजनांगत<br>Plan | एकूण<br>Total |
| 1   | 2                        | 3                | 4             | 5                          | 6                | 7             |
| <b>कार्यक्रमानुसार वर्गीकरण-</b>                |                          |                  |               |                            |                  |               |
| (अ) जल प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण              | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| हवा प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण                 | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| व्याज प्रदाने                                   | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| एकूण (अ)  | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| <b>(ब) उद्देशानुसार वर्गीकरण-</b>               |                          |                  |               |                            |                  |               |
| (१) महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या       |                          |                  |               |                            |                  |               |
| कर्मचाऱ्यांच्या भविष्य निर्वाह निधीवरील         | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| (अ) व्याज                                       | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (१)  | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| (२) म. प्र. नि. मंडळाला जल प्रदूषण              |                          |                  |               |                            |                  |               |
| प्रतिबंध व नियंत्रण हयासाठी अनुदान              | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (२)  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| (३) म. प्र. नि. मंडळाला हवा प्रदूषण             |                          |                  |               |                            |                  |               |
| प्रतिबंध व नियंत्रणासाठी अनुदान                 | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (३)  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (ब)  | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| वजा वसूली                                       | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (ब) निव्वळ                                 | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| <b>(क) वित्तीय साधने (१) अनुक्रमांक यु. - १</b> |                          |                  |               |                            |                  |               |
| (१) २०४९- व्याज प्रदाने...                      | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| (२) मागणी क्रमांक यु. ४ मुख्यशीर्ष              | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| ३४३५ परिस्थिती व पर्यावरण                       | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (क)  | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |
| वजा वसूली                                       | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (क) निव्वळ                                 | ...                      | 716.77           | -             | 716.77                     | 787.78           | -             |

१-चालू  
1--Contd.

(रुपये लाखात)  
(Rs. in Lacs)

| सुधारीत खर्च २०२५-२०२६<br>Revised Estimates 2025-2026 |                      |                     | अर्थसंकल्प २०२६-२०२७<br>Budget Estimates 2026-2027 |                       |                     |  |
|---|----------------------|---------------------|--|-----------------------|---------------------|--|
| योजनेतर<br>Non Plan<br>8                              | योजनागत<br>Plan<br>9 | एकूण<br>Total<br>10 | योजनेतर<br>Non Plan<br>11                          | योजनागत<br>Plan<br>12 | एकूण<br>Total<br>13 |  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | 1  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   |  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              |  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              |  |
| <b>A. Activity Classification--</b>                   |                      |                     |  |                       |                     |  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... 1. Prevention and Control of Water Pollution                                       |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... 1. Prevention and Control of Air Pollution   |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... Interest payment   |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | Total (A)  |
| <b>B. Objective Classification--</b>                  |                      |                     |  |                       |                     |  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... 1. Maharashtra P. C. Board Employees<br>Provident Fund.                            |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... (a) Interest   |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... Total (1)  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... 2. Grant-in-aid to M. P. C. Board for<br>Prevention and Control of Water Pollution |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... Total (2)  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... 3. Grant-in-aid to M. P. C. Board for<br>Prevention and Control of Water Pollution |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... Total (3)  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... Total (B) Gross  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... Deduct recoveries  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... Total (B) Net  |
| <b>C. Source of Finance, (i) Serial No. U-1</b>       |                      |                     |  |                       |                     |  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... (1) Major head 2049-Interest payments.   |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... (2) Demand No. U-4 Major head<br>3435-Ecology and Environment.                     |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... Total (C) Gross  |
| -   | -                    | -                   | -  | -                     | -                   | ... Deduct Recoveries  |
| 787.78  | -                    | 787.78              | 798.96   | -                     | 798.96              | ... Total (C) Net  |

तक्ता-२  
TABLE--II

जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या कलम २५ अथवा २६ अन्वये व हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण)

अधिनियम, १९८१ च्या कलम २१ अन्वये उद्योगांना प्रदान करण्यात जल अधिनियमाच्या कलम, २५ किंवा २६ व हवा अधिनियमाच्या कलम, २१ अन्वये अनुक्रमे सध्या अस्तित्वात असलेल्या आणि नविन निःसारणामुळे/उत्सर्जनामुळे प्रदूषणाचे वेळीच नियंत्रण करण्यासाठी अनुमती प्रदान करण्यात येते. ही अनुमती म्हणजे एक प्रकारचा कायदेशीर परवाना असतो आणि याद्वारे निःसारण उत्सर्जन कोणते व किती करण्याची परवानगी आहे हे विहित करण्यात येते. अनुमती देताना घालण्यात आलेल्या अटीचा भंग केल्यास असे निःसारण किंवा उत्सर्जन करणारी व्यक्ती दंडनीय करावाईस पात्र होते. अनुमती प्रदान करणे ही एक अतिशय तांत्रिक बाब असून त्यासाठी उत्पादन प्रक्रिया, उपयोगात आणलेला कच्चा माल, सांडपाण्याची गुणवत्ता/उत्सर्जन आणि सांडपाण्यातील किंवा उत्सर्जनातील प्रदूषण घटकांचे प्रमाण विहित मर्यादितपर्वत आणण्यासाठी आवश्यक असलेली प्रक्रिया याचा तपशीलवार अभ्यास करावा लागतो. त्यासाठी उद्योगाच्या प्रभारी व्यक्तीशी वारंवार चर्चा करून संबंधीत उपाययोजना करणे आणि उद्योगातील सांडपाण्याचे नमुने तपासणे आवश्यक असते.

जल अधिनियम, १९७४ हवा अधिनियम, १९८१ प्रमाणे प्रादेशिक कार्यालयानुसार, कारखान्यांना दिलेल्या संलग्न अनुमती पत्रांची संख्या, खालील तक्त्यात दर्शविली आहे. आलेल्या अनुमतीची माहिती दर्शविणारा तक्ता.

Consents issued under Section 25/26 of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 and

under Section 21 of Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981.

For control of pollution at source consents are required to be granted to the existing and new discharges in the declared area under Section 25 or 26 of the Water Act and under Section 21 of Air (P. and C. P.) Act, 1981 respectively. The consent for discharges / emissions is a legal permit which prescribes what and how much can be permitted to be discharged or emitted into atmosphere. Breach of conditions of consent by the discharger makes him liable for penal action. The work of grant of consent is a technical matter which requires detailed study of the manufacturing process involved, the raw material used, the characteristics of the effluent/emissions and the method of treatment of effluent and/or emission control method to bring down concentration to different pollution parameters upto the prescribed standards. For that purpose, it is necessary to pay visits to industries and hold frequent discussions with persons in-charge of the industry and test samples of effluents emissions from the industries.

The Region-wise break up of the combined consents granted to the Industries under water Act 1974 and Air Act 1981 is as shown below.

Year - 2024-25

1/4/2025 to 30/11/2025

| Sr. No. | Name of Region              | Consent granted 2024-2025 | Consent granted from 1st April 2025 to 31st Dec-2025 |
|---------|-----------------------------|---------------------------|--|
| 1       | HQ                          | 6048                      | 5533   |
| 2       | RO-Nagpur                   | 1328                      | 1196   |
| 3       | RO-Kalyan                   | 1297                      | 930  |
| 4       | RO-Chhatrapati Sambhajnagar | 2061                      | 1970   |
| 5       | RO-Amravati                 | 707                       | 735  |
| 6       | RO-Raigad                   | 647                       | 548  |
| 7       | RO-Nashik                   | 2522                      | 2414   |
| 8       | RO-Pune                     | 4349                      | 3655   |
| 9       | RO-Thane                    | 1022                      | 890  |
| 10      | RO-Kolhapur                 | 2356                      | 1974   |
| 11      | RO-Navi Mumbai              | 810                       | 708  |
| 12      | RO-Mumbai                   | 775                       | 590  |
| 13      | RO-Chandrapur               | 361                       | 347  |
|         | <b>Grant Total</b>          | <b>24283</b>              | <b>21490</b>   |

टीप.- (१) जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या कलम २५ किंवा २६ अन्वये अनुक्रमे नवीन निःसारणाबाबत किंवा अस्तित्वात असलेल्या निःसारणाबाबत अनुमती देण्यात येते.

Note.- (1) Under Section 25 or 26 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 consent are granted to the new discharges and existing discharges respectively.

तक्ता-३  
TABLE-III

अधिनियमाच्या तरतुदींचा भंग करणाऱ्या विरुद्ध केलेली कायदेशीर कार्यवाही दर्शविणारा तक्ता.  
The legal action of the Board against those who contravened the provisions of the Act

संक्षिप्त टिप्पणी.-ज्यावेळी असे आढळून येते की अनुमती देताना घालण्यात आलेल्या अटींचे परिपालन उद्योगांकडून केले जात नाही आणि त्यांच्याकडून पाण्याचे प्रदूषण होणे चालूच आहे अशा वेळी त्यांच्या विरुद्ध कायदेशीर कार्यवाही करण्यासाठी विविध उपाय योजले जातात उदा. सांडपाण्यावर प्रक्रिया करण्यासंबंधी आवश्यक असलेली तातडीची उपाय योजना करणे. १ जून १९८१ पासून लागू करण्यात आलेल्या जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या कलम ३२(१) (क) अन्वये दूषित सांडपाण्याचे निसारण थोपविणे, कलम ३३ अन्वये उद्योगाविरुद्ध संभाव्य प्रदूषणाबाबत संबंधित न्यायालयाकडून प्रतिबंधात्मक आदेश मिळविणे, अधिनियमाच्या कलम ४३, ४४, ४५ च्या अन्वये फौजदारी खटले दाखल करणे वगैरे प्राधिकरण दंडाधिकारी किंवा प्रथम वर्गाचा दंडाधिकारी यांच्या पेक्षा कनिष्ठ नसलेल्या न्यायालयात खटला दाखल करण्यात येतो. विविध गुन्हांकरिता देण्यात येणारी शिक्षा ही किमान ३ महिने तुरुंगवास किंवा जास्तीत जास्त ७ वर्षे तुरुंगवास व दंड अशी असू शकते. अभियोगाला मंडळाने मंजूरी दिल्यानंतर खटला दाखल करता येतो.

खालील माहिती जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या ४३.४४ कलमानुसार दर्शविली आहे.

When it is found that the industries have failed to comply with the consent conditions and continue to pollute the water, various remedies are open to take legal action against them, namely taking emergency measures for carrying out the necessary treatment work, restraining from discharging polluted effluent under section 32 (1) (c) of the water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 which was made applicable in the State of Maharashtra from 1st June 1981 and obtaining prohibitory orders from the concerned Magistrates for the apprehended pollution against the industries under section 33, and launching Criminal prosecution under sections 43, 44, 45 etc. The prosecution is to be instituted in Court not inferior to the Metropolitan Magistrate or Magistrate of First Class. The penalties which can be inflicted on various offences under the Act are not less than 3 months imprisonment which may extend to 7 years and fine etc. After granting sanction by the Board cases can be filed.

The following information is as per 43/44 section of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.

तक्ता-३ (अ)  
TABLE-III(A)

| क्रमांक | तपशील   | (ऑक्टोबर २०२५ पर्यंत)<br>( Upto Oct. 2025 ) | Details                               |
|---------|---|---|---------------------------------------|
| 1       | 2   | 3   | 4                                     |
| १.      | न्यायालयात अभियोग दाखल करण्यात आलेल्या प्रकरणांची संख्या. | 397   | 1. No. of cases filed.                |
| २.      | ज्यात निर्णय लागलेला आहे अशा प्रकरणांची संख्या            |   | 2. No. of cases decided.              |
|         | (अ) मंडळाच्या बाजूने                                      | ... 83                                      | (a) In favour of the Board.           |
|         | (ब) मंडळाच्या विरुद्ध                                     | ... 178                                     | (b) Against Board.                    |
| ३.      | न्यायालयात प्रलंबित असलेल्या प्रकरणांची संख्या            | ... 136                                     | 3. No. of cases pending in the Court. |

**विधी कार्याची माहिती**  
**Legal Information**

जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ मधील कलम ३३ खालील दाखल करण्यात आलेले अर्ज  
Application filed under Section 33 of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974

**तक्ता-३ (ब)**  
**(ऑक्टोबर २०२५ पर्यंत)**  
**TABLE--III (B)**  
**(Upto October 2025)**

| दाखल केलेले अर्ज<br>Applications filed | मंडळाच्या बाजूने लागलेले<br>निकाल<br>No. of cases decide in<br>favour of Board | मंडळाच्या विरुद्ध लागलेले<br>निकाल<br>No. of cases decide<br>against the Board | प्रलंबित असणारे अर्ज<br>Pending Applications |
|--|--|--|--|
| 1                                      | 2  | 3  | 4  |
| 140                                    | 87   | 53   | -  |

**तक्ता-३ (क)**  
**TABLE--3 (C)**

खालील माहिती हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम १९८१  
कलम २२ अ नुसार दर्शविलेली आहे.

The following legal information is as per Air (Prevention  
and Control of Pollution) Act, 1981 U/s 22 (A):--

| क्रमांक | तपशील                                   | (ऑक्टोबर २०२५ पर्यंत)<br>( Upto Oct. 2025 ) | Details |   |
|---------|---|---|---------|---|
| 1       | 2                                       | 3   | 4       |   |
| १.      | दाखल केलेले अर्ज                        | ...   | 3       | 1. No. of application filed             |
| २.      | मंडळाच्या बाजूने निर्णय लागलेली प्रकरणे | ...   | 1       | 2. No. of application convicted         |
| ३.      | फेटाळण्यात आलेली प्रकरणे                | ...   | 2       | 3. No. of application dismissed         |
| ४.      | न्यायालयात प्रलंबित असलेल्या संख्या     | ...   | --      | 4. No. of application pending in Court. |

खालील माहिती हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम १९८१,  
कलम ३७ (२१) नुसार दर्शविलेली आहे.

The following legal information is as per Air (Prevention  
and Control of Pollution) Act, 1981 U/s 37 (r. w. 21):--

**तक्ता-३ (ड) (ऑक्टोबर २०२५ पर्यंत)**  
**TABLE--3 (D) ( Upto Oct. 2025 )**

| दाखल केलेल्या<br>प्रकरणांची संख्या<br>No. of cases filed | मंडळाच्या बाजूने<br>लागलेले निकाल<br>No. of Cases convicted | मंडळाच्या विरुद्ध<br>लागलेले निकाल<br>No. of Cases dismissed | प्रलंबित असलेल्या<br>प्रकरणांची संख्या<br>No. of Cases pending |
|--|---|--|--|
| 1  | 2   | 3  | 4  |
| 146  | 114   | 32   | --   |

तक्ता-३ (इ)  
TABLE--3 (E)

| Compiaint filed under Section 15 of the Environment (Protection) Act, 1986      | No. of Cases filed upto Oct. 2025 | डिसेंबर २०२० पर्यंत अपराध सिधी Convictions secured | फेटाळलेल्या प्रकरणाची संख्या | प्रलंबित प्रकरणे Cases Pending | पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम १९८६ च्या कलम १५ नुसार दाखल करण्यात आलेले खटले |
|---|-----------------------------------|--|------------------------------|--------------------------------|---|
| 1   | 2                                 | 3  | 4                            | 5                              | 6   |
| (a) Hazardous Waste (Management and Handling) Rules, 1989 (as Amended in 2000). | 19                                | 0  | 17                           | 2                              | धोकादायक कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-१९८९ (सुधारित नियम-२०००).          |
| (b) Recycled Plastic Waste (Management and Handling) Rules, 1989.               | 9                                 | 0  | 4                            | 5                              | पूर्वचक्रीत प्लॅस्टीक कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-१९८९.                 |
| (c) Coastal Regulation Zone Notification, 1991                                  | 153                               | 0  | 13                           | 150                            | सागरी नियमन क्षेत्र अधिसूचना-१९९१.  |
| (d) Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 2000.                    | 32                                | 0  | 28                           | 4                              | जैविक वैद्यक कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-२०००.                          |
| (e) Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2000.                | 37                                | 0  | 18                           | 19                             | नागरी घन कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-२०००.                              |
| (f) EIA Notification 1994 Amended on 7-7-2004 and 14-9-2006.                    | 313                               | 0  | 152                          | 161                            | पर्यावरण आघात मूल्यांकन अधिसूचना १९९४ सुधारीत २००४ व २००६.                |
| (g) Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000                        | 529                               | 0  | 57                           | 472                            | ध्वनी प्रदूषण (नियमन व नियंत्रण) नियम, २००० अंतर्गत दाखल झालेले खटले      |

तक्ता - ४  
TABLE - IV

मंडळाच्या प्रशिक्षण विषयक कार्याचा तपशील दर्शविणारा तक्ता :

खालील प्रदूषणाशी होण्याशी संबंधित असलेल्या कार्यालयात कामावर ठेवण्यात आलेल्या किंवा कामावर ठेवावयाच्या व्यक्तींच्या प्रशिक्षणाची योजना आखणे व ते आयोजित करणे हे मंडळाच्या कार्यापैकी एक काम आहे. त्याप्रमाणे आपल्या अधिकाऱ्यांना आणि कर्मचाऱ्यांना निरनिराळ्या शिक्षणक्रमासाठी आणि परदेशी प्रशिक्षणासाठी पाठविण्याचा कार्यक्रम मंडळाने अंगीकृत केला आहे.

Table showing Training Activities of the Board.

It is one of the functions of the Board to plan and organise training of persons engaged or to be engaged in the respect of the matters relating to pollution of streams. Accordingly the Board has regular programme of training of its officers and staff for different courses and also to send them abroad for training.

| अनु-<br>क्रमांक | प्रशिक्षणाचा तपशील   | २०२४-२०२५<br>2024-2025<br>(April 2025 to Dec. 2025) | २०२५-२०२६<br>2025-2026<br>(April 2025 to Dec. 2025) | २०२६-२०२७<br>(संकल्पित)<br>2026-2027<br>(Estimated) | Sr.<br>No. | Item of Training                                     |
|-----------------|--|---|---|---|------------|--|
| 1               | 2  | 3   | 4   | 5   | 6          | 7  |
|                 |  | (April 2024 to Dec. 2025)                           |   |   |            |  |
| १.              | छोटे अभ्यासक्रम --<br>(अ) प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांची संख्या.                         | 172   | 150   | 150   | 1.         | Short Courses --<br>(a) Number of Officers trained   |
| २.              | नियमित आयोजित करण्यात येणारे अभ्यासक्रम --<br>(अ) प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांची संख्या. | -   | -   | 200   | 2.         | Regular Courses --<br>(a) Number of Officers trained |
| ३.              | परदेशी शिक्षण --<br>प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांची संख्या.                               | 0   | 0   | 3   | 3.         | Training abroad --<br>Number of Officers trained     |
| ४.              | एकूण प्रशिक्षणाचा खर्च   | 60,22,000   | 5,10,000  | 50,00,000   |            | Cost of training.                                    |

तक्ता - ५  
TABLE - V

मंडळाच्या आस्थापनेवरील दिनांक ३१/१०/२०२५ रोजी असलेली पदांची स्थिती

| अ. क्र. | पदनाम                         | वेतन बँड             | ग्रेड वेतन | मंजूर पदे | भरलेली पदे | रिक्त पदे |
|---------|-------------------------------|----------------------|------------|-----------|------------|-----------|
| १       | २                             | ३                    | ४          | ५         | ६          | ७         |
| १       | अध्यक्ष ..                    | -                    | -          | १         | १          | ०         |
| २       | सदस्य सचिव ..                 | (पिबी -४)३७४००-६७००० | १००००      | १         | १          | ०         |
| ३       | जल प्रदूषण निवारण अभियंता ..  | १५६००-३९१००          | ७६००       | १         | १          | ०         |
| ४       | हवा प्रदूषण निवारण अभियंता .. | १५६००-३९१००          | ७६००       | १         | ०          | १         |
| ५       | प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी ..   | १५६००-३९१००          | ७६००       | १         | १          | ०         |
| ६       | मुख्य लेखा अधिकारी ..         | १५६००-३९१००          | ७६००       | १         | १          | ०         |
| ७       | सहायक सचिव (तांत्रिक) ..      | १५६००-३९१००          | ७६००       | १         | १          | ०         |
| ८       | वरिष्ठ विधी अधिकारी ..        | १५६००-३९१००          | ७६००       | २         | ०          | २         |
| ९       | वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी ..   | १५६००-३९१००          | ६६००       | १         | ०          | १         |
| १०      | कार्यकारी अभियंता ..          | १५६००-३९१००          | ६६००       | १         | १          | ०         |
| ११      | सामुग्री अधिकारी ..           | १५६००-३९१००          | ६६००       | १         | ०          | १         |
| १२      | प्रादेशिक अधिकारी ..          | १५६००-३९१००          | ६६००       | १५        | १५         | ०         |
| १३      | विधी अधिकारी ..               | १५६००-३९१००          | ६६००       | २         | २          | ०         |
| १४      | वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ..   | १५६००-३९१००          | ६६००       | ३         | ३          | ०         |
| १५      | उप-प्रादेशिक अधिकारी ..       | १५६००-३९१००          | ५४००       | ५५        | ५४         | १         |
| १६      | सांख्यिका अधिकारी ..          | १५६००-३९१००          | ५०००       | १         | १          | ०         |
| १७      | सहायक सचिव (आस्थापना) ..      | १५६००-३९१००          | ५०००       | १         | १          | ०         |
| १८      | खाजगी सचिव ..                 | ९३००-३४८००           | ५०००       | २         | ०          | २         |
| १९      | प्रशासकीय अधिकारी ..          | १५६००-३९१००          | ५०००       | १         | १          | ०         |
| २०      | वैज्ञानिक अधिकारी ..          | १५६००-३९१००          | ५०००       | ९         | ९          | ०         |
| २१      | लेखा अधिकारी ..               | १५६००-३९१००          | ५०००       | २         | २          | ०         |
| २२      | कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ..   | ९३००-३४८००           | ४४००       | २६        | २३         | ३         |
| २३      | सहायक लेखा अधिकारी ..         | ९३००-३४८००           | ४४००       | ११        | २          | ९         |
| २४      | सहायक विधी अधिकारी ..         | ९३००-३४८००           | ४४००       | ३         | ०          | ३         |
| २५      | उप-अभियंता ..                 | ९३००-३४८००           | ४४००       | १         | ०          | १         |
| २६      | वरिष्ठ लघुलेखक ..             | ९३००-३४८००           | ४४००       | ५         | ४          | १         |
| २७      | कनिष्ठ लघुलेखक ..             | ९३००-३४८००           | ४३००       | २७        | ८          | १९        |
| २८      | क्षेत्र अधिकारी ..            | ९३००-३४८००           | ४३००       | २०४       | ११७        | ८७        |

तक्ता - ५. चालू  
TABLE - V contd.

| अ. क्र.     | पदनाम                  | वेतन बँड   | ग्रेड वेतन | मंजूर पदे  | भरलेली पदे | रिक्त पदे  |
|-------------|------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| १           | २                      | ३          | ४          | ५          | ६          | ७          |
| २९          | प्रमुख लेखापाल         | ९३००-३४८०० | ४३००       | २०         | १७         | ३          |
| ३०          | विधी सहायक             | ९३००-३४८०० | ४३००       | ४          | ३          | १          |
| ३१          | कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक | ९३००-३४८०० | ४२००       | ४०         | २३         | १७         |
| ३२          | प्रथम लिपीक            | ९३००-३४८०० | ४२००       | १७         | १५         | २          |
| ३३          | सांख्यिकी सहायक        | ९३००-३४८०० | ४२००       | १          | ०          | १          |
| ३४          | आरेखक                  | ५२००-२०२०० | २८००       | १          | ०          | १          |
| ३५          | क्षेत्र निरीक्षक       | ५२००-२०२०० | २८००       | ४२         | ०          | ४२         |
| ३६          | वरिष्ठ लिपिक           | ५२००-२०२०० | २८००       | ५०         | ४६         | ४          |
| ३७          | सहायक आरेखक            | ५२००-२०२०० | २४००       | २          | ०          | २          |
| ३८          | वीजतंत्री              | ५२००-२०२०० | २४००       | २          | १          | १          |
| ३९          | अनुरेखक                | ५२००-२०२०० | २०००       | ६          | १          | ५          |
| ४०          | प्रयोगशाळा सहायक       | ५२००-२०२०० | २०००       | ७          | ६          | १          |
| ४१          | कनिष्ठ लिपीक/टंकलेखक   | ५२००-२०२०० | १९००       | ६४         | २९         | ३५         |
| ४२          | वाहन चालक              | ५२००-२०२०० | १९००       | ७४         | ३८         | ३६         |
| ४३          | उपकरण जोडारी           | ५२००-२०२०० | १९००       | १          | ०          | १          |
| ४४          | दफ्तरी                 | ५२००-२०२०० | १९००       | १४         | ०          | १४         |
| ४५          | नाईक                   | ४४४०-७४४०  | १६००       | २          | ०          | २          |
| ४६          | चक्रमुद्रणयंत्रणचालक   | ४४४०-७४४०  | १६००       | १          | ०          | १          |
| ४७          | शिपाई                  | ४४४०-७४४०  | १३००       | ८८         | १८         | ७०         |
| ४८          | चौकीदार                | ४४४०-७४४०  | १३००       | २०         | ८          | १२         |
| ४९          | सफाईगार                | ४४४०-७४४०  | १३००       | ३          | ३          | ०          |
| <b>एकूण</b> |                        |            |            | <b>८३९</b> | <b>४५७</b> | <b>३८२</b> |

तक्ता - ५. चालू (अ)  
TABLE - V contd.

मंडळाच्या रुपांतरित अस्थायी आस्थापनेवरील दि. ३१/१०/२०२५ रोजी असलेली पदांची स्थिती

| अ. क्र.     | पदनाम                  | वेतन बँड   | ग्रेड वेतन | मंजूर पदे | भरलेली पदे | रिक्त पदे |
|-------------|------------------------|------------|------------|-----------|------------|-----------|
| १           | २                      | ३          | ४          | ५         | ६          | ७         |
| १           | कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक | ९३००-३४८०० | ४२००       | -         | ११         | -         |
| २           | प्रयोगशाळा सहायक       | ५२००-२०२०० | २०००       | -         | ५          | -         |
| ३           | कनिष्ठ लिपीक           | ५२००-२०२०० | १९००       | -         | ७          | -         |
| ४           | वाहन चालक              | ५२००-२०२०० | १९००       | -         | ५          | -         |
| ५           | शिपाई                  | ४४४०-७४४०  | १३००       | -         | ७          | -         |
| <b>एकूण</b> |                        |            |            | <b>-</b>  | <b>३५</b>  | <b>-</b>  |

तक्ता - ६

## TABLE-VI

मंडळाची कार्यालये व त्यांची कार्यक्षेत्रे

## BOARD'S OFFICE AND THEIR JURISDICTIONS

मुख्य कार्यालय

HEAD OFFICE

कल्पतरु पॉईंट, २, ३ व ४ था सायन माटुंगा स्किम रोड क्र. ८ सायन सर्कल समोर,  
सायन (पूर्व) मुंबई ४०० ०२२.**Kalpataru Point, 3rd and 4th Floor Sion Matunga Scheme Road No. 8 Opp.  
Sion Circle, Sion-East, Mumbai 400 022.**

महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाच्या क्षेत्रीय कार्यालयांची विभागनिहाय तपशिलवार माहिती

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता   | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग   | दूरध्वनी क्रमांक     |
|--------|---|--|----------------------|
| १.     | महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळ, मुख्यालय<br>कल्पतरु पॉईंट, दुसरा/तीसरा व चौथा मजला,<br>मुव्हीमॅक्स सिनेमा समोर, शीव माटुंगा स्कीम रोड, क्र. ८,<br>शीव सर्कल समोर, शीव (पूर्व), मुंबई-४०० ०२२. |  | ०२२-६७८०८८८८८        |
| २.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई</b><br>कल्पतरु पॉईंट, दुसरा मजला,<br>मुव्हीमॅक्स सिनेमा समोर, शीव माटुंगा स्कीम रोड, क्र. ८,<br>शीव सर्कल समोर, शीव (पूर्व), मुंबई-४०० ०२२.                        | मुंबई महानगरपालिका विभाग   | २४०१५२६९<br>२४०१६२३९ |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-१<br>वरिलप्रमाणे  | मुंबई बेट, विभाग क्रमांक अ,ब,क,ड व फ (दक्षिण) फ<br>(उत्तर) जी (दक्षिण) आणि जी (उत्तर)                                | २४०१५२६९<br>२४०१६२३९ |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-२<br>वरिलप्रमाणे  | मुंबई उपनगर विभाग एम/एच (पश्चिम), एम/एच (पूर्व)<br>आणि एल  | २४०१५२६९<br>२४०१६२३९ |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-३<br>वरिलप्रमाणे  | मुंबई उपनगर विभाग के (पूर्व), के (पश्चिम) एस, एन,<br>आणि पी (दक्षिण)   | २४०१५२६९<br>२४०१६२३९ |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-४<br>वरिलप्रमाणे  | मुंबई उपनगर विभाग पी (उत्तर), आर (उत्तर) आर<br>(दक्षिण) आणि ट विभाग  | २४०१५२६९<br>२४०१६२३९ |
| ३.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, ठाणे</b><br>प्लॉट नं. पी-३०, ५ वा मजला,<br>ऑफिस कॉम्प्लेक्स, बिल्डिंग, मुलुंड चेकनाका,<br>ठाणे-४०० ६०४   | ठाणे जिल्हा  |                      |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, ठाणे-१<br>वरिलप्रमाणे   | ठाणे महानगरपालिका, वागळे इस्टेट एम.आय.डी.सी.   |                      |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, ठाणे-२<br>वरिलप्रमाणे   | ठाणे तालुका, ठाणे महानगरपालिका विभाग, मीरा-<br>भाईंदर आणि वसई विरार महानगरपालिका आणि<br>पालघर जिल्ह्यातील वसई तालुका |                      |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, तारापूर-१ एम.आय.डी.सी. ऑफिस<br>बिल्डिंग, बोईसर स्टेशन, पोस्ट टॅप्स (TAPS), तारापूर,<br>जि. ठाणे -४०१ ५०६  | तारापूर एम.आय.डी.सी. आणि संबंधीत विभाग   |                      |
|        | उप प्रादेशिक अधिकारी, तारापूर-२<br>वरिलप्रमाणे  | डहाणू, तलासारी, मोखाडा, जव्हार, विक्रमगड आणि<br>पालघर तालुक्यातील उप प्रा.का. तारापूर-१ कार्यक्षेत्र<br>वगळता        |                      |

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता  | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग   |                              |
|--------|--|--|------------------------------|
| ४.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण</b><br>सिध्दीविनायक संकुल, ३ रा मजला, ओक बाग, स्टेशन रोड,<br>कल्याण (पश्चिम) ४२१ ३०१ | कल्याण, भिवंडी, उल्हासनगर, बदलापूर, वाडा मुरबाड<br>आणि ठाणे जिल्ह्याचा शहापूर तालूका                       | ०२५१-२३१०२१२<br>०२५१-२३१०१६७ |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण-१<br>सिध्दीविनायक संकुल, ३ रा मजला, ओक बाग, स्टेशन रोड,<br>कल्याण (पश्चिम) ४२१ ३०१   | कल्याण भिवंडी तालूका   | ०२५१-२३१०१६७                 |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण-२<br>वरिलप्रमाणे   | उल्हासनगर, बदलापूर तालूका  | ०२५१-२३१०१६७                 |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण-३<br>सिध्दीविनायक संकुल, ३ रा मजला, ओक बाग, स्टेशन रोड,<br>कल्याण (पश्चिम) ४२१ ३०१   | वाडा तालूका (पालघर जिल्हा) मुरबाड, शहापूर तालूका<br>(ठाणे जिल्हा)  | ०२५१-२३१०१६७                 |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, भिवंडी<br>सिध्दीविनायक संकुल, ४था मजला, ओक बाग, स्टेशन रोड,<br>कल्याण (पश्चिम) ४२१ ३०१      | सारवली एम.आय.डी.सी. आणि भिवंडी तालूका (ठाणे<br>जिल्हा), भिवंडी महानगरपालिका                                | ०२५१-२३१०१६७                 |
| ५.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई</b><br>रायगडभवन, ७ वा मजला, सेक्शन १, सी.बी.डी.<br>बेलापूर, नवी मुंबई- ४०० ६१४    | ठाणे व रायगड जिल्हा व उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी<br>मुंबई अंतर्गत येणारे कार्यक्षेत्र                      |                              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई -१<br>वरिलप्रमाणे   | सिबीडी बेलापूर, शिरवणे, नेरुळ, सी-वुड, जुईनगर,<br>तुर्भे, पवने, वाशी खैरने (उप)                            |                              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई -२<br>वरिलप्रमाणे   | ऐरोली, रबाळे, घणसोली, महापे, आणि एम.आय.डी.<br>खैरने (उप) दिघा, दहिसर, मोरी, पिंपरी, उत्तरशीव,<br>घोटेघर    |                              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, तळोजा<br>वरिलप्रमाणे  | एम.आय.डी.सी. तळोजा, उरण तालूका   |                              |
| ६.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, रायगड</b><br>रायगडभवन, ६ वा मजला, सेक्शन ११, सी.बी.डी. बेलापूर,<br>नवी मुंबई ४०० ६१४        | रायगड ल्हा व उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड अंतर्गत<br>येणारे कार्यक्षेत्र                                   | २७५६२८६५                     |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड-१<br>वरिलप्रमाणे  | खालापूर व पनवेल तालूका (एमआयडीसी) तळोजा<br>वगळता)  | २७५६२८६५                     |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड-२<br>वरिलप्रमाणे  | पेण, कर्जत, रोहा अलिबाग, मुरुड जंजिरा तालूका   | २७५६२८६५                     |
|        | <b>प्रादेशिक कार्यालय, महाड</b><br>सामायिक सुविधा केंद्र बिल्डिंग, एम.आय.डी.सी. महाड,<br>जि. रायगड ४०२ ३०९         | महाड, माणगाव, श्रीवर्धन, पोलादपूर आणि टाळा<br>तालूका   |                              |
| ७.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, पुणे</b><br>जोग सेंटर, तिसरा मजला, मुंबई -पुणे रोड, वाकडेवाडी,<br>पुणे - ४११ ००३            | पुणे जिल्हा  |                              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, पुणे-१<br>जोग सेंटर, दुसरा मजला, मुंबई -पुणे रोड, वाकडेवाडी,<br>पुणे - ४११ ००३              | हवेली (पुणे महानगरपालिका मर्यादित) भोर, पुरंदर<br>बारामती, इंदापूर आणि दौंड कॉरपोरेशन -१ आणि<br>कौन्सिल -६ |                              |

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता   | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग  |              |
|--------|---|---|--------------|
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, पुणे-२<br>जोग सेंटर, दुसरा मजला, मुंबई -पुणे रोड, वाकडेवाडी,<br>पुणे - ४११ ००३   | हवेली तालूका (पुणे महानगरपालिका व पिंपरी चिंचवड<br>महानगरपालिका क्षेत्र वगळता) पुणे जिल्ह्यातील खेड,<br>मुळशी, आंबेगाव, जुन्नर, मावळ आणि शिरूर तालूका                     |              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, पिंपरी-चिंचवड<br>जोग सेंटर, दुसरा मजला, मुंबई -पुणे रोड, वाकडेवाडी,<br>पुणे - ४११ ००३  | पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका विभाग,<br>एम.आय.डी.सी. पिंपरी, भोसरी आणि आकुर्डी यासह)   |              |
|        | <b>उप-प्रादेशिक कार्यालय, सातारा</b><br>नविन प्रशासकीय भवन, दुसरा मजला, एस.टी.स्टॅडजवळ,<br>सदर बाजार, सातारा- ४१५ ००१   | सातारा जिल्हा (११ तालुके) सातारा, कऱ्हाड, फलटण,<br>वाई, महाबळेश्वर, खंडाळा मनखटाव, पाटण, जावळी<br>कोरेगाव, कॉन्सिल-०९   | ०२१६२-२३३५२७ |
|        | <b>उप-प्रादेशिक कार्यालय, सोलापूर</b><br>४/ब, बाली ब्लॉक, सिव्हील लाईन, शासकीय दूध<br>डेअरीच्यासमोर, सातरस्ता, जि. सोलापूर- ४१३ ००३                                 | सोलापूर जिल्हा  | ०२१७-२३१९८५० |
| ८.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, कोल्हापूर</b><br>उद्योग भवन इमारत, जिल्हाधिकारी कार्यालयाजवळ,<br>कोल्हापूर - ४१६ ००२   | सांगली, कोल्हापूर, सिंधुदुर्ग जिल्हा  | ०२३१-२६५२९५२ |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, कोल्हापूर<br>वरिलप्रमाणे   | कोल्हापूर जिल्हा  | ०२३१-२६६०४४८ |
|        | <b>उप-प्रादेशिक कार्यालय, रत्नागिरी</b><br>महसुल विभाग, कर्मचारी को. ऑप. पतसंस्था लिमिटेड, कार्यालय<br>इमारत, कलेक्टर ऑफिस कंपाऊंड, झाडगांव,<br>रत्नागिरी - ४१५ ६३९ | रत्नागिरी जिल्हा राजापूर, रत्नागिरी लांजा आणि<br>संगमेश्वर तालूका, सिंधुदुर्ग जिल्हा, कुडाळ कणकवली,<br>सावंतवाडी, वेर्गुला, मालवण, वैभववाडी, देवगड<br>दोडामार्ग हे तालुके |              |
|        | <b>उप-प्रादेशिक कार्यालय, चिपळूण</b><br>परकार कॉम्प्लेक्स, दुसरा मजला, २२४, चिपळूण नगर परिषदेच्या<br>जवळ, ता. चिपळूण जि. रत्नागिरी, पिन कोड- ४१५ ६०५                | रत्नागिरी जिल्ह्यातील चिपळूण, गुहागर, खेड,<br>दोपोली, मंडणगड तालूका   | ०२३५५-२६१५७० |
|        | <b>उप-प्रादेशिक कार्यालय, सांगली</b><br>३००/२, उद्योगभवन, टाटा पेट्रोल पंपच्या पाठीमागे,<br>शासकीय विश्रामगृहाच्या जवळ, विश्रामबाग, सांगली ४१६ ४१६.                 | सांगली जिल्हा, मिरज, वालवा, शिराळा, आटपाटी,<br>तासगाव, खानापूर कडेगाव पालूस, जत आणि<br>कवठेमहाकाळ   | ०२३३-२६७२०३२ |
| ९.     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, नाशिक</b><br>उद्योगभवन, पहिला मजला, त्र्यंबक रोड, सातपूर,<br>नाशिक ४२२ ००७   | नाशिक, अहिल्यानगर, जळगाव, धुळे, नंदुरबार जिल्हा   | ०२५३-२३६५१५० |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, नाशिक<br>वरिलप्रमाणे   | नाशिक जिल्हा  |              |
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, जळगांव</b><br>हॉ नं. ए, तिसरा मजला, जुने बी. जे. मार्केट, जळगांव -<br>४२५ ००१   | जळगांव जिल्हा<br>जळगांव महानगरपालिका, भुसावळ, फैजपूर, सावदा,<br>रावेर, पाचोरा, धरणगांव, चाळीसगांव, चोपडा, अमळनेर,<br>भडगाव, जामनेर, यावल, वरणगांव                         | ०२५७-२२२१२८८ |

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता  | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग  |              |
|--------|--|---|--------------|
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, धुळे</b><br>फुलचंद प्लाझा, दुसरा मजला, बी. सी. कॉलेज रोड, एस. एस. व्ही. पी. एस. इंजिनिअरींग कॉलेज, विद्यानगरी जवळ देवपूर, धुळे - ४२४ ००१ | धुळे जिल्हा धुळे, शिरपूर, साक्री आणि सिंधखेडा, अवधान एम.आय.डी.सी. आणि नारदाना एम.आय.डी.सी. नंदुरबार जिल्हा - नंदुरबार, नवापूर, शहादा, तळोदा, धाडगांव आणि अक्कलकुवा, नवापूर एम.आय.डी.सी. क्षेत्र | ०२५६२-२७३७३१ |
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, अहिल्यानगर</b><br>सावित्रीबाई फुले व्यापारी संकुल, पहिला मजला, हॉल नं. २ व ३, टी.व्ही. सेंटर, सावेडी, अहिल्यानगर - ४१४ ००३               | अहिल्यानगर जिल्हा<br>अहिल्यानगर, नेवासा, श्रीरामपूर, संगमनेर, पारनेर, कोपरगांव हे एम.आय.डी.सी. क्षेत्र  |              |
| १०     | <b>प्रादेशिक कार्यालय, छत्रपती संभाजीनगर</b><br>पर्यावरण भवन, प्लॉट नं. ए-४/१, चिखलठाणा औद्योगिक वसाहत, सेट नंदलाल धुत हॉस्पिटलजवळ, छत्रपती संभाजीनगर ४३१ २१०      | <b>छत्रपती संभाजीनगर</b> , जालना, परभणी, हिंगोली, नांदेड, बीड, धाराशिव  | ०२४०-२९९३००४ |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, <b>छत्रपती संभाजीनगर</b><br>वरिलप्रमाणे   | छत्रपती संभाजीनगर   | ०२४०-२९९३००४ |
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, जालना</b><br>प्लॉट नं. पी ३/१ आणि पी ३/२, हॉटेल आदर्श पॅलेसजवळ, जालना - छत्रपती संभाजीनगर रोड, एमआयडीसी वसाहत जालना                      | जालना व बीड<br>(बीडचा परळी तालुका वगळता)  | ०२४८२-२२०१२० |
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, लातूर</b><br>प्लॉट नं. पी-१०, लातूर जिल्हा उद्योग समुह इमारत, एम.आय.डी.सी.लातूर ४१३ ५३१  | लातूर, धाराशिव जिल्हा   |              |
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, परभणी</b><br>देवकृपा इमारत, रंगनाथ महाराज नगर, नंदखुला रोड, परभणी - ४३१ ४०१  | परभणी, हिंगोली आणि बीड जिल्हयातील परळी<br>वैजनाथ तालुका   | ०२४५२-२२६६८७ |
|        | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, नांदेड</b><br>लाहोटी कॉम्प्लेक्स, दुसरा मजला, शिवाजी महाराज पुतळयाजवळ, वजीराबाद,<br>नांदेड ४३१ ६०१                                       | नांदेड जिल्हा   | ०२४६२-२४२४९२ |
| ११     | <b>उप प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर</b><br>उद्योगभवन, ५ वा मजला, विक्रीकर कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर ४४० ००१  | नागपूर, वर्धा, भंडारा, गोंदीया जिल्हा   | ०७१२-२५६५३०८ |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर-१<br>वरिलप्रमाणे   | नागपूर शहर, कामठी, काटोल, कळमेश्वर, नरखेड, रामटेक, सावनेर, पारशिवणी   |              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर-२<br>वरिलप्रमाणे   | नागपूर ग्रामीण तालुका हिंगणा, मौदा, नागपूर जिल्ह्यातील, उमरेड, कुही भिवापूर आणि वर्धा तालुका  |              |

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता   | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग   |                              |
|--------|---|--|------------------------------|
|        | <b>उप-प्रादेशिक कार्यालय, भंडारा</b><br>तात्या टोपे वॉर्ड, सिटी पेट्रोल पंपाच्याजवळ, मिस्कीन टँक,<br>महाल रोड, भंडारा ४४१ ९०४ | भंडारा आणि गोंदीया जिल्हा  | ०७१८४-२६०६२९                 |
| १२.    | <b>प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर</b><br>उद्योगभवन, पहिला मजला, रेल्वे स्टेशनजवळ,<br>चंद्रपूर ४४२ ४०१                           | चंद्रपूर, गडविरोली जिल्हा यवतमाळ जिल्हा  |                              |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर<br>उद्योगभवन, पहिला मजला, रेल्वे स्टेशनजवळ,<br>चंद्रपूर ४४२ ४०१                               | चंद्रपूर जिल्हा यवतमाळ आणि गडविरोली जिल्हा<br><b>चंद्रपूर एम.आय.डी.सी.</b> चंद्रपूर, तडाली, घुग्गुस, वरोरा<br>यवतमाळ, एम.आय.डी.सी. यवतमाळ, मुल, भद्रावती,<br>चिमुर, गडचांदूर, नागभीड, गडचिरोली, कोटगळ<br><b>कोळसा खाणी</b> चंद्रपूर, भद्रावती, बल्लारपूर, राजुरा<br>आणि वरोरा पश्चिम कोळसा क्षेत्र |                              |
| १३.    | <b>प्रादेशिक कार्यालय, अमरावती</b><br>सहकार सुरभी, बापटवाडी, विवेकानंद कॉलनी,<br>अमरावती ४४४ ६०६                              | अमरावती, अकोला, बुलडाणा, वाशिम   | ०७२१-२५६३५९७<br>०७२१-२५६३५९२ |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, अमरावती-१<br>सहकार सुरभी, बापटवाडी, विवेकानंद कॉलनी,<br>अमरावती ४४४ ६०६                                | अमरावती जिल्हा अमरावती, अचलपूर, चांदूर बाजार,<br>तिवसा, दर्यापूर, अंजनगाव सुर्जी, चांदुर रेल्वे,<br>धामणगाव रेल्वे, मोशी, वरुड, नांदगावखांदेश्वर,<br>भातुकुली, धारणी चिखलदरा   | ०७२-२५६३५९३                  |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, अमरावती-२<br>सहकार सुरभी, बापटवाडी, विवेकानंद कॉलनी,<br>अमरावती ४४४ ६०६                                | वाशिम जिल्हा वाशिम, मंगरुळपीर, रिसोड, मानोरा,<br>मालेगाव, कारंजा लाड   | ०७२१-२५६३५९४                 |
|        | उप प्रादेशिक कार्यालय, अकोला<br>हुतात्मा स्मारकसमोर, नेहरु पार्क चौक, आळशी प्लॉट,<br>अकोला ४४४ ००१                            | अकोला जिल्हा अकोला, बाळापूर, पातूर, अकोट,<br>मुर्तीजापूर, बार्शीटाकळी, बुलडाणा जिल्हा बुलडाणा,<br>चिखली, मेहकर, लोणार, शेगाव, सिंदखेडराजा,<br>देऊळगावराजा, खामगाव, नांदुरा, मलकापूर, मोताळा  |                              |

**प्रयोगशाळा  
LABORATORY**

**महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळातील मध्यवर्ती प्रयोगशाळा व  
प्रादेशिक प्रयोगशाळांबाबतची माहिती**

| अ.क्र. | प्रयोगशाळेचे नाव  | कार्यक्षेत्र  | दूरध्वनी क्रमांक |
|--------|---|---|------------------|
| १      | मध्यवर्ती प्रयोगशाळा,<br>निर्मलभवन, महापे<br>सी.बी.डी. बेलापूर  | प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई<br>उप प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई -१/२/३/४<br>प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>नवी मुंबई -१/२/तळोजा<br>प्रादेशिक कार्यालय, रायगड<br>उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड - १/२<br>प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>कल्याण - १/२/३/भिवंडी |                  |
| २      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, ठाणे<br>प्लॉट नं. पी- ३०, ५ वा मजला, ऑफिस<br>कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग, मुलुंड चेकनाका,<br>ठाणे - ४०० ६०४  | प्रादेशिक कार्यालय, ठाणे<br>उप प्रादेशिक कार्यालय, ठाणे-१/२/<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>तारापूर-१/तारापूर-२   |                  |
| ३      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, पुणे<br>जोग सेंटर, तिसरा मजला,<br>मुंबई-पुणे रोड, वाकडेवाडी, पुणे ४११ ००३   | प्रादेशिक कार्यालय, पुणे<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>पुणे-१/पुणे-२/पिंपरी चिंचवड/<br>सोलापूर/सातारा  |                  |
| ४      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चिपळूण<br>परकार कॉम्प्लेक्स, पहिला मजला,<br>चिपळूण नगर परिषदेच्या जवळ,<br>ता. चिपळूण, जि. रत्नागिरी,<br>पिन कोड - ४१५ ६०५                       | प्रादेशिक कार्यालय, कोल्हापूर<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>कोल्हापूर/सांगली/रत्नागिरी/चिपळूण<br>उप प्रादेशिक कार्यालय, महाड   | ०२३५५-२६१५७०     |
| ५      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नाशिक<br>उद्योगभवन, पहिला मजला, त्र्यंबक रोड,<br>सातपूर, नाशिक ४२२ ००७  | प्रादेशिक कार्यालय, नाशिक<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>नाशिक/जळगाव/धुळे/अहिल्यानगर  | ०२५३-२३६५१५०     |
| ६      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा,<br>छत्रपती संभाजीनगर<br>पर्यावरण भवन, प्लॉट नं. ए-४/१,<br>चिखलठाणा औद्योगिक वसाहत,<br>सेंट नंदलाल धुत हॉस्पिटलजवळ,<br>छत्रपती संभाजीनगर ४३१ २१० | प्रादेशिक कार्यालय,<br>छत्रपती संभाजीनगर<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>छत्रपती संभाजीनगर/लातूर/नांदेड/परभणी/जालना  |                  |
| ७      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नागपूर<br>उद्योगभवन, ५ वा मजला,<br>विक्रीकर कार्यालय, सिव्हील लाईन,<br>नागपूर ४४० ००१   | प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>नागपूर-१/नागपूर-२/भंडारा<br>उप प्रादेशिक कार्यालय,<br>अमरावती-१/अमरावती-२/अकोला   |                  |
| ८      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चंद्रपूर<br>उद्योगभवन, पहिला मजला,<br>रेल्वे स्टेशनजवळ, चंद्रपूर ४४२ ४०१  | प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर<br>उप प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर   |                  |

